वर्ष-11 अंक-64 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये

प्रयागराज, गुरुवार 15 मई 2025

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play

Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटवर्क

11 YEARS ANNIVERSARY

भारत-पाक टकराव में क्यों रु4,350 सस्ता हुआ सोना, अभी हैं खरीदना या करना हैं इंतजार

नई दिल्ली। भारत-पाक के बीच संघर्ष शुरू होने से पहले सोने की कीमत लगातार बढ़ रही थी। 22 अप्रैल को तो 1 लाख के पार पहुंच गई थी। वहीं भारत के ऑपरेशन सिंदूर से पहले, 6 मई तक सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 96,888 रुपए थी। फिर जैसे ही दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू हुआ, तो सोने की कीमत गिरने लगी और 6 दिनों में ही सोना 4,350 रुपए सस्ता हो गया। यह हैरान करने वाली बात है, क्योंकि आमतौर पर जंग के माहौल में सोना महंगा हो जाता है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन यानी आईबीजेए के मुताबिक, 1 जनवरी 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 76,162 रुपए थी। ये कीमतें भारत में ऑल टाइम हाई थीं। भारत-पाकिस्तान संघर्ष शुरू होने के ठीक पहले तक सोने की कीमतें 1 लाख रुपए के करीब पहुंच गईं। 22 अप्रैल को 10 ग्राम सोना 1 लाख रुपए में बिका, जबकि 6 मई को 96,888 रुपए रहा। 6-7 मई की रात को भारत ने पाकिस्तान पर मिसाइल स्ट्राइक कर दी। इसमें पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकाने तबाह हो गए। इसके बाद दोनों देशों के बीच जंग के हालात बन गए। अगले 3 दिन यानी 10 मई तक भारत-पाक के बीच ड्रोन्स अटैक और मिसाइल हमले हुए। इस दौरान सोने की कीमतें गिरने लगीं। आईबीजेए के मुताबिक, 7 मई को सोना 97,426 रुपए था, जो 12 मई को 93,076 रुपए हो गया। 10 और 11 मई को बाजार बंद रहा। हालांकि, 13 मई को 1,268 रुपए की बढ़ोतरी के साथ सोने का दाम 94,344 रुपए पर पहुंच गया। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर और बिजनेस एक्सपर्ट अजय केडिया कहते हैं, 'जब भारत और पाकिस्तान के बीच जंग के हालात शुरू हुए, तब दुनियाभर में 3 बड़े इवेंट्स और चल रहे थे, जिससे सोना सस्ता हो गया।

भारत के 52वें सी.जे.आई बने जस्टिस बी.आर गवई, राष्ट्रपति ने शपथ दिलाई

नई दिल्ली। जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई ने आज भारत के 52वें चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जस्टिस गवई को सी.जे.आई पद की शपथ दिलाई। मौजूदा सी.जे.आई संजीव खन्ना का कार्यकाल 13 मई को खत्म हो चुका है। सी.जे.आई खन्ना के बाद वरिष्ठता सूची में जस्टिस गवई का नाम था। इसलिए जस्टिस खन्ना ने उनका नाम आगे बढ़ाया। हालांकि, उनका कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का है। सी.जे.आई गवई देश के दूसरे दलित और पहले बौद्ध चीफ जस्टिस हैं। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर दिए प्रोफाइल के मुताबिक, जस्टिस गवई 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट जज के रूप में प्रमोट हुए थे। उनके रिटायरमेंट की तारीख 23 नवंबर 2025 है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्री भी मौजूद रहे।

पाकिस्तान ने बीएसएफ़ के अगवा जवान को छोड़ा, डीजीएमओ लेवल की बातचीत के बाद रिहाई, 20 दिन बाद वाघा बॉर्डर से लौटे

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने भारत के बीएसएफ़ जवान 'पूर्णम कुमार शॉ' को छोड़ दिया है। कांस्टेबल 'पूर्णम' बुधवार को अटारी-वाघा बॉर्डर से भारत लौट आए हैं। बीएसएफ़ ने इसकी पुष्टि की है। पूर्णम पिछले 20 दिनों से पाकिस्तान के कब्जे में थे। पूर्णम23 अप्रैल को गलती से पाकिस्तान चले गए थे। तब से पाकिस्तानी रेंजर्स के कब्जे में थे। डीजीएमओ लेवल पर बातचीत के बाद उन्हें छोड़ा गया है। फिलहाल उन्हें मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया है। उसके बाद पूछताछ होगी और फिर घर जाने दिया जाएगा। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले के अगले दिन पाकिस्तानी रेंजर्स ने बीएसएफ़ जवान पूर्णम कुमार शॉ की दो फोटो जारी की थीं। पहली फोटो में पूर्णम पेड़ के नीचे खड़ा थे। उनकी राइफल, पानी की बोतल, बैग जमीन पर पड़ा था। दूसरी फोटो में जवान की आंखों पर पट्टी बंधी थी। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में बुधवार सुबह हज यात्रियों का दूसरा जत्था हज हाउस से एयरपोर्ट के लिए रवाना हुआ। वे सऊदी अरब के मक्का के लिए रवाना हो रहे हैं। श्रीनगर से हज यात्रियों का पहला जत्था 4 मई 2025 को रवाना हुआ था। ऑपरेशन सिंदूर के कारण 7 मई और 12 मई को रवाना होने वाले हज यात्रियों की सात फ्लाइट्स रद्द कर दी गई थीं। आज से फ्लाइट्स शुरू हुई हैं। श्रीनगर एयरपोर्ट पर मंगलवार से फ्लाइट ऑपरेशन शुरू हुए हैं। दूसरी तरफ, पंजाब के अमृतसर एयरपोर्ट पर भी मंगलवार-बुधवार की रात पहली फ्लाइट लैंड हुई। यह फ्लाइट कतर एयरवेज की थी। इंडिगो एयरलाइंस ने भी पंजाब के लिए बुधवार से फ्लाइट शुरू करने की घोषणा कर दी है।

9 राज्यों में तेज बारिश, 13 में आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने बिहार-छत्तीसगढ़ समेत 14 राज्यों में आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की है। गुजरात, असम समेत 9 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है। वहीं, झारखंड और उत्तर प्रदेश में एक बार फिर गर्मी बढ़ सकती है और यहां उमस की संभावना है। राजस्थान के 11 जिलों में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को दोपहर बाद अलवर, भरतपुर, जयपुर समेत कई शहरों में बारिश हुई। वहीं, बाड़मेर, जैसलमेर में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। इधर, मंगलवार को मौसम विभाग ने बताया कि देश की लाइफलाइन दक्षिण-पश्चिम मानसून ने मंगलवार को निकोबार द्वीप समूह पर दस्तक दे दी है। हर साल 22 मई के आसपास अंडमान में प्रवेश करने वाला मानसून इस साल नौ दिन पहले आया है। मौसम विभाग ने कहा कि अंडमान सागर के ऊपर चक्रवात जैसी स्थिति बन रही है। इससे 16 से 22 मई के बीच कम दबाव का क्षेत्र बन सकता है, जो 23 से 28 मई के बीच साइक्लोन 'शक्ति' का रूप ले सकता है। अगर यह साइक्लोन बनता है, तो 24 से 26 मई के बीच ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटीय इलाकों पर असर डाल सकता है।

ट्रम्प का भारत-पाक सीजफायर पर चार दिन में चौथा बयान

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर से भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर का क्रेडिट लिया है। मंगलवार को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में ट्रम्प ने कहा कि दोनों देशों के बीच सीजफायर में मध्यस्थता के लिए मैंने काफी हद तक बिजनेस का इस्तेमाल किया। सऊदी-अमेरिका इन्वेस्टमेंट फोरम में ट्रम्प बोले, 'मैंने भारत-पाक से कहा कि चलो दोस्तों, एक डील करते हैं। कुछ बिजनेस करते हैं। परमाणु मिसाइलों का व्यापार नहीं करते। बल्कि उन चीजों का बिजनेस करते हैं, जिन्हें आप इतनी खूबसूरती से बनाते हैं।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोमवार को भी भारत-पाक सीजफायर का क्रेडिट खुद को दिया था। उन्होंने कहा था कि मैंने दोनों देशों को समझाया कि अगर लड़ाई नहीं रोकी तो ट्रेड नहीं करेंगे। डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति बनने के बाद मंगलवार को अपने पहले आधिकारिक विदेशी दौरे पर सऊदी अरब पहुंचे हैं। ट्रम्प चार दिन के मिडिल ईस्ट दौरे पर हैं। आज वो रियाद में गल्फ समिट में हिस्सा लेंगे और फिर कतर रवाना होंगे। दौरे के आखिरी दिन यूएई पहुंचेंगे।

रियाद में आज अमेरिका और गल्फ कॉपरेशन काउंसिल के बीच गल्फ समिट होगी। इस समिट का आयोजन सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान कर रहे हैं। इसमें सऊदी अरब, यूएई, बहरीन, कुवैत, ओमान, और कतर के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके साथ ही ट्रम्प सीरिया के नव निर्वाचित राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से भी मुलाकात कर सकते हैं। ट्रम्प ने कल ही सीरिया पर लगे सभी बैन हटाने का ऐलान किया है। समिट के बाद ट्रम्प कतर दौरे के लिए रवाना हो जाएंगे। जहां कतर सरकार उन्होंने 3400 करोड़ का लग्जरी बोइंग 747-8 जंबो जेट गिफ्ट कर सकती है।

हाईकोर्ट ने एमपी के मंत्री पर एफआईआर के निर्देश दिए, डीजीपी को 4 घंटे का समय,विजय शाह ने कर्नल सोफिया पर दिया था बयान

भोपाल। मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए गए बयान पर मप्र हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। हाईकोर्ट ने एमपी के डीजीपी को विजय शाह पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए डीजीपी को 4 घंटे का समय दिया है। हालांकि इस बारे में कोर्ट का विस्तृत आदेश अभी सामने नहीं आया है। बता दें कि विजय शाह का एक वीडियो सामने आया था। जिसमें उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बताया था। उनके इस बयान के बाद देशभर में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहा है। शाह रविवार को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में आयोजित हलमा कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे।विजय शाह बोले- मोदी जी ने कहा था कि घर में घुसकर मारूंगा। जमीन के अंदर कर दूंगा। आतंकवादी तीन मंजिला घर में बैठे थे। बड़े बम से छत उड़ाई, फिर बीच की छत उड़ाई और अंदर जाकर उनके परिवार की ऐसी की तैसी कर दी। यह 56 इंच का सीना वाला ही कर सकता है।मंत्री विजय शाह के बयान पर हाईकोर्ट के स्वतः संज्ञान और एफआईआर के निर्देश देने के बाद कांग्रेस ने विजय शाह पर केस दर्ज करने की मांग की है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने कहा है कि विजय शाह को भाजपा से भी तत्काल प्रभाव से बाहर का रास्ता दिखाया जाए।मंत्री शाह के बयान से नाराज पार्टी आलाकमान ने उन्हें प्रदेश मुख्यालय तलब कर लिया। संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के बुलावे पर मंत्री जी हवाई चप्पल में ही पार्टी दफ्तर पहुंचे। यहां संगठन महामंत्री ने बयान को लेकर उन्हें फटकार लगाई, जिसके बाद मंत्री जी के बोल बदल गए। सूत्रों के मुताबिक शाह ने माफी मांगते हुए आगे से ऐसा नहीं करने का भरोसा दिया है।वीडियो वायरल होने के बाद मंत्री विजय शाह ने मंगलवार को एक न्यूज एजेंसी से कहा- प्रधानमंत्री ने हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ने वालों को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया है। मेरे भाषण को अलग संदर्भ में न देखें। कुछ लोग इसे अलग संदर्भ में देख रहे हैं। वो हमारी बहनें हैं और उन्होंने पूरी ताकत से सेना के साथ मिलकर काम किया है।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' योजना की समीक्षा बैठक संपन्न

प्रयागराज। मुख्य विकास अधिकारी, महोदया की अध्यक्षता में जनमिलन सभागार

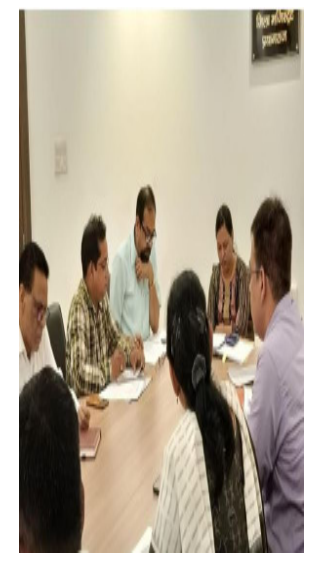

कक्ष, क्लेक्ट्रेट प्रयागराज में दिनांक 13.05.2025 को अपराहन 01:00 बजे मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की समीक्षा बैठक विभिन्न बैंक शाखाओ वे जिला समन्वयकों के साथ सम्पन्न हुआ, बैठक में नवीन योजना का समीक्षा करने पर पाया गया कि बैंक आफ बडौदा को 677 आवेदन प्राप्त हुए के सापेक्ष 150 आवेदन, बैंक आफ इंडिया को 58 आवेदन प्राप्त हुए के सापेक्ष 16 आवेदन, बडौदा उ0प्र0 ग्रामीण बैंक को 383 आवेदन प्राप्त हुए के सापेक्ष 85 आवेदन, केनरा बैंक को 31 आवेदन प्राप्त हुए के सापेक्ष 05 आवेदन, एचडीएफसी बैंक लि0 को 137 आवेदन प्राप्त हुए के सापेक्ष 02 आवेदन, इंडियन बैंक को 127 आवेदन प्राप्त हुए के सापेक्ष 05 आवेदन, पंजाब नेशनल बैंक को 174 आवेदन प्राप्त हुए के सापेक्ष 43 आवेदन, भारतीय स्टेट बैंक आफ इंडिया को 423 आवेदन प्राप्त हुए के सापेक्ष 13 आवेदन, यूको बैंक को 58 आवेदन प्राप्त के सापेक्ष 12 आवेदन, यूनियन बैंक आफ इंडिया को 112 आवेदन प्राप्त हुए के सापेक्ष 19 आवेदन स्वीकृत / वितरण के लिए पोर्टल पर अवशेष पाये जाने पर मुख्य विकास अधिकारी, महोदया द्वारा सम्बन्धित बैंकर्स तथा जिला समन्वक भारतीय स्टेट बैंक पर रोष प्रकट करते हुए अंतिम चेवानी देते हुए निर्देशित किया गया कि पोर्टल पर स्वीकृत / वितरण लम्बित आवेदन पत्रों एंव बेवजह किये जा रहे आवेदन निरस्त न किया जाय। मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा सम्बन्धित बैंकर्स को निर्देशित किया गया कि पोर्टल पर अवशेष ऋण आवेदनों को एक सप्ताह के अन्दर स्वीकृत / वितरण कराना सुनिश्चित करे।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में हथियारों का जखीरा बरामद, इसमें एके-47 और हैंड ग्रेनेड शामिल,मंगलवार को यहीं सेना ने 3 आतंकियों को ढेर किया था

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद भी सुरक्षाबलों का ऑपरेशन लगातार जारी है। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के केलर में बुधवार को भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा बरामद हुआ है। इसमें एके-47 गन समेत कई तरह की बंदूकें, हैंड ग्रेनेड, हजारों की संख्या में गोलियां शामिल है। केलर में ही 13 मई को सुरक्षाबलों के साथ एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए थे। शोपियां जिले के केलर स्थित शुकरू फॉरेस्ट एरिया में गलवार को शाम 4.30 बजे मुठभेड़ खत्म हुई थी। इसे ऑपरेशन को केलर नाम दिया गया था। मारे गए आतंकियों में लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर शाहिद अहमद कुट्टी भी शामिल था।13 मई की दोपहर 12 बजकर 53 मिनट पर भारतीय सेना के असिस्टेंट डायरेक्टर जनरल ऑफ पब्लिक इन्फॉर्मेशन यानी एडीजीपीआई ने सोशल मीडिया एक्स पर ऑपरेशन केलर की जानकारी दी। पोस्ट में लिखा-'भारतीय सेना की राष्ट्रीय राइफल्स विंग को खुफिया सोर्सेज से शोपियां के शोकल केलर इलाके में आतंकियों के होने की जानकारी मिली । इसके बाद भारतीय सेना ने 'सर्च एंड डिस्ट्रॉय' यानी आतंकियों को ढूंढकर मारने का ऑपरेशन लॉन्च किया।' इसके बाद खबर आई कि भारतीय सेना ने एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मार गिराए हैं। इनमें शोपियां के रहने वाले शाहिद कुट्टी, अदनान शफी और पहलगाम का रहने वाला अहसान अहमद शेख शामिल था।

अप्रैल में थोक-महंगाई 13 महीने के निचले स्तर 0.85फ़ीसदी पर, खाने-पीने के सामान की कीमतों में गिरावट का असर

नई दिल्ली। अप्रैल महीने में थोक महंगाई 2.05प्रतिशत से घटकर 0.85फ़ीसदी पर आ गई है। ये महंगाई का 13 महीनों का निचला स्तर है। इससे पहले मार्च 2024 में महंगाई 0.53फ़ीसदी पर थी। वहीं फरवरी 2025 की महंगाई दर को सरकार ने संशोधित किया है। इसे 2.38फ़ीसदी से बढ़ाकर 2.45फ़ीसदी कर दिया गया है। रोजाना की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों की कीमतों के घटने से महंगाई घटी है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने आज यानी 14 मई को ये आंकड़े जारी किए।थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए डब्लूपीआई को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। डब्लूपीआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसे कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। महंगाई मापने के लिए अलग-अलग आइटम्स को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75फ़ीसदी, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 22.62फ़ीसदी और फ्यूल एंड पावर 13.15फ़ीसदी होती है। वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86फ़ीसदी, हाउसिंग की 10.07फ़ीसदी और फ्यूल सहित अन्य आइटम्स की भी भागीदारी होती है।

भारत में तुर्किये-चीन के सरकारी चैनलों के एक्स अकाउंट ब्लॉक,भारत विरोधी प्रोपेगैंडा चलाने का आरोप

नई दिल्ली। भारत सरकार ने बुधवार को तुर्किये के सरकारी चैनल टीआरटी वर्ल्ड और चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स और शिन्हुआ के एक्स अकाउंट ब्लॉक कर दिए हैं। इन पर भारत विरोधी प्रोपेगैंडा चलाने और सेना के बारे में गलत खबरें फैलाने का आरोप है। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद भी सुरक्षाबलों का ऑपरेशन लगातार जारी है। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के केलर में बुधवार को भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा मिला है। यहां 13 मई को सुरक्षाबलों के साथ एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए थे। बरामद हथियार में दो एके-47 राइफल, 10 एक-47 मैगजीन, तीन हैंड ग्रेनेड, दो वॉकी-टॉकी, एक पावर बैंक, 500 से ज्यादा बुलेट, कई आधार कार्ड, खाकी रंग जैसे 4 आर्मी पाउच, 4 ब्लैक ड्रेस, 5 हजार से ज्यादा कैश है। इधर, श्रीनगर एयरपोर्ट से हज यात्रियों का दूसरा जत्था सऊदी अरब के मक्का के लिए रवाना हुआ। श्रीनगर से हज यात्रियों का पहला जत्था 4 मई 2025 को रवाना हुआ था। ऑपरेशन सिंदूर के कारण 7 मई और 12 मई को रवाना होने वाले हज यात्रियों की सात फ्लाइट्स रद्द कर दी गई थीं। श्रीनगर एयरपोर्ट पर मंगलवार से फ्लाइट ऑपरेशन शुरू हुए हैं।

'सेना का अपमान, भाजपा मंत्री को क्यों नहीं किया बर्खास्त', कर्नल सोफिया पर बीजेपी मंत्री के बयान के बाद भड़के कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी

प्रयागराज। प्रयागराज में कांग्रेस नेता को पार्टी से निकालकर बर्खास्त क्यों नहीं प्रमोद तिवारी ने कर्नल सोफिया कुरैशी के मुद्दे पर भाजपा पर तीखा प्रहार किया है।उन्होंने कहा कि यह एक महिला अधिकारी का अपमान है। तिवारी ने कहा कि यह भारतीय सेना की गौरवगाथा का भी अपमान है। उन्होंने इस मामले को शर्मनाक और दुखद बताया। उनका कहना था कि यह केवल कर्नल सोफिया का नहीं, बल्कि पूरी भारतीय सेना का अपमान है। कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया कि विवादित बयान देने वाले नेता अभी भी भाजपा में मंत्री पद पर बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा उस बयान से असहमत है, तो संबंधित मंत्री किया गया।प्रमोद तिवारी ने युद्धविराम पर भी सवाल उठाया और कहा कि जब भारत की सेनाएं आतंकियों को करारा जवाब दे रही थीं, तभी अचानक अमेरिका से युद्धविराम की घोषणा कैसे हो गई? उन्होंने कहा, 'यह घोषणा वाशिंगटन से हुई, न कि दिल्ली या रावलपिंडी से। ये तीसरा पक्ष कौन है जो भारत-पाक रिश्तों में दखल दे रहा है? उन्होंने मांग की कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए, जिसमें प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हो और इन सवालों पर चर्चा की जाए। उन्होंने कहा यह बयान शर्मनाक और दुखद है।

'1 करोड़ की जमीन में हिस्सा दो' वरना तुम्हें भी काटूंगा, प्रयागराज में दादी को काटने वाले ने लॉकअप में भी परिवार को धमकाया

प्रयागराज। 'मुझे भी 2 बिस्वा जमीन में हिस्सा चाहिए। नहीं दिया तो समझ लेनाष्ठअभी दादी को काटा है, जेल से छूटकर आया तो और लोगों को काट दूंगा।' जी है ये शब्द हैं, केशव का जिसने बीते रविवार को प्रयागराज में 1 करोड़ की जमीन के लिए दादी का मर्डर कर दिया था. प्रयागराज से करीब 30किमी दूर प्रतापगढ़ हाईवे किनारे बसे नहर दादौली गांव में जब लोगो से बात की तो यहां एक छोटा सा पुरवा है, जिसे लोग रामनगर के नाम से जानते हैं। रामनगर में विश्वकर्मा समाज की बस्ती है, जिसमें एक कुनबा स्व. शंकरलाल और सरजू देवी (80) का है। परिवार में छोटे-बड़े मिलाकर 50 से ज्यादा लोग रहते हैं। उनके घर एक-दूसरे से सटे हुए बने हुए हैं। गांव के लोगों से बात करके समझ आया कि केशव शराबी और झगड़ालू था। इस जघन्य हत्या के बाद गांव के लोगों में उसका खौफ था, लोग उसके बारे में ज्यादा बात करने को तैयार नहीं हुए।सरजू देवी के घर पहुंचने के बाद हमारी सबसे पहले मुलाकात केशव पर केस दर्ज कराने वाले महारानी दीन की पत्नी अनीता से हुई। हमने पूछा- क्या केशव रोज झगड़ा करता था? उन्होंने कहा- ऐसा लगता था कि शराब पीने के बाद केशव पर जमीन पर कब्जे की सनक सवार हो जाती। वह हमारे घर के बाहर आ जाता। गालियां देता.. परिवार की बेटियों को बुरी-बुरी बातें कहता। सास (सरजू देवी) से झगड़ा करता। हमने पूछा- इधर 10 दिन में कोई बड़ा बदलाव देखा था क्या आपने? अनीता ने कहा- दादी एक 58 के कमरे में रहती थीं। हम लोग उनकी सेवा करते थे। एक हफ्ते से वह छिप-छिपकर दादी से मिलने आता था। क्या कहता-सुनता था, ये किसी को नहीं पता। उसे लगता था कि उसके माता-पिता की जमीन पर हम लोगों ने कब्जा कर लिया है। इसलिए वह हम लोगों से गुस्सा रहता था।

जिसके बेटे ए.के से पाकिस्तान थर-थर कांप रहा, मां ने बताया- वो सिर्फ बिहार ही नहीं, पूरे देश का लाल है

पूर्णिया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, डायरेक्टर जनरल ऑफ एयर ऑपरेशन्स एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती चर्चा में हैं। भारतीय वायु सेना ने इस ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एके भारती बिहार के पूर्णिया जिले के रहने वाले हैं। उनकी मां ने एक इंटरव्यू में बेटे की तारीफ की। उन्होंने कहा कि दुनिया जानती है कि उनके बेटे और पोते ने देश का नाम रोशन किया है। एके भारती एक साधारण परिवार से हैं। उनके पिता जीवछ लाल यादव रिटायर्ड क्लर्क हैं। एके भारती के तीन भाई और एक बहन हैं। एयर मार्शल भारती ने 1987 में वायु सेना में अपना करियर शुरू किया था। 2008 में उन्हें वायु सेना मेडल से सम्मानित किया गया। 2023 में वे एयर मार्शल बने। डीजीएओ एके भारती के परिवार की बात करें तो, उनकी मां उर्मिला देवी ने एक निजी टीवी चैनल को इंटरव्यू में कई बातें बताईं। उन्होंने कहा कि एके भारती के दादाजी का सपना था कि वे पायलट बनें। इसलिए, एके भारती ने बचपन से ही हवाई जहाज उड़ाने की जिद पकड़ ली थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद, उन्होंने देश की सेवा करने का फैसला किया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद हर तरफ ए.के के चर्चे हैं।उर्मिला देवी ने अपने बेटे पर गर्व महसूस करते हुए कहा, 'मेरे तीन बेटे हैं, जिनमें सबसे बड़े अवधेश कुमार भारती हैं। मुझे अपने बेटे पर गर्व है।' इसका मतलब कि उन्होंने आगे कहा कि उनका बेटा देश की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहता है। वह भारत माता की सेवा में हमेशा तत्पर रहेगा। उर्मिला देवी ने बताया कि एके भारती बचपन से ही सेना में जाना चाहते थे। उन्होंने अपना सपना सच कर दिखाया।उर्मिला देवी ने यह भी कहा कि एयर मार्शल भारती एक सच्चे देशभक्त हैं। वे हमेशा देश के लिए काम करते हैं। उन्होंने इंटरव्यू में कई बातें कहीं, उनमें सबसे खास बात उन्होंने कही कि अब दुनिया जानती है कि किसके बेटे,पोते ने देश का नाम रौशन किया।एयर मार्शल भारती ने 1987 में भारतीय वायु सेना में अपनी सेवा शुरू की। उन्होंने फाइटर जेट पायलट के तौर पर अपना करियर बनाया। उन्होंने अपनी सेवा के दौरान कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। वर्ष 2008 में, उन्हें उनकी बेहतरीन सेवाओं के लिए राष्ट्रपति द्वारा वायु सेना मेडल से सम्मानित किया गया। यह मेडल उन्हें उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए दिया गया था।साल 2023 में, उन्हें एयर मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया। एयर मार्शल का पद वायु सेना में बहुत ऊंचा और प्रतिष्ठित माना जाता है। अपनी वर्तमान जिम्मेदारी संभालने से पहले, वे प्रयागराज स्थित मध्य वायु कमान में वरिष्ठ स्टाफ ऑफिसर के पद पर काम कर रहे थे।

वरिष्ठ पत्रकार डॉ विजय कुमार राय को मीडियाकर्मियों ने दी श्रद्धांजलि

नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित हुआ कार्यक्रम

नोएडा : सेक्टर 29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में मंगलवार को एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया ,गौरतलब है की नॉएडा मीडिया क्लब के सम्मानित सदस्य और राष्ट्रिय सहारा के समूह सम्पादक डॉ विजय कुमार राय जी का गंभीर बीमारी के चलते बीते 4 मई को देहावसान हो गया था ,स्वर्गीय डॉ विजय कुमार राय जी की याद में क्लब के सदस्यों और अन्य मीडिया संस्थान द्वारा एक श्रद्धांजलि सभा के जरिये उन्हें याद किया गया और मृत आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की गयी। सभा के दौरान नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष श्री आलोक द्विवेदी जी ने स्वर्गीय डॉ विजय कुमार राय को याद करते हुए कहा की उनका जीवन अपने आप में एक आदर्श है कैसे उन्होंने ने अपनी मेहनत के बल पर एक संवाददाता से लेकर समूह संपादक तक का सफर तय किया उनका व्यवहार अपने हर कर्मचारी को खुश रखते थे और हर कर्मचारी भी उन्हें अपना बॉस मनाने की बजाय बड़ा भाई मनाते थे, उनके बहुत से ऐसे संस्मरण है जो उनके कुशल नेतृत्व की याद दिलाते हैं।संवाददाता से समूह संपादक तक का सफर किया था तय -मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के रहने वाले डॉ विजय कुमार राय की प्राथमिक शिक्षा गोरखपुर और आजमगढ़ से हुई वहीँ स्नातक की पढ़ाई उन्होंने कुशीनगर से की साथ ही बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से उन्होंने समाजशास्त्र और पत्रकारिता की शिक्षा के बाद उन्होंने पीएचडी की डिग्री हासिल की शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने कई वर्ष शिक्षक के रूप में भी अपना योगदान किया ,दूसरी पारी में उन्होंने राष्ट्रिय सहारा अखबार में बतौर संवाददाता के रूप में उन्होंने अपनी शुरुआत की और उन्होंने वहां से राष्ट्रिय सहारा के समूह संपादक तक का सफर तय किया।इस दौरान सभी के द्वारा मौन रख कर स्वर्गीय डॉ विजय कुमार राय जी को याद किया गया और उनके चित्र में पुष्प अर्पित कर आत्मा की शाँति के लिए प्रार्थना की गयी। श्रद्धांजलि सभा के दौरान विनोद शर्मा, सुरेश चौधरी,अमित चौधरी,जेपी सिंह,दिनेश शर्मा,जगदीश शर्मा,पवन राज,दिनेश सिंह, देव गुर्जर,धीरेन्द्र अवाना, संतोष सिंह, अरुण सिन्हा, मनोहर त्यागी,मनोज वत्स, संगीता चौधरी, सुनैना,राजकुमार चौधरी, संदीप कुमार,वरुण श्रीवास्तव, सनम यादव, बलवीर, सुनील अवाना, निशांत शर्मा, प्रवेश चौधरी,देवेंद्र प्रभात, वीरेंद्र मलिक, आरबी यादव,मुकेश गुप्ता, ए के लाल,जीतेन्द्र प्रताप सिंह,बी के अवस्थी, अनुराग सिंह, निषेश जैन, राजीव मंडल आदि मीडियाकर्मी मौजूद रहे।

कौन सा काज कठिन जग माही, जो नहि होय तात तुम पाही।

रायबरेला । ज्येष्ठ माह के

प्रथम मंगलवार को जनपद रायबरेली में जगह-जगह हनुमान मंदिरों को सजाया गया एवं संगीत मय सुंदरकांड का पाठ, विधिवत् पूजा अर्चना के साथ प्रसाद वितरण किया गया। जनपद के सभी मन्दिरों को फूलों तथा रंगीन झालरों से सजाया गया। स्थानीय भवानी पेपर मिल में काले हनुमान जी का श्रृंगार करते हुए चना, पूड़ी सब्जी,शरबत,बूंदी का भोग लगाया गया।आशु शुक्ला की पार्टी द्वारा संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया गया।इस अवसर पर मनोज पांडेय बजरंगदास, के.पी. त्रिपाठी,दिनेश श्रीवास्तव, बीना पांडे सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।इसी प्रकार पुलिस लाइन चौराहे पर डॉ. सुनील कुमार त्रिवेदी द्वारा संगीतमय सुंदरकांड का पाठ तथा पूड़ी सब्जी, छोला चावल,शरबत आदि का वितरण किया गया।इस अवसर पर राजेन्द्र अवस्थी,शिव मनोहर पांडे सहित सैकड़ों लोगों ने प्रसाद छका।कोतवाली रोड पर अनुपम गुप्ता द्वारा हनुमान की पूजा अर्चना कर शरबत,पूड़ी सब्जी, आइसक्रीम तथा बूंदी का वितरण किया गया।इस अवसर पर किशोर गुप्ता उनका परिवार मित्रगण अनिल कुमार खरे, आदि सौकड़ों लोग उपस्थित रहे।शहर के कचहरी रोड,नेहरू नगर,डिग्री कॉलेज चौराहे पर संगीतमय सुंदरकांड व भजनों का प्रसारण लाउडस्पीकर के माध्यम से किया गया और प्रसाद वितरण किया गया।पूरा शहर भक्ति भाव से ओत - प्रोत रहा।

कौन हैं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. माद्री काकोटी? पहलगाम हमले के बाद पाक में वायरल हो रहे वीडियो

लखनऊः पहलगाम में हुए आतंकी हमले से पूरा देश गुस्से में है। इस बीच,लखनऊ यूनिवर्सिटी की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. माद्री काकोटी का एक वीडियो पाकिस्तान में वायरल हो रहा है। वीडियो में उन्होंने भारत सरकार पर तंज कसते हुए कहा है कि धर्म के नाम पर भेदभाव करना भी आतंकवाद है। उनके इस बयान पर भारत में बहस छिड़ गई है और लखनऊ यूनिवर्सिटी के छात्र कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।दरअसल, डॉ. माद्री काकोटी ने अपने वीडियो में सरकार पर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा है- धर्म पूछकर गोली मारना आतंकवाद है.. और धर्म पूछकर लिंच करना, नौकरी से निकालना, घर न देना, या घर पर बुलडोजर चलाना भी आतंकवाद है। असली आतंकी को पहचानो। प्रोफेसर का यह वीडियो पाकिस्तान में खूब देखा जा रहा है। वहां के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसे शेयर किया जा रहा है। इस वजह से भारत में भी इस बयान पर बहस शुरू हो गई है।वीडियो में प्रोफेसर काकोटी कहती हैं- 'कश्मीर के पहलगाम में 27 लोग मारे गए। इनमें आप जैसे, मुझ जैसे दिखने वाले आम हिंदुस्तानी थे। 27 लोगों की जान चली गई और मीडिया वाले टीआरपी बटोरने में लगे रहे। जिम्मेदारों से कोई वाजिब सवाल नहीं पूछा गया। इंटरनल सिक्योरिटी में इतनी बड़ी चूक हो गई, और होम मिनिस्टर को पता तक नहीं चला।आपको बता दें कि डॉ माद्री काकोटी सोशल मीडिया पर डॉ मेडुसा के नाम से मशहूर हैं। वह अक्सर व्यंग्य के अंदाज में सरकारों की आलोचना करती हैं। वह काकोटी असम की रहने वाली हैं। उनके इस बयान से लखनऊ यूनिवर्सिटी के छात्र नाराज हैं। उन्होंने वीसी से कार्रवाई की मांग की है. हालांकि, लखनऊ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने अभी तक इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया है।

'15 मिनट की डिलीवरी में झूमने वाली चीज' राजधानी भोपाल में जखीरे के साथ पकड़ाया युवक

भोपाल। आजकल हर छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी चीजें ऑनलाइन उपलब्ध हैं। कंपनियां ये सामान घर पहुंचाने भी लगी हैं। खाने की चीजें हों या पीने की, लेकिन हद तो तब हो गई जब एक डिलीवरी बॉय घर-घर शराब पहुंचाते पकड़ा गया। कमाल की बात यह है कि वह ब्लिंक इट के बैग में रखकर शराब की सप्लाई करता था। यह कंपनी किराना, फल-सब्जी समेत अन्य सामान घर-घर पहुंचाती है। लेकिन बैग में शराब की होम डिलीवरी का मामला पहली बार सामने आया है। आबकारी विभाग की टीम ने 4 दिन तक रेकी करने के बाद उसके कब्जे से 31 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की है।यह कार्रवाई करोंद क्षेत्र में शिवनगर निवासी संतोष अग्रवाल के घर पर की गई है। यहां पर अलग-अलग ब्रान्ड की 31 पेटी शराब जब्त की गई, जिसकी कीमत 3.70 लाख रुपए है। आरोपी को फिलहाल जेल भेज दिया गया है। आरोपी संतोष ने पुलिस को बताया है कि वह ब्लिंकइट के बैग में भरकर शराब की होम डिलीवरी करता था। यह बैग अलग-अलग साइज के होते हैं।कमाल की बात यह है कि वह शराब का पेमेंट भी ऑनलाइन एप के जरिए ही लेता था। उसके कब्जे से 2 मोबाइल भी जब्त किए गए हैं। पुलिस को आशंका है कि आरोपी की कॉल रिकॉर्ड के आधार पर शराब के कारोबार से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी मिल सकती है। आखिर उसके पास इतनी मात्रा में शराब कैसे पहुंची? पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

शहीद की पत्नी की वो आखिरी इच्छा... बंद कमरे में आधे घंटे तक गुजारी वक्त, बाहर गूंजते रहे भारत माता की जय के नारे

सिवान। भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान शहीद हुए बिहार के रहने वाले आर्मी जवान रामबाबू सिंह का पार्थिव शरीर उनके गांव पहुंचा। उनका गांव वसिलपुर सिवान जिले के बड़हरिया प्रखंड में है। उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया। छह महीने पहले ही उनकी शादी हुई थी। अंतिम दर्शन के लिए हजारों लोग उमड़ पड़े। उनकी पत्नी और मां पार्थिव शरीर से लिपटकर रोती रहीं। अंतिम संस्कार से पहले सेना के जवानों ने उनकी पत्नी से आखिरी इच्छा पूछी, जिसे सुनकर सभी भावुक हो गए। रामबाबू सिंह भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान बॉर्डर पर तैनात थे। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चल रहा था। वे बिहार के सिवान जिले के रहने वाले थे। उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव वसिलपुर लाया गया। ये गांव बड़हरिया प्रखंड में है। रामबाबू सिंह की शादी को अभी छह महीने ही हुए थे। उनके अंतिम दर्शन के लिए हजारों लोग जमा हुए। जब उनका पार्थिव शरीर घर पहुंचा, तो उनकी मां और पत्नी उससे लिपटकर रोने लगीं। वहां का माहौल बहुत ही गमगीन था। सेना के जवानों ने अंतिम संस्कार करने से पहले उनकी पत्नी से उनकी आखिरी इच्छा के बारे में पूछा। ये सुनकर वहां मौजूद सभी लोग भावुक हो गए।सेना के जवान रामबाबू के पार्थिव शरीर को लेकर उनके गांव पहुंचे। उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। जैसे ही शहीद का पार्थिव शरीर उनके घर के दरवाजे पर पहुंचा, वहां मौजूद महिलाएं जोर-जोर से रोने लगीं। उनकी मां अपने बेटे के पार्थिव शरीर से लिपटकर विलाप कर रही थीं। उनकी पत्नी अंजली का रो-रोकर बुरा हाल था। उनकी मां उन्हें ढांढस बंधा रही थीं। शहीद की मां बार-बार अपने बेटे का नाम लेकर बेहोश हो जा रही थीं। लोग उनकी पत्नी और मां को संभालने की कोशिश कर रहे थे। जब सेना के अधिकारियों ने पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने से पहले शहीद की पत्नी से कोई आखिरी इच्छा पूछी, तो उनकी पत्नी ने ऐसा जवाब दिया कि हर कोई भावुक हो गया।शहीद की पत्नी अंजलि ने सेना के अफसरों से कहा, 'वो चाहती हैं कि अंतिम संस्कार के लिए ले जाने से पहले रामबाबू के पार्थिव शरीर को उनके कमरे तक ले जाया जाए।' ये सुनकर सेना के जवान तुरंत पार्थिव शरीर को उनके कमरे तक ले गए। लगभग आधे घंटे तक कमरा बंद रहा और रामबाबू के परिजन अंदर रहे। इसके बाद, रामबाबू का पार्थिव शरीर बाहर लाया गया और सभी ने नम आंखों से उन्हें विदाई दी। रामबाबू सिंह की शादी को सिर्फ छह महीने ही हुए थे। शादी के बाद वे ज्यादातर समय ड्यूटी पर ही रहे। जिस दिन वे शहीद हुए, उस दिन भी उन्होंने सुबह अपनी पत्नी से फोन पर बात की थी। उन्होंने शाम को फिर से कॉल करने का वादा किया था। लेकिन, अचानक ही उनके शहादत की खबर उनके परिवार को मिली।

राजस्थान,शराब, सिगरेट और चखना, सरकारी अस्पताल की लैब का नजारा देख उड़ जाएंगे आपके होश

चूरू। राजस्थान के चूरू जिले के सबसे बड़े राजकीय चिकित्सालय गवर्नमेंट डीबी हॉस्पिटल की प्रतिष्ठा को उस वक्त गहरी चोट लगी, जब अस्पताल की प्रयोगशाला (लैब) में 'रक्त जांच' की जगह 'शराब की चखना पार्टी' चलती पकड़ी गई। जी हां, ये कोई फिल्मी सीन नहीं बल्कि हकीकत है, जहां अस्पताल के लैब से जुड़े दो कार्मिकों ने सरकारी लैब को ही बार बना डाला। मीडिया रिपोटर्स के मुताबिक, औचक निरीक्षण के दौरान मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. एमएम पुकार ने इस पूरी 'हाई स्पिरिटेड' हरकत का पर्दाफाश किया।मीडिया रिपोटर्स में बताया गया है कि बीते दिवस शाम जब डॉ. पुकार ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया, तो लैब में जैसे ही कदम रखा, उन्हें वहां से आती शराब की महक ने चौंका दिया। जांच में पता चला कि दो स्टाफकर्मी मौके पर मौजूद थे, एक रंगे हाथों पकड़ा गया, तो दूसरा 'फ्लाइट मोड' में मौके से फरार हो गया। डस्टबिन में फेंकी गई शराब की खाली बोतलें, सिगरेट के टुकड़े, नमकीन के रैपर और गिलास इस 'मिनी पार्टी' की गवाही दे रहे थे।घटना के बाद अस्पताल प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। मेडिकल कॉलेज की ओर से तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई है, जिसकी अगुवाई मैडिकल ज्यूरिस्ट डॉ. रमाकांत और लैब प्रभारी डॉ. नदीम कर रहे हैं। कमेटी को तीन दिन में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।मीडिया रिपोटर्स में कार्यवाहक अधीक्षक डॉ. इदरीश खान ने भी मामले की पुष्टि करते हुए कहा, 'इस तरह की शिकायतें पहले भी आई थीं। अब साक्ष्य मिलने के बाद मामले को गंभीरता से लिया गया है। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। मीडिया रिपोटर्स में लैब प्रभारी डॉ. नदीम ने बताया कि शराब पार्टी की सामग्री जब्त कर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवा दी गई है। चिकित्सा विभाग की छवि धूमिल करने वाली इस घटना को लेकर प्रशासन बेहद सख्त है और दोषियों को जल्द निलंबन अथवा अन्य दंडात्मक कार्रवाई झेलनी पड़ सकती है।

दिल्ली में दो बार तेज आंधी और बारिश का पूर्वानुमान फ्लॉप, प्री मॉनसून सीजन में क्यों फेल होता है मौसम विभाग?

नई दिल्ली। प्री मॉनसून सीजन में मौसम का पूर्वानुमान करना मुश्किल हो रहा है। राजधानी दिल्ली में अब तक दो बार तेज आंधी और बारिश का पूर्वानुमान करने में मौसम विभाग सफल नहीं हो सका। दोनों बार आंधी शुरू होने के साथ ही अलर्ट बदले गए, जिसकी वजह से समय रहते इसकी जानकारी न तो विभागों और न ही लोगों तक पहुंच सकी।मौसम विभाग के अनुसार, पूरे साल की बात करें तो अप्रैल तक इस साल का एक्यूरेसी रेट बीते साल की तुलना में अच्छा रहा है। 2025 में अप्रैल तक पूर्वानुमान का एक्यूरेसी रेट 94 प्रतिशत रहा है। बीते साल यह 91 प्रतिशत था। सर्दियों के दौरान 2025 का एक्यूरेसी रेट 97 प्रतिशत रहा है। बीते साल भी यह ऐसा ही रहा था। प्री मॉनसून में एक्यूरेसी रेट थोड़ा गिरकर 92 प्रतिशत है। इसमें भी अप्रैल का एक्यूरेसी रेट महज 87 प्रतिशत रहा हैमौसम विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, दोनों बार मई में आंधी-बारिश हुई। मई-जून में जब तापमान बहुत अधिक होता है और उस समय हवाओं के साथ नमी भी आने लगती है तो लोकल स्तर पर मौसम में बदलाव होते हैं। आंधी और कन्वेक्टिव रेन होती है। यह स्पैल कम समय के लिए होते हैं, लेकिन काफी तेज होते हैं। इनकी लाइफ आधे से एक या डेढ़ घंटे तक हो सकती है। अधिकारी के अनुसार, बीते सोमवार को पहली बार मई में तापमान 40 डिग्री से उपर पहुंचा था। इसकी वजह से दिल्ली, हरियाणा और यूपी के ऊपर कन्वेक्टिव सेल्स तेजी से बनें। यह अधिक तापमान की वजह से हुआ। जब ऐसा होता है तो हल्की सी नमी से भी आंधी वाले बादल तेजी से बनने लगते हैं। अधिकारी के अनुसार, प्री मॉनसून में खासतौर पर पूर्वानुमान आंधी और इन्हीं लोकल वजहों की वजह से काफी ट्रिकी हो जाता है।मौसम विभाग के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि प्री मॉनसून और मॉनसून के दौरान पूर्वानुमान करना चुनौतीपूर्ण रहता है। दूर-दराज में बन रहे सिस्टम के अलावा छोटे स्तर पर होने वाली गतिविधियां भी व्यापक बदलाव करने में सक्षम होती हैं। कोई भी मॉडल और तकनीक 100 प्रतिशत सही पूर्वानुमान नहीं कर सकती। 24 घंटे के पूर्वानुमान में मौसम विभाग की एक्यूरेसी 80 प्रतिशत से अधिक है। इसके अलावा 5 दिनों के पूर्वानुमान में भी यह 60 प्रतिशत से अधिक की है। पूर्वानुमान में तकनीक, मॉडल और वैज्ञानिकों के आकलन को शामिल किया जाता है। कई बार 24 घंटे के पूर्वानुमान में भी अचानक होने वाले बदलावों का पता लगाना मुश्किल होता है।

बिना परमिशन छात्रावास पहुंचे राहुल, 12 मिनट में संबोधन खत्मःबिहार पुलिस ने काफिला 3किमी पहले रोका

नई दिल्ली। जिला प्रशासन से अनुमति न मिलने बावजूद राहुल गांधी गुरुवार को दरभंगा के अंबेडकर छात्रावास पहुंचे। वे छात्रों से संवाद तो नहीं कर पाए, लेकिन उन्होंने मंच से छात्रों को संबोधित किया। एनएसयूआई के शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे राहुल का संबोधन महज 12 मिनट में खत्म हो गया। इस दौरान उन्होंने अंबेडकर की तस्वीर भी लहराई। राहुल कार्यक्रम स्थल पर 15 मिनट रुके। अब वे दरभंगा से पटना के लिए निकल चुके हैं।राहुल ने कहा कि '24 घंटे अत्याचार हो रहा है। आपके खिलाफ पेपर लीक हो रहा है। आपको बोलने नहीं दिया जा रहा है। सही तरीके से जातीय जनगणना होना चाहिए।' '90 प्रतिशत आबादी के लिए इस देश में कोई रास्ता नहीं है। सीनियर ब्यूरोक्रेसी में आपके लोग जीरो, डॉक्टर में आपके कितने लोग..जीरो, एजुकेशन सिस्टम में आपके कितने लोग जीरो, मेडिकल सिस्टम के मालिकों को देखो तो जीरो।' 'मनरेगा की लिस्ट देखो तो सारे के सारे लोग आपके हैं। मजदूरों की लिस्ट निकालो तो आपके लोगों से भरी पड़ी है। सारा का सारा धन और ठेकेदारी 8-10 प्रतिशत लोगों के हाथों में जाता है।' 'आपको इधर-उधर की बात सुनाकर ध्यान भटका दिया जाता है। लेकिन आपको एक साथ खड़ा होना है। बिहार की पुलिस ने मुझे रोकने की कोशिश की, लेकिन वे मुझे नहीं रोक पाई, क्योंकि आप सभी की शक्ति मेरे पीछे है। इसलिए दुनिया की कोई शक्ति नहीं रोक पाएगी।' 'लोकसभा में हमने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि आपको जाति जनगणना करनी पड़ेगी। संविधान को माथे से लगाना पड़ेगा। आपके दबाव से पीएम ने जातीय जनगणना कराने का ऐलान किया।

बलरामपुर में ट्रक की टक्कर से अर्टिगा कार के परखच्चे उड़े, बारात से लौट रहे एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में ट्रक और कार की भीषण टक्कर में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कार में 13 लोग सवार थे और सभी वैवाहिक कार्यक्रम से वापस लौट रहे थे। मृतक गोंडा जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना में घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के चकवा चौकी के पास देर रात एक बजे के करीब यह हादसा हुआ। ट्रक ने अर्टिगा कार को पीछे से जोरदार टक्कर मारी, जिससे गाड़ी काफी दूर तक रगड़ती हुई चली गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार गोंडा जिले के इटियाथोक थाना के मध्यनगर गांव निवासी राम सेवक के बेटे बब्बीराज की बारात श्रावस्ती के भुलैया गांव में गई हुई थी। अर्टिगा कार में सवार 13 लोग देर रात में घर जाने के लिए इटियाथोक के लिए निकले थे। उसी दौरान रास्ते में चकवा गांव के पास यह हादसा हुआ, जब कार को पीछे से आए ट्रक ने टक्कर मार दी।इस हादसे में कार चला रहे इलाहाबाद निवासी अभय कुमार (26), धानेपुर गोंडा के फूल बाबू (30), जीवन (25), आदित्य (8), विजय कुमार (45) की जान चली गई। अन्य लोग घायल हो गए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में जारी है। देहात कोतवाल बीएन सिंह ने बताया कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

बठिंडा मिलिट्री स्टेशन से मोची के बाद दर्जी गिरफ्तार, पाकिस्तान को भेज रहे थे खूफिया जानकारी!

चंडीगढ़। बठिंडा मिलिट्री स्टेशन से एक और गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने इस बार एक दर्जी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी दर्जी पर कुछ संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने का शक है। पुलिस दो हफ्ते पहले, यहां से एक मोची को भी गिरफ्तार किया गया था। आरोपी दर्जी का नाम रकीब है और वो उत्तराखंड के रुड़की का रहने वाला है। रकीब पिछले दो साल से मिलिट्री स्टेशन में दर्जी का काम कर रहा था। पुलिस को उसके मोबाइल से कुछ संदिग्ध मैसेज मिले हैं। पुलिस ने आरोपी के मोबाइल को कब्जे में लेकर जांच के लिए भेजा गया है।पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या वह बठिंडा मिलिट्री स्टेशन की जानकारी बाहर भेज रहा था। बठिंडा के एसएसपी अमनीत कोंडल ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि सेना के अधिकारियों ने रकीब को पुलिस को सौंपा था। पुलिस ने रकीब को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे तीन दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। सूत्रों के अनुसार, रकीब मिलिट्री स्टेशन की कुछ जानकारी भेजने की कोशिश कर रहा था।इससे पहले, 28 अप्रैल को सुनील कुमार नाम के एक मोची को भी गिरफ्तार किया गया था। वह पिछले 7 साल से मिलिट्री स्टेशन में काम कर रहा था। उस पर एक रहस्यमय महिला के साथ वाट्सएप पर चैट करने का आरोप है। वह महिला मिलिट्री स्टेशन की कुछ जानकारी निकलवाना चाहती थी। बठिंडा एसपी (जांच) नरिंदर सिंह ने कहा कि सेना के अधिकारियों ने पुलिस से संपर्क किया। कैंट पुलिस स्टेशन में रकीब के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच चल रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि रकीब किसके लिए काम कर रहा था।

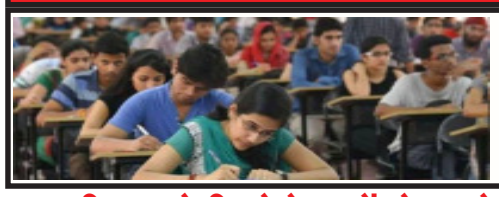

उत्तर प्रदेश

भारत

सीएम योगी बोले- हमें छेड़ा तो छोड़ेंगे नहीं,भारत की तरफ जो उंगली उठाएगा,उसके जनाजे में कोई रोने वाला नहीं बचेगा

लखनऊ। सीएम योगी ने बुधवार सुबह लखनऊ में भारत शौर्य तिरंगा यात्रा की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कहा- पहलगाम में हमारे पर्यटकों को पाकिस्तान परस्त आतंकियों ने जिस वीभत्स तरीके से मारा, उसकी उन्हें सजा मिली।

पाकिस्तान और उसके आका इस घटना पर मौन रहे। भारतीय सेना ने मजबूती के साथ पाकिस्तान के दुस्साहस का जवाब दिया। ऑपरेशन सिंदूर में 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए। दुनिया को यह संदेश दिया कि 'हम छेड़ेंगे नहीं' लेकिन अगर कोई हमें छेड़ेगा तो 'हम उसे छोड़ेंगे भी नहीं'.'ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया ने भारत का लोहा माना है। पाकिस्तान की बेशर्मी दुनिया ने देखी है। हमारी सेना ने पाकिस्तान के हौसले पस्त कर दिए। पूरी दुनिया ने देखा कि आतंकवादियों के जनाजे में पाकिस्तान के नेता और सैन्य अधिकारी शामिल हुए। एक दिन ये आतंकवाद पाकिस्तान को निगल जाएगा।सीएम योगी ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर से हमने बता दिया है कि भारत की तरफ जो उंगली उठाकर देखेगा, भारत की बेटियों की सुरक्षा में सेंध करेगा, उसके जनाजे में कोई रोने वाला नहीं बचेगा। शौर्य तिरंगा यात्रा भारतीय सेना की आन, बान, शान का प्रतीक है। बहादुर जवानों का अभिनंदन करने के लिए पूरा देश उतावला दिखाई दे रहा है। इसी सम्मान में पूरे देश के अंदर बीजेपी तिरंगा शौर्य यात्रा करा रही है। यात्रा में हजारों स्कूली बच्चे शामिल हुए। सबके हाथों में तिरंगा है। लखनऊ में सीएम आवास यानी 5- कालिदास मार्ग से यात्रा शुरू हुई। 1090 चौराहा पर समाप्त हुई।

योगी का आदेश- मिलावटखोरों के पोस्टर चौराहों पर लगाए जाएं, ताकि जनता भी जान सके

योगी का आदेश- मिलावटखोरों के पोस्टर चौराहों पर लगाए जाएं, ताकि जनता भी जान सके

लखनऊ। सीएम योगी ने खाने-पीने की चीजों में मिलावट और नकली दवाओं के कारोबार को 'सामाजिक अपराध' करार दिया है। उन्होंने कहा- ये स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर विषय है। जिससे किसी भी तरह का समझौता अक्षम्य हैं। योगी ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की समीक्षा बैठक में अफसरों को निर्देश दिया कि मिलावटखोरों, नकली दवाओं के कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। ऐसे लोगों को चिन्हित किया जाए और उनकी तस्वीरें प्रमुख चौराहों पर लगाई जाएं, ताकि जनता भी उन्हें पहचान सके। तेल, घी, मसाले, दूध, पनीर जैसी चीजों की जांच प्रोडक्शन यूनिट पर हो। दूध से जुड़े उत्पादों की जांच के लिए अलग से टीमें बनाई जाएं। अफसरों ने योगी को बताया कि आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभाग ने 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' नामक मोबाइल ऐप और टोल फ्री नंबर 1800-180-5533 जारी किया है।सीएम योगी ने इन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा कि और प्रतिबद्धता के साथ होना चाहिए.मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बताया गया कि राज्य में खाद्य एवं औषधि प्रयोगशालाओं के नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है.पूर्व में कार्यरत छह प्रमुख मंडलों के अलावा अब अलीगढ़, अयोध्या, आजमगढ़,

मिलावटखोरी सामाजिक अपराध है. उन्होंने कहा कि मिलावटखोरी सिर्फ अपराध नहीं, सामाजिक कलंक है.मुख्यमंत्री ने बुधवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि तेल, घी, मसाले, दूध, पनीर जैसी दैनिक उपभोग की वस्तुओं की जांच यथासंभव उत्पादक इकाई पर ही की जाए.दूध व दुग्ध उत्पादों की विशेष रूप से सघन जांच के लिए समर्पित टीमें बनाई जाएं जो लगातार निगरानी रखें. साथ ही पेशेवर रक्तदाताओं की पहचान कर इस पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जाए.उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन का स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी पारदर्शिता बरेली, बस्ती, चित्रकूट, कानपुर, मिर्जापुर, मुरादाबाद, प्रयागराज, सहारनपुर और देवीपाटन मंडलों में भी नई प्रयोगशालाएं और कार्यालय स्थापित किए गए हैं.लखनऊ, गोरखपुर और झांसी में प्रयोगशाला भवनों का उच्चीकरण किया गया है. साथ ही, लखनऊ, मेरठ और वाराणसी में तीन आधुनिक माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशालाएं भी स्थापित की गई हैं, जिनमें सूक्ष्मजीव, प्रोटोजोआ, विषाणु, जीवाणु, माइक्रोटॉक्सिन्स तथा अन्य रोगकारक जीवों की जांच संभव हो पाई है.लखनऊ और मेरठ में परीक्षण भी प्रारंभ हो चुके हैं. मुख्यमंत्री ने इन प्रयोगशालाओं के संचालन व रखरखाव हेतु एक 'कॉर्पस फंड' स्थापित करने का सुझाव दिया.

कैराना का युवक पाकिस्तान को भेजता था खुफिया जानकारी,बहन के घर रहकर करता था नौकरी, पानीपत से गिरफ्तार

शामली। शामली के कैराना का युवक भारत की खुफिया जानकारी पाकिस्तान भेजता था। वॉट्सऐप और अन्य सोशल मीडिया के जरिए देश विरोधी गतिविधियों में शामिल था। हरियाणा के पानीपत से पुलिस ने नौमान इलाही नाम के इस युवक को पकड़ा है। वह पाकिस्तानी आतंकी इकबाल के टच में था। पुलिस ने उसके मोबाइल नंबर से हो रही संदिग्ध गतिविधि के बाद उसे गिरफ्तार किया। जासूस नौमान इलाही पानीपत में एक फैक्ट्री में सिक्योरिटी गार्ड था। पानीपत पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उनकी सीआईए यूनिट जासूस से पूछताछ कर रह रही है।जानकारी के अनुसार, नौमान इलाही (24) शामली जिले में कैराना के मोहल्ला बेगमपुरा का रहने वाला है। उसकी बहन जीनत की शादी पानीपत में हुई है। जो यहां हॉली कॉलोनी में रहती है। नौमान भी उसी के पास रह रहा था। पहले उसने सेक्टर 29 की एक फैक्ट्री में नौकरी की। पानीपत पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, 6-7 मई की रात भारत की पाकिस्तान पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। संदिग्धों की जांच कर रही है। इसी मामले में नौमान इलाही के फोन नंबर से पाकिस्तान संपर्क होने की बात सामने आई। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर जांच की गई। पुलिस ने जब उसके मोबाइल की जांच की तो पता चला कि वह पाकिस्तान में इकबाल नाम के आतंकी के संपर्क में था। जिसे वह भारत की सुरक्षा से जुड़ी जानकारी भेज रहा था। हालांकि पानीपत में हुई थी। इसलिए वह भी करीब 4 महीने पहले ही पानीपत आ गया। हालांकि वह पाकिस्तानी आतंकियों के संपर्क में कैसे और कब आया, इसके बारे में पुलिस पूछताछ कर रहा है।बुधवार सुबह करीब 6 बजे पानीपत की सीआईए पुलिस आरोपी को लेकर

उसने कैसी जानकारियां भेजीं, इसके बारे में पुलिस ने अभी खुलासा नहीं किया है। पुलिस की पूछताछ में नौमान ने बताया पानीपत की फैक्ट्री में नौकरी के दौरान ही वह उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के रहने वाले रजनीश तिवारी नाम के व्यक्ति के संपर्क में आया। रजनीश एक सिक्योरिटी एजेंसी चलाता है। उसके जरिए ही वह पानीपत की सेक्टर 29 स्थित एक कंबल फैक्ट्री में बतौर सिक्योरिटी गार्ड नौकरी करने लगा। पुलिस सोर्सेज के मुताबिक उस पर शक है कि नौकरी उसने सिर्फ खुद को सफेदपोश बनाए रखने के लिए की। उसका असली काम यहां रहकर देश की हर एक छोटी-बड़ी मूवमेंट के बारे में पाकिस्तान को सूचना देने का था। उसके पिछले काफी समय से पाकिस्तानी आतंकियों के संपर्क में होने का शक है। जल्द पुलिस इसके बारे में खुलासा कर सकती है। शुरुआती पूछताछ में नौमान ने पुलिस को बताया कि उसके पिता अहसान इलाही और माता कोसर बानो की करीब 5 साल पहले मौत हो चुकी है। उसकी बहन की शादी कैराना पहुंची। टीम ने मनी ट्रांसफर के मामले में एक जन सेवा केंद्र संचालक से पूछताछ की। पुलिस ने संचालक को सभी रिकॉर्ड लेकर पानीपत आने को कहा है। जांच में सामने आया है कि नोमान का संबंध 1995 में भारत छोड़कर पाकिस्तान भागे आईएसआई एजेंट इकबाल काना से भी है। कैराना में इससे पहले भी कई लोगों को आतंकवादी संगठनों से संपर्क और जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है। वर्तमान में आरोपी नोमान के घर पर ताला लगा हुआ है। कोई मौजूद नहीं है। पड़ोसियों ने मामले में कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया है। पानीपत सीआईए आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। पानीपत के कार्यकारी एसपी गंगाराम पूनिया ने कहा- हमें एक इनपुट प्राप्त हुआ था। इस पर कार्रवाई करते हुए नौमान इलाही को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में पानीपत के इंडस्ट्रियल एरिया थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

बेटों के सामने पिता को खा गया टाइगर, हाथ, पैर और आधा शव खाया, बेटा देखकर बेहोश

मुरादाबाद। पीलीभीत में टाइगर किसान को मारकर खा गया। किसान खेत से लौट रहा था, तभी अचानक बाघ ने हमला कर दिया। गर्दन पर झपट्?टा मारा और 300 मीटर घसीटकर ले गया। फिर हाथ-पैर और आधे से ज्यादा सिर खा गया। जब किसान काफी देर घर नहीं पहुंचा तो बेटा ग्रामीणों के साथ तलाश करते हुए पहुंचा। वहां खेत पर पिता के खून से सने कपड़े और टॉर्च पड़ी थी। बेटा थोड़ी दूर आगे गया तो पेड़ के नीचे बैठा टाइगर किसान को खा रहा था। ग्रामीणों ने शोर मचाया। पटाखे फोड़े। तब जाकर टाइगर वहां से भागा। बेटा दौड़ते हुए पहुंचा तो पिता का शव देखकर बेहोश हो गया। सिर्फ आधा शव पड़ा हुआ था। घटना मंगलवार रात पीलीभीत टाइगर रिजर्व के पास नजीरगंज गांव की है। हरिपुर रेंज के वन रेंजर शहीर अहमद ने घटना की पुष्टि की। कहा- टाइगर के हमले में हंसराज (50) की मौत हो गई। रात एक बजे शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। पीलीभीत जिला मुख्यालय से 65 किमी दूर पीलीभीत टाइगर रिजर्व है। इससे सटा हुआ नजीरगंज गांव है। यहां रहने वाले हंसराज (50) अपने बेटे अजय और दो-चार किसानों के साथ मंगलवार शाम 7 बजे खेत पर पानी देने के लिए गए। खेत गांव से करीब 400 मीटर दूर है। शाम 7 बजे सभी लोग खाना खाने के लिए घर लौट आए। रात 10 बजे करीब हंसराज वापस खेत में चले गए। उन्होंने खेत में पानी लगाया। वहां से लौटते वक्त टाइगर ने उन पर हमला कर दिया। रात होने के चलते आसपास कोई सुनने वाले वाला नहीं था।काफी देर तक हंसराज घर नहीं पहुंचे तो बेटों ने आसपास के कुछ लोगों बुलाया। वह उन्हें तलाशते हुए खेत पहुंचे। वहां आवाज लगाई तो कुछ पता नहीं चल पाया। थोड़ी दूर में हंसराज की टॉर्च और खून से सना रुमाल मिला। इसके बाद गांव में फोन करके और लोगों को बुलाया गया। लोग आसपास तलाश करने लगे। खेत में थोड़ी दूर पर बाघ शव को खा रहा था। ग्रामीणों ने शोर मचाकर बाघ को वहां से भगाया।हंसराज के मंझले बेटे महेश कुमार ने बताया- पापा शाम में पानी लगाने गए। 3 बजे से पानी मिला था। पानी चालू करके शाम 7 बजे घर पर खाना खाने आए। रात 10 बजे वापस लौटे कि पानी बंद कर दें ताकि दूसरे लोग अपने खेतों में पानी भर सकें। साथ के लोग पीछे रह गए और पिताजी साइकिल से अकेले ही खेत पहुंच गए।खेत में पानी भर चुका था। पिताजी पानी बंद कर रहे थे, तभी बाघ ने हमला कर दिया। काफी देर जब वह वापस नहीं आए तो हम खोजते हुए खेत पहुंचे। खेत में पिताजी नहीं मिले। उनका खून से सना रुमाल और कपड़े मिले।हमने खोजना शुरू किया तो हमारे खेत से थोड़ी दूर टाइगर पिता जी को खा रहा था। मैंने अपनी आंखों से यह देखा। हम करीब 150 ग्रामीणों ने शोर मचाकर बाघ को भगाया। तब तक बाघ पिताजी के निचले हिस्से को खा चुका था। उनकी मौत हो चुकी थी। हंसराज के बेटे महेश और सर्वेश ने कहा- रात में वन विभाग का कोई भी कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। जबकि तुरंत उनको सूचना दे दी थी। वहीं, रेंजर शहीर अहमद ने बताया- घटना की सूचना मिलते ही मैं और हमारी टीम मौके पर पहुंची थी।पूरनपुर एसडीएम अजीत प्रताप सिंह बुधवार सुबह पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात की। कहा- सरकार की ओर से हर संभव सहायता दी जाएगी। वन विभाग को विशेष अलर्ट रहने को कहा गया है।

यूपी में बर्ड फ्लू का पहला केस मिला:गोरखपुर में मृत बाघिन की रिपोर्ट पॉजिटिव आई

लखनऊ। यूपी में बर्ड फ्लू का पहला केस मिला है। गोरखपुर में मृत बाघिन 'शक्ति' की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उसमें एच5 एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस (बर्ड फ्लू) की पुष्टि हुई है। इसके बाद गोरखपुर, लखनऊ, कानपुर जू और इटावा लायन सफारी को 7 दिन के लिए बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही प्रदेशभर के जू में अलर्ट जारी कर दिया गया है। गोरखपुर जू में काम करने वाले कर्मचारियों के सैंपल लेकर जांच शुरू कर दी गई है। जू को सैनिटाइज किया गया है। जांच के लिए गुजरात से एक टीम को बुलाया गया है। सीएम योगी ने मंगलवार को बर्ड फ्लू को लेकर उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने अफसरों से कहा- किसी भी हाल में संक्रमण पर तुरंत नियंत्रण किया जाए। वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। गोरखपुर चिड़ियाघर सीएम योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। इसके निर्माण से लेकर संचालन तक की हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर उनकी नजर रहती है। चिड़ियाघर के कई वन्यजीवों के नामकरण भी मुख्यमंत्री ने खुद किए थे। एक महीने के भीतर गोरखपुर चिड़ियाघर में एक बाघ, एक बाघिन, एक तेंदुआ और एक भेड़िए की मौत हो चुकी है। गोरखपुर जू के निदेशक विकास यादव ने बताया कि पशु चिकित्सकों और वन विभाग के अधिकारियों ने बाघिन 'शक्ति' की मौत के बाद तुरंत जांच शुरू कर दी थी। भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान की रिपोर्ट में एच5 एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस की पुष्टि हुई।

झांसी में शादी में जा रही महिला से गहने लूटे, झुमकी नहीं उतारी तो झपट्टा मारकर छीनी, कान फटे, बेटा-भतीजी को पीटा

झांसी। झांसी में बाइक सवार 3 बदमाशों ने एक महिला के गहने लूट लिए। वो बेटे और भतीजी के साथ मायके में शादी में जा रही थी। पीछा कर रहे बदमाशों ने उनकी बाइक के आगे अपनी अपाचे बाइक लगा दी। फिर चाबी निकालकर तमंचा अड़ा दिया और मारपीट की। इसके बाद लूटपाट की। जब महिला ने झुमकी नहीं उतारी तो झपट्?टा मारकर छीन लिया। इससे महिला के दोनों कान फट गए। मंगलसूत्र, हार और कैश भी लूटा और बाइक से भाग गए। यह घटना उल्दन थाना क्षेत्र के सिजारा गांव के पास हुई है। पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है। बंगरा निवासी ममता देवी (40) पत्नी नरेंद्र घोष का भसनेह गांव में मायका है। उन्होंने बताया-मायके में शादी थी। शादी में शामिल होने के लिए मंगलवार शाम को बेटे विशाल (22) और भतीजी पलक (14) के साथ बाइक से भसनेह जा रही थी। जब उल्दन गांव के पास पहुंचे तो बाइक सवार 3 नकाबपोश बदमाश पीछे लग गए। ममता और विशाल ने बताया-रास्ते में दो से तीन बार बदमाशों ने रोकना चाहा तो बाइक नहीं रोकी। सिजारा गांव के पास बदमाशों ने सुनसान जगह देखकर अपनी अपाचे बाइक हमारी बाइक के आगे अड़ा दी। फिर नीचे उतरे। एक ने चाबी निकाली और दूसरे ने माथे पर तमंचा रख दिया। मारपीट कर गोली मारने की धमकी देने लगे।शादी की वजह ममता देवी गहने पहने थी।

बरेली में 9वीं की छात्रा से बंधक बनाकर रेप, तीन दिन तक कमरे में रखा, साथ गई भांजी को पकड़ा

बरेली। 9वीं की स्टूडेंट को धार्मिक स्थल पर बंधक बनाकर रखा। इसके बाद उसके साथ 3 दिन तक रेप किया। वो किसी तरह भागकर आई। आरोप है कि वो अपनी भांजी के साथ पुजारी से उससे मिलने गई थी। तब उसने भांजी को भी पकड़ लिया। किसी तरह मैं भागकर आ पाई। आरोप है कि 16 अप्रैल से पुलिस स्टेशन के चक्कर काट रही थी। लेकिन, कोई कार्रवाई नहीं हुई। बुधवार को एसएसपी ने मामले में एफआईआर करने के आदेश दिए हैं।9वीं क्लास की छात्रा की 4 साल पहले इंस्टाग्राम के जरिए बरेली के रहने वाले रामकिशन से दोस्ती हुई। दोनों ने एक दूसरे का नंबर लिया। बातचीत होने लगी। राम किशन उससे ऋषिकेष जाकर भी मिलने लगा। उसने शादी का झांसा देकर कई बार उसके साथ रेप किया। उसकी अश्लील वीडियो फोटो भी बना ली। जिसके बाद वो अश्लील वीडियो के नाम पर उसे ब्लैकमेल करने लगा। 13 अप्रैल को रामकिशन ने उसे बरेली बुलाया।एक धार्मिक स्थल में 3 दिन तक बंधक बनाकर

रखा। इस दौरान उसने कई बार उसके साथ रेप किया। विरोध करने पर पीटा। राम किशन भमोरा के रामकडी का रहने वाला है। कैंट थाना क्षेत्र में लाल फाटक के पास धार्मिक स्थल में पुजारी है। उसी में किशोरी के साथ दरिंदगी की। पीड़िता ने बताया कि उसके साथ उसकी 13 साल की भांजी भी आई थी। जिसके साथ भी पुजारी रामकिशन ने रेप किया। फिर उसे कही गायब कर दिया। पीड़िता किसी तरह से 3 दिन बाद उसके चंगुल से छूटकर बाहर आई, तो किसी के फोन से पापा को कॉल की। पीड़िता बुजुर्ग मां और वकील के साथ एसएसपी अनुराग आर्या से मिलने पहुंची। उनसे लिखित शिकायत और पूरी घटना बताई। एसएसपी ने एफआईआर के आदेश दिए है। पीड़िता के वकील नरेंद्र सिंह राणा ने बताया कि कार्यवाई से पुलिस बच रही थी। अब हमें उम्मीद जगी है।

दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, घसीटते हुए थाने ले गए:पुलिस ऐसे टूट पड़ी, जैसे डकैत आए हों, मेरठ में दलित महिलाओं की पीड़ा

मेरठ। बीते हफ़्ते बुधवार यानि 7 मई, 2025 लावड़ गांव, मेरठ में दलित परिवार की महिलाओं को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया। 9 मई को वीडियो सामने आने के बाद 5 पुलिस वालों को थाने-चौकी से हटा दिया गया। अभी लोगों का गुस्सा कम नहीं हुआ। दरअसल, दो भाइयों के बीच मकान के झगड़े को सुलझाने पुलिस पहुंची थी। दोनों भाइयों को थाने ले जाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन परिवार की महिलाओं ने विरोध कर दिया। वहीं पुलिस का कहना हैं महिलाओं ने हमारी वर्दी फाड़ी, हाथापाई की। इसके बाद उन्हें खदेड़ा गया। वहीं महिलाओं का पक्ष - हमें लाठी से पीटा, खींचकर थाने ले गए। वहां सोने-चांदी के जेवर छीन लिए।10 मई को मामला और तूल पकड़ गया। सरधना से सपा विधायक अतुल प्रधान पीड़ित महिलाओं को लेकर एसएसपी दफ्तर पहुंचे और प्रदर्शन किया। कांग्रेस और भीम आर्मी के नेताओं ने भी हंगामा किया। बिना कैमरे पर आए लोगो ने बताया- उस दिन पुलिस ने सतपाल के घर की महिलाओं को पीटा था। वह अपने 3 बेटे सुनील, अनिल और सुशील के साथ रहते हैं। तीनों बेटों के अलग-अलग घर हैं। सतपाल अपनी पत्नी रोशनी के साथ सबसे छोटे बेटे सुशील के घर में रहते हैं। तीनों बेटे मजदूरी करते हैं। झगड़ा तो उनका आपस का था, लेकिन मारपीट पुलिस के साथ हो गई थी।जाटव महासंघ के पदाधिकारी मिलने आए हैं। सतपाल, उनके बेटे सुनील और सुशील पदाधिकारियों को बता रहे थे कि पुलिस ने पहले बात की, फिर अचानक गुस्से में धक्का-मुक्की करने लगे। घर की महिलाओं को दौड़ा-दौड़ाकर लाठी से पीटा।जब यह सब बातचीत चल रही थी, तभी सतपाल की 68 साल की पत्नी रोशनी अपनी चोट दिखाने लगीं। वह कह रही थीं कि मुझे इस बुढ़ापे में बहुत बुरी तरह से पीटा गया। पूरा शरीर दर्द कर रहा है। करवट भी बदलती हूं, तो ऐसा लगता है कि जान निकल जाएगी। वह चारपाई पर लेटी थीं।घर के अंदर से सुशील की पत्नी कविता ने कहा- पुलिस मुझे चौकी पर लेकर गई। वो लोग बहुत गुस्से में थे। हमें डंडे से बुरी तरह से पीटा गया। अंदरूनी चोटें आई हैं, बहुत दर्द हो रहा। सुनील की पत्नी शशि भी चारपाई पर लेटी थीं। वह बताने लगीं कि मैं तो पूरे मामले में थी ही नहीं, अलग खड़ी थी। लेकिन, पुलिस वालों ने मुझे भी पीट दिया। घर के अंदर घुस आए। डंडे मारकर टीवी और चारपाई तोड़ दी। सुनील बता रहे थे कि पुलिस इस तरह से पहुंची, जैसे कि वह कोई डकैत हों। वो लोग कह रहे थे कि तुमको इंसाफ चाहिए, हम देंगे।सुनील कहते हैं- सुशील घर में निर्माण कार्य करा रहे हैं। 7 मई की शाम सुशील ने पिता का कुछ पुराना सामान घर से बाहर निकालकर रख दिया। इसको लेकर पिता ने विरोध किया तो सुशील से उनकी कहासुनी होने लगी। मैं बड़ा भाई हूं, इसलिए सुशील को डांट दिया। इसके बाद कहासुनी होने लगी। इसी बीच लावड़ चौकी से अंडर ट्रेनी दरोगा अमित कुमार और सुमित गुप्ता बाइक से मौके पर पहुंचे। दोनों दरोगा से सुशील की कहासुनी हुई, तो उसको पकड़कर ले जाने लगे। इसी दौरान महिलाओं ने विरोध किया तो दरोगा अमित कुमार की बाइक की चाबी उनके माथे पर लग गई। उसके बाद उन्होंने चौकी में फोन कर दिया कि इन लोगों ने हम पर हमला कर दिया है। इसके बाद 15-20 पुलिस वाले मौके पर पहुंचे और मारपीट करते हुए परिवार के लोगों को पुलिस चौकी ले गए। वहां पर उनकी बेरहमी से पिटाई की। इसके बाद सुशील, उसकी पत्नी कविता का 151 में चालान कर जमानत पर छोड़ा गया।पूरे मामले में लावड़ चौकी पर तैनात दरोगा अमित कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसमें कहा गया है कि 7 मई को एक शिकायती सुनील इंचौली चौकी पहुंचे। उन्होंने अपने छोटे भाई सुशील के खिलाफ शिकायत दी कि उसने मारपीट करके

सामान बाहर निकालकर फेंक दिया है। इस पर वह दूसरे दरोगा सुमित गुप्ता के साथ जीडी में रवानगी दर्ज करके मौके पर गए। दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया गया। लेकिन, सुशील पक्ष कोई बात समझने को राजी नहीं था। इसके बाद वह सुशील को हिरासत में लेकर ले जाने लगे। इसी बीच सुशील की मां रोशनी और पत्नी कविता ने उनसे छीना-झपटी की। तहरीर छीनकर फाड़ दी। सुशील का हाथ छुड़ाते हुए मेरी वर्दी पकड़कर खींची। महिला की छीना-झपटी के मामले में मैंने थाना प्रभारी को बताने के लिए जैसे ही फोन निकाला, तो कविता ने मेरे फोन पर हाथ मारकर नीचे गिरा दिया। इससे मेरा फोन टूट गया और मेरे हाथ में पकड़ी बाइक की चाबी नाली में जा गिरी। मैं कुछ समझ पाता या अपना फोन उठा पाता, तब तक दोनों महिलाओं ने हम पर पास पड़े ईंट-रोड़ों से हमला कर दिया। एक रोड़ा मेरी दाहिनी आंख के ऊपर लगा। हम वहां से किसी तरह अपनी जान बचाकर भागे। उसके बाद उप-निरीक्षक सुमित गुप्ता ने अपने फोन से थाना प्रभारी को घटना की सूचना दी। कुछ देर बाद थाना प्रभारी पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। सुशील उसकी पत्नी कविता, मां रोशनी और कुछ अन्य लोगों ने हम पर फिर से ईंट-रोड़े बरसा दिए। गालियां देते हुए हमें लौट जाने की धमकी देने लगे। इसके बाद महिला पुलिसकर्मियों की सहायता से हमने कविता और रोशनी को रोक लिया। जबकि, सुशील और अन्य लोग मौका देखकर फरार हो गए।

सोनभद्र, मिर्जापुर

सड़क दुर्घटना मासूम बच्चे सहित दो की मौत,एक घायल,हिंदूआरी चौकी क्षेत्र के एक कॉलेज के समीप की घटना

सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के हिंदूआरी मिर्जापुर रोड पर बीती रात तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े 28 माह के मासूम सहित तीन लोगों को रौंदा दो की मौत एक की हालत गंभीर जांच में जुटी पुलिस।पीड़ित महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सोमवार शाम को घर से 200 मीटर दूर सामग्री लेने गए हुए थे की उधर मेरे भाई जितेंद्र प्रताप सिंह 38 वर्ष पुत्र पारबंद्व सिंह मेरे पुत्र कार्तिक उसके साथ सौम्या 6 वर्ष दूध लेने गए हुए थे वापस आ रहे थे कि हमें देखे सड़क किनारे रुक गए मेरे पुत्र द्वारा बताया गया कि सामान लेकर मैं आ रहा हूं तो साथ में घर चल जाएगा इसी बीच मिर्जापुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार अनियंत्रित कार सड़क किनारे खड़े तीनों लोगों के ऊपर चढ़ते हुए खेत में जाकर पलट गई उधर यह घटना देखते हुए देखे आसपास के लोगों द्वारा भीड़ जुट गई सभी घायलों को वहां से आनन फानन में उपचार के लिए अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने देखते ही जितेंद्र प्रताप सिंह वी 28 माह के पुत्र कार्तिक कुमरीत घोषित कर दिया वहीं सौम्या की हालत गंभीर देखते हुए दवा इलाज किया जा रहा है उधर इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया उधर पुलिस ने कार को थाने लाते हुए पीड़ितों के तहरीर के बाद अग्रिम कार्रवाई में जुटी।

सीओ ने बैंक के सीसीटीवी इमरजेंसी अलार्म भी किए चेक

सोनभद्र। मंगलवार को बीते तीन दिनों के अवकाश के बाद बैंक खुलने के कारण उच्चधिकारियो के निर्देश पर क़स्बा रेणुकूट में बैंक ऑफ़ बड़ोदा, सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, युको बैंक, फ्रि बैंक व एटीएम आदि को सीओ अमित कुमार ने किया चेक दिए उचित निर्देश ।वही सीओ ने बताया कि वहाँ मौजूद ग्राहकों को फाइनेंसियल फ्रॉड सहित अपनी गाड़ियों को बैंक के बाहर खड़े करते समय लॉक करने के लिए जागरूक किया गया जिससे उनके वाहन सुरक्षित रहें।बैंक में उपस्थिति सुरक्षा कर्मियों को निर्देशित किया गया कि ज़ब भी कोई ग्राहक बैंक में प्रवेश करें तो उसे हिदायत दे कि वो अपने चेहरे से गमछा या मास्क , सर से टोपी या हेलमेट, आँख से गौगल्स चश्मे आदि हटा ले जिससे सीसीटीवी में साफ चेहरा आये क्योंकि ऐसा करके आपराधियो की पहचान हो सकती है.साथ ही किसी को भी अनावश्यक बैंक परिसर में न रहने दिया जाये। संदिग्ध व्यक्तियों पर नज़र रखें बैंक के सीसीटीवी कैमरा व इमरजेंसी अलार्म में चेक किये गए।

सीबीएसई बोर्ड के परिणाम घोषित बच्चों में दिखा उत्साह

सोनभद्र। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई का मंगलवार को कक्षा 10 एवं कक्षा 12 का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ, जिसमें प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल के छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे। परीक्षा परिणाम की खबर सुनते ही तमाम परीक्षार्थी विद्यालय में पहुंच गए। दोपहर से ही विद्यालय के प्रधानाचार्य सहित स्टाफ कंप्यूटर खोलकर परिणाम देखकर बच्चों को इसकी जानकारी देने लगे। हाई स्कूल में पंजीकृत छात्र-छात्राएं 160 जिसमें विशिष्ट स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्रा 35प्रतिशत रहे, कक्षा 10 के उत्कर्षा 95प्रतिशत, अंश सोनी 92प्रतिशत, श्रद्धा श्रीवास्तव, श्रेया यादव 91प्रतिशत एवं अभिषेक दुबे 91प्रतिशत अंक अर्जित किया। हाई स्कूल का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। कक्षा 12 में पंजीकृत छात्र-छात्राएं 160 रहे जिसमें विशिष्ट स्थान प्राप्त करने वाले 30प्रतिशत छात्र-छात्रा रहे। कक्षा 12 विज्ञान वर्ग की स्वाती 90प्रतिशत, आयुषी 88प्रतिशत और दिलीप 85प्रतिशत वाणिज्य वर्ग में वैष्णवी गुप्ता 88प्रतिशत अंक अर्जित किया। विद्यालय का परीक्षा परिणाम औसतन 85प्रतिशत रहा। बेहतर परीक्षा परिणाम पर विद्यालय के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य के द्वारा छात्र-छात्राओं को मिष्ठान वितरित करते हुए उत्साह वर्धन किया एवं भविष्य में इससे अच्छे प्रदर्शन के लिए उत्साहित किया। अच्छे प्रदर्शन से प्रसन्न होकर विद्यालय के प्रबंधक ने शिक्षकों के योगदान की बधाई दी। विद्यालय के प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद जैन ने कहा यह परिणाम हमारे शिक्षकों की मेहनत छात्रों की लगन और अभिभावकों के सहयोग का नतीजा है, हम सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। बच्चों के अच्छे प्रदर्शन पर अभिभावकों ने भी खुशी जाहिर की। इस अवसर पर संतोष कुमार पांडे, अंबर उपाध्याय, सुरेंद्र यादव, मनोज दुबे, दीपक श्रीवास्तव, आकांक्षा त्रिपाठी, अपर्णा श्रीवास्तव,अनुपम पांडे, राहुल मिश्रा, सुनील श्रीवास्तव,अजय श्रीवास्तव, चंदन सिंह, अमित श्रीवास्तव, पूजा शर्मा आदि शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहे।

दहेज में नहीं दिया कार तो उतारा बिटिया को मौत के घाटः आरोप, सदर कोतवाली क्षेत्र के बट गांव का मामला

सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र

के बट गांव में मंगलवार को 21 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत परिजनों में मचा कोहराम पिता ने दहेज हत्या को लेकर थाने में दी तहरीर लगाए कई परिजनों पर संगीन आरोप। जानकारी के अनुसार पवन कुमार सिंह पुत्र हीरालाल सिंह निवासी सरगा थाना करमा ने बताया कि पिछले 15 मार्च 2023 में अपने बेटी की शादी कोतवाली क्षेत्र के बट गांव निवासी संतोष मौर्य से किया था 2 साल से मेरी बेटी को दहेज को लेकर प्रताड़ित किया जा रहा था कई बार मामले को लेकर बातचीत व समझौता का दौर चला बता दे की लड़के वालों द्वारा मेरी बेटी को प्रताड़ित करते हुए दहेज में कार की डिमांड की जा रही थी हम लोगों द्वारा आर्थिक स्थिति सही न होने के कारण कार देने में असमर्थता जताया गया जिसको लेकर लड़के के परिजनों द्वारा मेरी बेटी को प्रताड़ित व मारपीट आए दिन किया करते थे मंगलवार की सुबह अचानक फोन करके लड़के के पिता ने बताया कि आपकी बेटी की तबीयत बहुत बिगड़ गई है आकर देख कर दवा करा लीजिए जब हम लोग मौके पर पहुंचे तो मेरी बेटी मर चुकी थी लेकिन कुछ उम्मीद हो शायद इसी को लेकर आनन फानन में हम लोग जिला अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने बताया कि पहले से इसकी मृत्यु हो चुकी है जिस पर हम लोगों द्वारा वह अन्य परिजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न संबंधित कोतवाली में एप्लीकेशन देकर न्याय की गुहार लगाई पिता ने बताया कि मेरी बेटी को जबरदस्ती जान से मार दिया गया है जिसमें दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो।

सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ निकली शोभा यात्रा

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज स्थित

टीचर्स कॉलोनी (न्यू कालोनी) में सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के प्रथम दिन प्रातः कलश यात्रा में भारी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे। भक्तगणों का जन शैलाब श्रद्धा व भक्ति भाव से झूमते हुए श्रीराम जानकी मंदिर कूप से कलश भरकर यज्ञ मण्डप तक रवाना हुआ। यज्ञ मण्डप में पारायणकर्ता पंडित पृथ्वी नाथ शुक्ल एवं आचार्य पंडित दिनेश पाण्डेय के द्वारा विधि विधान से यज्ञ मण्डप में पूजन एवं पारायण किया गया। सायं 5.30 बजे से रात्रि 8.30बजे तक हरिद्वार (ऋषिकेश)से आए श्री श्री 1008श्री परम पूज्य संत स्वामी हरिदास महराज के श्रीमुख से श्रीमद्भागवत अमृतकथा का रसपान कर श्रोतागण भक्तिमयी गंगा में डूबकी लगाया। स्वामी जी ने धुंधकारी और गोकर्ण की कथा सुनाकर भक्तगणों को यह संदेश दिया कि व्यक्ति को सदैव सत्संगति में रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि संगति से ही इंसान सज्जन ब दुर्जन होता है। धुंधकारी की गलत संगति के कारण उसका पतन हुआ जबकि गोकर्ण का सत्संगति करने के कारण उनका उत्थान हुआ। कार्यक्रम में पंडित कृष्णकांत देव पाण्डेय, अवधेश नारायण शुक्ल, सुनील त्रिपाठी,अशोक शुक्ल, आनंद ओझा, बलिराम सोनी, दीनदयाल त्रिपाठी,त्रिभुवन पाठक , विनोद कुमार शुक्ल, रमाकांत त्रिपाठी आदि भक्तगण उपस्थित रहे।

ओबरा में मिर्गी के मरीज की नाली में मिला शव

सोनभद्र। ओबरा थाना क्षेत्र में गैस गोदाम रोड पर

एक खुली नाली में 35 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला। मृतक की पहचान बुल्लू भारती के रूप में हुई। वह मिर्गी के रोग से पीड़ित था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को नाली से बाहर निकलवाया और परिजनों को सूचित किया। परिजनों ने शव की पहचान की।मृतक की शादीशुदा था और उसके दो बच्चे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मौत के कारणों का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि मृतक घटनास्थल पर कैसे पहुंचा। फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में लोगों की भीड़ जमा हो गई थी।

बिना सूचना के ही किसानों के खेतों में लग लग रहा टावर, भारतीय किसान संघ में विरोध जताते हुए सौंपा डीएम को पत्र

सोनभद्र। भारतीय किसान संघ

बैनर तले मंगलवार को कलेक्ट्रेट पर विरोध जताते हुए जिलाधिकारी नामित ज्ञापन देखकर मामले में न्याय दिलाने की लगाई गुहार। जिला अध्यक्ष राम बहादुर सिंह ने बताया कि किसानों के कृषि भूमि पर जबरन ग्रेड के द्वारा टावर खड़ा किया जा रहा है जबकि इस संदर्भ में किसानों से पूर्व में सूचना भी नहीं दी गई वहीं किसानों में इस बात को लेकर काफी आक्रोश है वहीं जिला अध्यक्ष ने बताया कि मामले में जिलाधिकारी से गुहार लगाया कि संबंधित विभाग से जानकारी लेते हुए किसानों को न्याय व मुआवजा दिलाए जाने की मांग की गई है इस मौके पर जिलामंत्री प्रभुलाल र्य,सदानंद,दयाराम,अमित कुमार सिंह, बृजेश कुमार,जयप्रकाश, अशोक सिंह,रामसेवक,आयुष सिंह, राजेश कुमार,मिथिलेश,विनय कुमार।

सौतेली मां ही निकली बेटे की कातिल चाकू से उतरा था मौत के घाट गिरफ्तार

सोनभद्र। पुलिस ने बताया कि

थाना जुगैल पर सूचना मिली कि 09./10.05. की रात्रि में थाना जुगैल क्षेत्रान्तर्गत ग्राम जुगैल खास में कप्तान पुत्र हीरामणि खरवार निवासी जुगैल खास थाना जुगैल जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 10 वर्ष की खेत में चाकू से हत्या कर दी गयी है। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी जुगैल द्वारा मौके पर जाकर जानकारी की गयी तो पता चला कि कप्तान पुत्र हीरामणि खरवार अपने परिजनों के साथ शादी समारोह में गया था उसके उपरान्त प्रातः उसका शव खेत में मिला है। लड़के की अपनी सगी मां नहीं है, सौतेली मां सोनमति है। पुलिस द्वारा मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही की गयी थी, तथा थाना जुगैल पर विभिन्न धाराओं में मामला अभियोग पंजीकृत किया गया था। उक्त घटना में संलिप्त अभियुक्ता की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा हर्ष पांडेय के नेतृत्व मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर प्रातः 07.30 बजे थाना जुगैल पुलिस द्वारा घटना में संलिप्त 01 नफर अभियुक्ता सोनमती पत्नी हीरामणि खरवार उम्र लगभग 20 वर्ष निवासी जुगैल, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्ता- सोनमती पत्नी हीरामणि खरवार उम्र लगभग 20 वर्ष निवासी जुगैल ।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में टीम-. प्र0नि0 प्रणय प्रसून , श्रवण यादव, दीपक कुमार, अनिता।

माँ वैष्णो मॉडर्न पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने रचा सफलता का इतिहास, उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम से विद्यालय हुआ गौरवान्वित

सोनभद्र। माँ वैष्णो मॉडर्न

पब्लिक स्कूल, रॉबर्ट्सगंज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने इस वर्ष सीबीएसई की कक्षा 12वीं एवं 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं में अद्भुत प्रदर्शन कर शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालय का परचम बुलंद किया। कक्षा 12 के होनहार छात्र हर्षित सिंह ने 96प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। आयुषी शुक्ला ने 95.4प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान एवं यज्ञभान सिंह यादव ने 94प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी विद्वता का परिचय दिया। इनके साथ प्रखर चौहान (91प्रतिशत) एवं शिव कुमार पांडेय (90प्रतिशत) ने भी श्रेष्ठ प्रदर्शन कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। विशेष उल्लेखनीय है कि इस वर्ष विद्यालय के 30 से अधिक विद्यार्थियों ने 80प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। कक्षा 10 में भी विद्यार्थियों का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा। श्रेयांश सिंह ने 97प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया और साथ ही सीबीएसई आर्यभट्ट गणित चौलेंज (प्रयागराज जोन) में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी गणितीय प्रतिभा का डंका बजाया। आराधना पटेल ने 94.2प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान तथा वैभव सिंह ने 92.8प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान अर्जित किया। वैभव भी आर्यभट्ट गणित चौलेंज के जोनल टॉपर रह चुके हैं। इस वर्ष विद्यालय कक्षा 10 के 44 से अधिक विद्यार्थियों ने 80प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। इस गौरवशाली उपलब्धि पर विद्यालय के संस्थापक-संरक्षक रमाशंकर दुबे ने छात्रों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं, विद्यालय के सम्माननीय प्रधानाचार्य सत्यदेव श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया और अपने प्रेरणादायक शब्दों से विद्यार्थियों को नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के वरिष्ठ शिक्षकगण संजय पाण्डेय, कृष्णानंद मिश्र, विशेष पाठक, आशीष शुक्ला, अमित पटेल, विवेकानंद द्विवेदी, अमित त्रिपाठी, अशोक कुमार, अमित चौबे एवं कृष्णा मिश्रा (आईटी प्रमुख), शालीनी श्रीवास्तव, विजय द्विवेदी की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को और भी विशेष बना दिया।

राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना ट्रस्ट द्वारा विशेष योग शिविर का आयोजन, आनन्द पटेल दयालु- 'अस्पतालों की लाइन से बचना है तो योग को जीवन का हिस्सा बनाइए'

ओबरा/सोनभद्र। राष्ट्रीय

नवनिर्माण सेना ट्रस्ट एवं राष्ट्रीय नवनिर्माण योग सेना के तत्वावधान में गांधी मैदान, ओबरा में विशेष योग शिविर का आयोजन किया गया, जो प्रतिदिन प्रातः 4:30 बजे से 6:30 बजे तक संचालित हो रहा है। इस शिविर में बड़ी संख्या में योगप्रेमी भाग ले रहे हैं और स्वस्थ जीवन की दिशा में प्रेरित हो रहे हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द पटेल दयालु ने कहा,'देश की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई हुई है। अस्पतालों में लंबी लाइनें हैं, अच्छे डॉक्टरों की भारी कमी है। अब समय आ गया है कि हम बीमार ही न पड़ें, और यह तभी संभव है जब हम योग को अपनाएं। योग हमारे शरीर, मन और आत्मा - तीनों का संतुलन स्थापित करता है। यह राष्ट्र निर्माण की नींव है, क्योंकि जब नागरिक स्वस्थ रहेंगे, तभी समाज और देश प्रगति करेगा। योग अपनाइए और अस्पतालों की भीड़ से बाहर आइए।'मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय योग गुरु झल्लन शर्मा ने कहा,'योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि यह एक जीवनशैली है। यह तन, मन और आत्मा के बीच समरसता लाता है। आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में योग ही वह साधन है जो व्यक्ति को मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद से बाहर निकालता है। यदि हम नियमित रूप से योग करें तो हम न केवल बीमारियों से बच सकते हैं, बल्कि अधिक ऊर्जावान और सफल जीवन जी सकते हैं।'मुख्य अतिथि के रूप में ही उपस्थित राष्ट्रीय योग संरक्षक धनराज सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा,'आज के समय में जब हर घर में कोई न कोई व्यक्ति बीमारी से पीड़ित है, तो योग ही वह उपाय है जिससे हम खुद को बचा सकते हैं। योग हमारे जीवन में अनुशासन, ऊर्जा और आत्मविश्वास लाता है। यह हमारी संस्कृति की सबसे बड़ी धरोहर है जिसे अपनाकर हम अपने जीवन को एक नई दिशा दे सकते हैं। हमारा उद्देश्य होना चाहिए - 'स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ समाज और स्वस्थ राष्ट्र।''इस शिविर में कुमारी महिमा मित्तल ने सभी प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराया। उन्होंने राष्ट्रीय नवनिर्माण योग सेना से तीन महीने का प्रशिक्षण प्राप्त किया है और अब योग शिक्षिका बनने की दिशा में कार्यरत हैं। उनके नेतृत्व में कई युवक-युवतियाँ योग शिक्षक/शिक्षिका बनने की ट्रेनिंग ले रहे हैं।इस अवसर पर आदित्य विश्वकर्मा, लाल बहादुर यादव, रामबाबू सोनकर, विनोद चौहान सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे और उन्होंने योगाभ्यास में भाग लेकर समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया।कार्यक्रम के अंत में देश की रक्षा में शहीद हुए वीर सपूतों की स्मृति में सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना ट्रस्ट का यह प्रयास राष्ट्र को स्वस्थ, आत्मनिर्भर और अनुशासित बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।

दी आर्यन्स एकडेमी संत नगर राबर्टसगंज में धूमधाम से मनाया मातृत्व दिवस

सोनभद्र। दिनांक 11/05/2025 (रविवार) को विद्यालय

परिसर में मातृत्व दिवस बहुत धूमधाम से मनाया गया। बच्चों ने सभी माताओं का स्वागत तिलक लगाकर व फूल देकर किया। उसके पश्चात गाना नृत्य की प्रस्तुति कर माताओं को भाव विभोर कर दिया। बच्चों ने रंगोली, ग्रिटिंग कार्ड व पोस्टर बनाकर माताओं को भेंट किया व माताओं के लिए कुर्सी रेस, हौजीतम बोला व अन्य गेम्स कराकर जीतने वाली माताओं को पुरूस्कृत भी किया। आज के दिन माताओं का सम्मान करके बच्चो काफी खुश थे व अन्होने वादा किया कि हमलोग हमेशा माताओं का सम्मान करेंगे व माँ ही हमारे जीवन की आधार शिला है। प्रबंध निदेशक श्री विनोद कुमार जालान जी ने कहा कि माँ ही सभी बच्चों की पहली शिक्षकों के बराबर होती है। माँ को धन दौलत या पूरी दुनिया की दौलत नहीं चाहिएं, केवल माँ को अपने बेटो और बेटियों से प्रेम चाहिए। इस अवसर पर नवीन पांडे, निशा चौबे, प्रियका, रोमा, अपर्णा, सुल्ताना, प्रतिमा, सुमन, सुषमा, महेश, नीतीश, आदि उपस्थित रहें।

पुनः बी सागर को जिला संयोजक के पद की मिली जिम्मेदारी

सोनभद्र। मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व

पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं पूर्व राज्यसभा सांसद बहन कुमारी मायावती के निर्देश पर बहुजन समाज पार्टी सोनभद्र के पूर्व जिला अध्यक्ष बी सागर के ऊपर भरोसा विश्वास जताते हुए बहुजन समाज पार्टी के कारवां को जनपद सोनभद्र में जन-जन पहुंचने के लिए बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर व बहुजन कांशीराम साहब के नीतियों व विचारों को एवं बहुजन समाज पार्टी के शासन में कराए गए कार्यों को जनता के बीच में पहुंचने के लिए पुनः बी सागर को जिला संयोजक के पद पर आसीन कर जिम्मेदारी दिया गया जिससे कार्यकर्ताओं में हर्षो उल्लास का माहौल बना हुआ है। मुख्य रूप से - संतोष सिंह पटेल अमन मौर्य बलवंत रंगीला अवधेश विश्वकर्मा प्रदीप पांडे मुन्ना लाल भारती पवन प्रधान सहित सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

रामपुर बरकोनिया पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट मे वांछित दो अभियुक्त गिरफ्तार

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन के पर्यवेक्षण एंव क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल निर्देशन के क्रम में मंगलवार को मुखबिर खास सूचना पर थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस द्वारा मु0अ0सं0- 41/25 धारा -3(1) उ0प्र0 गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 मे फरार चल रहे 02 नफर अभियुक्तगण 1-राजकुमार यादव पुत्र विग्गन यादव ग्राम चिचलिक थाना मांची जनपद सोनभद्र हालपता ग्राम करौंदिया थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र उम्र करीब 36 वर्ष, 2-छविनाथ उर्फ छब्बि पुत्र स्व0 काशी उर्फ मूरहू निवासी ग्राम रामपुर थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र उम्र करीब 38 वर्ष को उनके घर के पास से समय करीब 09.05 बजे गिरफ्तार कर दोनों अभियुक्तगण को न्यायालय भेजा गया।गिरफ्तार करने वाली टीम का विवरण- .कमल नयन दूबे थानाध्यक्ष ,.उ0नि0 सुक्खू राम यादव ,.उ0नि0 रामनिवास यादव ,उ0नि0 सियाराम सिंह , नरेन्द्र सिंह यादव , सन्तोष सरोज , मनीष प्रजापति ।

स्पोर्ट्स/लाइफ स्टाइल

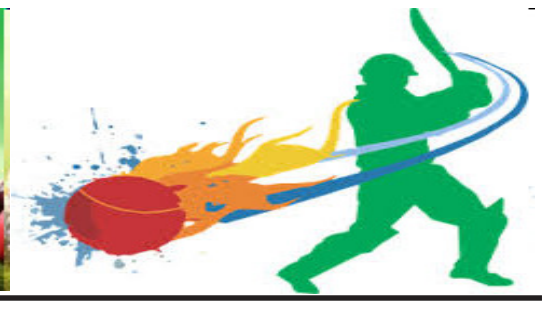

ला लीगा- रियल मैड्रिड ने मायोर्का को 2-1 से हराया,एमबाप्पे और रैमॉन ने एक-एक गोल किया, बार्सिलोना का खिताब जश्न टला

नई दिल्ली। स्पेनिश लीग ला लीगा में बुधवार को खेले गए मैच में रियल मैड्रिड ने मायोर्का को इंजरी टाइम में गोल कर 2-1 से हरा दिया। मैड्रिड के लिए किलियन एमबाप्पे और जैकोबो रैमॉन ने एक-एक गोल किया। इसके साथ ही बार्सिलोना को अपने 28वां लीग खिताब के लिए इंतजार करना पड़ेगा। स्पेनिश लीग में सबसे ज्यादा पॉइंट अर्जित करने वाली टीम खिताब जीतती है। बार्सिलोना के 35 मैच के बाद 82 पॉइंट है। वह पॉइंट टेबल में टॉप पर है। जबकि रियल मैड्रिड 36 मैचों के बाद 78 पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर है।स्पेनिश लीग में 20 टीमें खेल रही है। प्रत्येक टीम को एक-दूसरे से दो-दो मैच खेलने हैं। एक मैच अपने होम ग्राउंड पर और दूसरा बाहर यानी प्रत्येक टीम को 38 मैच लीग में खेलने हैं। बार्सिलोना को 3 मैच खेलने हैं और एक भी जीतने के बाद वह खिताब जीत जाएगी। जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली रियल मैड्रिड के दो मैच बाकी है, और दोनों जीतने के बाद भी खिताब

हासिल करना मुश्किल है।मार्योका ने हाफ टाइम में रियल मैड्रिड से 1-0 से आगे रहा। मार्योका की तरफ से 11 वें मिनट में मार्टिन वाल्जेंट ने गोल कर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। उसके बाद हाफ टाइम तक दोनों टीमों ने कोई और गोल नहीं किए। मैच के 68वें मिनट में किलियन एमबाप्पे ने गोल कर रियल मैड्रिड को 1-1 की बराबरी पर लाकर खड़ा कर दिया। लीग में उनका यह 28वां गोल था।वह लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उनसे तीन गोल पीछे बार्सिलोना के रॉबर्ट लेवांडोव्स्की हैं। इनके 25 गोल हैं।ऐसा लग रहा था कि बार्सिलोना का खिताब तय हो गया, पर इंजरी टाइम में रियल मैड्रिड की ओर से जैकोबो रैमॉन ने गोल कर स्कोर को स्कोर 2-1 कर दिया और टीम को जीत दिला दी। इसके साथ ही बार्सिलोना को खिताब जश्न मानने के लिए रोक दिया। उन्हें अपने अगले मैच तक इंतजार करना पड़ेगा। बार्सिलोना का मैच गुरुवार को एस्पेनयोल के साथ है। जीत के साथ ही वह खिताब भी जीत लेगी।

कैफ बोले- टेस्ट खेलना जारी रखना चाहते थे विराटःचयन समिति ने नहीं दिया साथ; 12 मई को लिया था संन्यास

नई दिल्ली। मोहम्मद कैफ का मानना है कि विराट कोहली इंग्लैंड सीरीज के लिए पूरी तरह तैयार थे, लेकिन अजित अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति का समर्थन उन्हें नहीं मिला। कोहली ने 12 मई को इंस्टाग्राम पोस्ट पर टेस्ट से संन्यास का ऐलान किया था। हालांकि, उन्होंने टेस्ट से रिटायरमेंट को लेकर कोई वजह नहीं बताई थी। कैफ ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मुझे लगता है कि वह इस फॉर्मेट में खेलना जारी रखना चाहते थे। इसको लेकर उनकी बीसीसीआई अधिकारियों और चयनकर्ताओं से बातचीत भी हुई होगी। चयनकर्ताओं ने पिछले 5-6 सालों में उनके प्रदर्शन का हवाला दिया होगा और उन्हें बताया होगा कि टीम में उनकी जगह अब नहीं हो सकती।' उन्होंने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटने के बाद रणजी ट्रॉफी खेलने से

यह साफ था कि वह आगामी टेस्ट में वापसी करना चाहते थे। उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें बीसीसीआई और चयनकर्ताओं से भी समर्थन मिलेगा, पर उन्हें नहीं मिला। कोहली के अगर पिछले सालों के प्रदर्शन को देखें तो पता चला कि उनके प्रदर्शन में गिरावट आई है।

उन्होंने इस बीच खेले 68 पारियों में केवल 2028 रन बनाए और तीन शतक ही लगाए। इस दौरान उनका करियर औसत घटकर 46 तक आ गया। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पर्थ में शानदार शतक के साथ वापसी के संकेत दिखे, लेकिन बाकी दौरे में वह केवल 90 रन ही बना पाए और भारत 1-3 से सीरीज हार गया। कैफ का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया में कोहली का जो एप्रोच दिखा उससे लगा कि वह इस फॉर्मेट से ऊब चुके हैं। वह जल्दी रन बनाने की कोशिश में दिखे। टेस्ट क्रिकेट में आपको घंटों क्रीज पर टिके रहना पड़ता है, जो उन्होंने पहले किया है, लेकिन बाहर जाती गेंद पर ड्राइव करने की कोशिश में लगातार एज लेना, इससे लगा कि उनका धैर्य कम हो गया था।36 साल के विराट कोहली ने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। वे अगर 1-2 साल और खेलते तो 10 हजार रन बनाकर इस फॉर्मेट में भारत के तीसरे टॉप स्कोरर बन जाते, लेकिन विराट ने रिकॉर्ड की परवाह नहीं की।

लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन बैडमिंटन से बाहर, राजावत भी राउंड-1 में हारे, महिला वर्ग में आकर्षि, उन्नति अगले दौर में

नई दिल्ली। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और प्रियांशु राजावत थाईलैंड ओपन के पहले राउंड से बाहर हो गए हैं। वहीं, आकर्षि कश्यप और उन्नति हुड्डा इस सुपर 500 टूर्नामेंट में कड़े मुकाबले जीतकर अगले दौर में पहुंच गईं हैं। बुधवार को सेन को आयरलैंड के एन एंगुयेन ने एक घंटे 20 मिनट तक चले मैच में 18-21, 21-9, 17-21 से हराया। पहला गेम हारने के बाद सेन ने दूसरे गेम में वापसी की, लेकिन तीसरे और निर्णायक गेम में एंगुयेन ने उन्हें उबरने का मौका ही नहीं दिया। मेंस सिंगल्स कैटेगरी में प्रियांशु राजावत को भी पहले दौर में पराजय का सामना करना पड़ा।

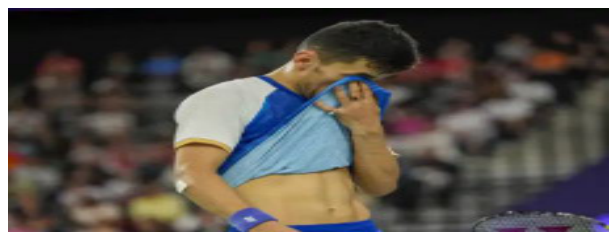

उन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान ने 21-13, 17-21, 21-16 से मात दी। इस मुकाबले में प्रियांशु ने बड़े अंतर से गंवाया, लेकिन दूसरे गेम में शानदार कोर्ट कवरेज और दमदार खेल की बदौलत 21-17 की वापसी हासिल की। तीसरे गेम में प्रियांशु को 21-16 की पराजय झेलनी पड़ी। विमेंस सिंगल्स कैटेगरी में आकर्षि कश्यप ने जापान की कोआरू सुगियामा को 21-16, 20-22, 22-20 से हराया। वहीं, उन्नति ने थाईलैंड की थामोंवान एन को 21-14, 18-21, 23-21 से मात दी। रक्षिता श्री संतोष रामराज पहले दौर में सिंगापुर की यिओ जिया मिन से 18-21, 7-21 से हार गई।

कल का काम आज, आज का अभी करें,परफेक्शन की इच्छा न करें, बस काम शुरू कर दें, निरंतरता में ही सफलता है

नई दिल्ली। काल करे सो आज कर' डच लेखक डेरियस फरू द्वारा लिखी गई एक सेल्फ-हेल्प बुक है। फरू एक मशहूर लेखक, ब्लॉगर और आंत्रप्रेन्योर हैं। उनकी यह किताब हमारी टालमटोल की आदतों और उनसे छुटकारा पाने के तरीकों के बारे में बात करती है।अगर हम अपने आसपास देखें तो पाएंगे कि ऐसे लोग, जो प्रतिभाशाली नहीं हैं फिर भी लगातार मेहनत करते हैं, वे सफल हैं। वहीं ऐसे टैलेंटेड लोग जो मेहनत करने से बचते हैं, सफलता उनसे दूर रह जाती है।यह किताब इन्हीं टालमटोल तरीकों से छुटकारा पाने के बारे में बात करती है। इस किताब के जरिए डेरियस फरू ने अपने निजी अनुभवों जरिए सुझाव देने की कोशिश की है। डेरियस फरू बताते हैं कि उन्होंने एक किताब लिखने का सपना देखा था। हालांकि, वे अपने इस सपने को 10 साल तक टालते रहे, लेकिन जब साल 2015 उन्होंने किताब लिखने की शुरुआत की तो सिर्फ 6 महीने में पूरी किताब लिख दी।डेरियस अपनी किताब में लिखते हैं कि 'जिंदगी रुकती नहीं है और हर पल हम मौत के करीब जा रहे हैं।' ऐसे में हमारे पास सीमित समय है। हमें इसे बर्बाद करने के बजाय कुछ हासिल करने में लगाना चाहिए। 171 पेज की यह किताब तीन चैप्टर्स के जरिए मुख्यतः तीन बातों पर फोकस करती है। आइए इन बातों को ग्राफिक के जरिए समझते हैं।हम बड़े काम देखकर डर जाते हैं और इस वजह से काम को टालते रहते हैं। हालांकि, हमें काम को आसान बनाने के लिए इसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लेना चाहिए। इसके बाद इन छोटे-छोटे हिस्सों को पूरा करते हुए हम आगे बढ़ सकते हैं। मान लीजिए हमें किताब लिखनी है। इस काम को हम कई छोटे हिस्सों में बांट सकते हैं। जैसे पहले किताब के चैप्टर्स तैयार कर लेते हैं। इसके बाद हर महीने एक चैप्टर और हर सप्ताह एक हजार शब्द लिखने का लक्ष्य तय करते हैं। यानी हर रोज सिर्फ 142 शब्द लिखने की जरूरत है।सब कुछ परफेक्ट करने के चक्कर में, हम काम टालते रहते हैं। डेरियस कहते हैं कि अगर आप कुछ लिखना चाहते हैं, तो पहले बिना ज्यादा सोचे लिखना शुरू करें। इसे आप बाद में भी सुधार सकते हैं। ऐसे लोग हासिल तो बहुत कुछ करना चाहते हैं, लेकिन काम शुरू करने से पहले ही खुद की क्षमता पर शक करने लगते हैं। उन्हें लगने लगता है कि यह काम उनके बस नहीं है। ऐसे में वे काम को कभी शुरू ही नहीं कर पाते हैं। दूसरी तरह के लोग अपने लिए एक बड़ा लक्ष्य तय करते हैं। इसके लिए खूब मेहनत भी करते हैं, लेकिन इनका लक्ष्य इतना बड़ा होता है कि वे इसे हासिल नहीं कर पाते हैं। ऐसे में खुद

को असफल मानने लगते हैं।डेरियस कहते हैं कि हमें इन दोनों ही चीजों से दूर रहने की कोशिश करनी चाहिए क्योंकि इससे डिस्ट्रैक्शन, एंग्जाइटी और डिप्रेशन जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। हर दिन सुबह अपना सबसे महत्वपूर्ण काम पूरा करें। इससे दिन की शुरुआत अच्छी होती है और टालमटोल की आदत में कमी आती है।डेरियस फरू कहते हैं कि हमें अपने टाइम को मैनेज करने के बजाय अपनी एनर्जी और फोकस को मैनेज करना चाहिए। वह सलाह देते हैं कि फोन को 'ऑलवेज कनेक्टेड' से 'ऑलवेज डिस्कनेक्टेड' मोड में रखें और जरूरत पड़ने पर ही इस्तेमाल करें।इसके अलावा, डेरियस रूटीन बनाने की बात करते हैं। वे कहते हैं कि जीवन इच्छाशक्ति से नहीं, सिस्टम और रूटीन से चलता है। अगर हम हर दिन एक ही समय पर एक काम करें, तो वह आदत में शामिल हो जाती है। इसके बाद इस काम को करने में कम मेहनत खर्च होती है और बची हुई एनर्जी को हम कहीं और लगा सकते हैं।डेरियस फरू इस चैप्टर में जिंदगी की जरूरतों और प्राथमिकताओं के बारे में बात करते हैं। फरू बताते हैं कि जिंदगी में सिर्फ काम करना काफी नहीं है। इसके बजाय यह समझना ज्यादा जरूरी है कि आपके लिए किस काम के मायने अधिक हैं।वे कहते हैं कि आपके लिए नई स्किल सीखना ज्यादा जरूरी हो सकता है, बजाय इसके कि आप दफ्तर में ओवरटाइम करें। या आप छुट्टियों में घर गए हैं तो कंप्यूटर पर गेमिंग करने के बजाय परिवार के साथ समय बिताना ज्यादा जरूरी है।यह किताब डेरियस फरू के ब्लॉग पर छपे 30 लेखों के संग्रह से तैयार की गई है। किताब में फरू थ्योरी के बजाय अपनी जिंदगी के निजी अनुभवों के जरिए बात करते हैं। ऐसे में किताब पढ़ते हुए लगता है कि हम किसी दोस्त से बात कर रहे हैं। हालांकि, ब्लॉग पोस्ट्स को पुस्तक का रूप देने की वजह कई जगह प्रवाह की कमी दिखती है। साथ ही अगर आपने पहले भी सेल्फ-हेल्प बुक्स पढ़ी है तो कई सारी बातें दोहराव वाली लग सकती है। हममें से कई लोग अपने काम को 'कल' के लिए टालते रहते हैं। साथ ही कुछ नया शुरू करने से डरते हैं। 'काल करे सो आज कर' ऐसे लोगों के लिए काम की किताब है। साथ ही अगर आप सेल्फ-हेल्प बुक्स पढ़ने की शुरुआत करना चाहते हैं, तो यह किताब आपके काम की हो सकती है।

नीरज चोपड़ा को टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल बनायाःधोनी, कपिल और बिंद्रा इसका हिस्सा

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने यूनिट्स (जैसे रेलवे, आईओसी) स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि दी है। नीरज को यह सम्मान खेल में असाधारण योगदान और राष्ट्र के प्रति उनकी कमिटमेंट के लिए दिया गया है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार, 14 मई को इसकी घोषणा की। बयान के अनुसार, यह नियुक्ति 16 अप्रैल से प्रभावी है। नीरज चोपड़ा पहले भारतीय सेना में सूबेदार के पद पर थे। उन्हें 2018 में सुबेदार बनाया गया था। नीरज 2016 में भारतीय सेना में नायब सूबेदार के रूप में शामिल हुए थे। नीरज चोपड़ा से पहले पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी, कपिल देव और अभिनव बिंद्रा जैसे खिलाड़ियों को टेरिटोरियल आर्मी में मानद उपाधि दी जा चुकी है।नीरज चोपड़ा शुक्रवार 16 मई को दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे। नीरज ने पिछले सीजन में 88.36 मीटर भाला फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया था। वे 2023 में 88.67 मीटर के स्कोर के साथ चैंपियन बने थे। नीरज के अलावा, जेवलिन थ्रोअर किशोर जेना, मिडिल डिस्टेंस रनर गुलवीर सिंह और पारुल चौधरी भी हिस्सा लेंगी। नीरज चोपड़ा दुनिया के नंबर-2 जेवलिन थ्रोअर हैं। वे भारत की ओर से लगातार दो ओलिंपिक गेम्स में मेडल जीत चुके हैं। नीरज ने पेरिस ओलिंपिक में सिल्वर और टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा, वे वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे वर्ल्ड क्लास टूर्नामेंट में भारत को गोल्ड मेडल जिता चुके हैं। टेरिटोरियल आर्मी एक अर्द्धसैनिक बल है। इसे सेकंड लाइन ऑफ डिफेंस कहते हैं। यह देश में कई बड़े ऑपरेशनों में काम कर चुकी है। ये युद्ध मोर्चे पर अग्रिम पंक्ति के जवानों की परछाई बनकर ठीक उनके पीछे मदद के लिए तैयार रहती है। अभी इसके 50 हजार सदस्य हैं, जो 65 विभागीय

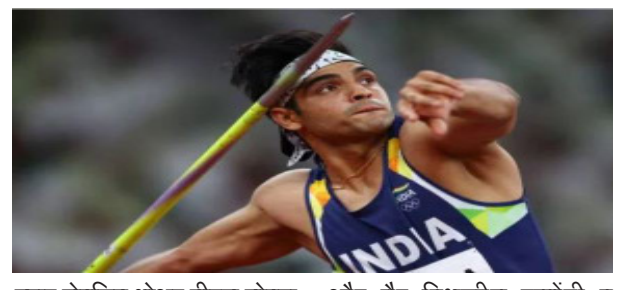

और गैर विभागीय इन्फेंट्री व इंजीनियर बटालियन में हैं। इनकी ट्रेनिंग सेना की तरह ही होती है।शुरुआत 18 अगस्त 1948 को 11 यूनिट्स के साथ हुई थी। 9 अक्टूबर 1949 को देश के पहले गवर्नर जनरल सी. राजगोपालाचारी ने इसका मुख्यालय शुरू किया था। इसलिए 9 अक्टूबर को टेरिटोरियल आर्मी डे मनाते हैं। आजादी के बाद इसमें इन्फेंट्री, इंजीनियरिंग, सिग्नल जैसी यूनिट्स बनीं। यह अंशकालिक अतिरिक्त बल है, जो गैर लड़ाकू काम करता है।ऐसे युवा जो किसी भी क्षेत्र में नौकरी या व्यवसाय कर रहे हैं, वह भी अंशकालिक रूप से टेरिटोरियल आर्मी में शामिल हो सकते हैं। ऐसे नौजवान जो किसी कारण से सेना में भर्ती नहीं हो पाते या ऐसे रिटायर्ड सैन्य कर्मी, जो सेना में रहकर देशसेवा करना चाहते हैं, उन्हें भर्ती में तवज्जो मिलती है। इसकी भर्ती टेरिटोरियल आर्मी समय-समय पर अपनी वेबसाइट और स्टाफ सिलेक्शन कमीशन के तहत निकालती रहती है। लिखित परीक्षा से भर्ती। पूर्व सैनिकों को परीक्षा से छूट है। भर्ती की न्यूनतम उम्र 18 और अधिकतम 42 साल है। स्नातक, शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होना जरूरी।कम से कम 7 साल। सेना की तरह इसमें पदोन्नत होकर कमीशंड भी होते हैं। ऐसे लोगों को 20 साल की फिजिकल सर्विस के बाद पेंशन भी मिलती है। जू. कमीशन्ड ऑफिसर, नॉन कमीशन्ड ऑफिसर, अन्य कार्मिक पद हैं। लीव एनकैशमेंट, एलटीए भी देते हैं। सैलरी 16 हजार से 63 हजार रु. महीना तक।सेना के नियमित जवानों से थोड़ी अलग। शुरुआत में 6 महीने की प्री कमीशंड ट्रेनिंग। फिर हर साल दो महीने का ट्रेनिंग कैंप होता है। यह अनिवार्य होता है। इस दौरान वेतन भी देते हैं। नियुक्ति के पहले दो साल में 3 महीने की पोस्ट कमीशनिंग ट्रेनिंग भी।

स्टार्क की पत्नी ने बताई धर्मशाला में ब्लैकआउट की कहानी,कहा- डर का माहौल था, मैसेज मिला- तुरंत निकलो, मिसाइल हमले की अफवाह थी

नई दिल्ली। 'वहां डर का माहौल था और स्थिति काफी खराब हो गई थी। जब अचानक एक व्यक्ति आया और कहा यहां से तुरंत निकलो। उसका चेहरा सफेद हो गया था। क्योंकि, वहां मिसाइल हमले की अफवाह फैल गई थी। यह बताते हुए दिल्ली के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की पत्नी एलिसा हीली सहम गईं। वे विलो टॉक पॉडकास्ट पर 8 मई की रात धर्मशाला स्टेडियम में ब्लैकआउट की कहानी बयां कर रहीं थी। ऑस्ट्रेलिया विमेंस क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने एक पॉडकास्ट में बताया कि मिसाइल हमले की अफवाह के बीच कैसे धर्मशाला स्टेडियम खाली कराया गया और कैसे प्लेयर्स और उनके परिवार को सुरक्षित होटल तक पहुंचाया। हीली ने कहा-8 मई को पाकिस्तान के ड्रोन अटैक के बीच धर्मशाला में पंजाब-दिल्ली मैच बीच में रोक दिया गया था। फिर 20 मिनट के अंदर स्टेडियम खाली करा दिया गया। खिलाड़ियों के साथ सपोर्ट स्टाफ को एक बस में होटल वापस ले जाया गया। बीसीसीआई ने अगले दिन स्पेशल वंदे भारत ट्रेन से सभी को दिल्ली पहुंचाया। क्योंकि, सभी उड़ाने रद्द कर दी गई थी।जब खेल रोका गया था, एलिसा उस समय अन्य खिलाड़ियों के परिवार के सदस्यों के साथ स्टैंड में मौजूद थीं। यह मानते हुए कि

यह एक मामूली समस्या है, एलिसा और उनके साथ मौजूद अन्य लोग पहले तो शांत रहे, लेकिन फिर चीजें हाथ से निकल गईं। बिजली के कुछ टावर की बत्ती गुल हो गई और हम बस वहीं इंतजार कर रहे थे। मैंने कुछ सीट दूर अफवाह सुनी कि हमें स्टेडियम खाली करना पड़ सकता है, क्योंकि बिजली गुल हो गई है। हमारे साथ परिवार और अतिरिक्त सहयोगी स्टाफ का एक बड़ा समूह था। अगले ही मिनट एक आदमी (जो हमारे ग्रुप के साथ था और हमारा ध्यान रखता था।) आता है और कहता है कि हमें तुरंत निकलना होगा। उसका चेहरा सफेद पड़ गया था। अचानक हमें वैन में ठूंस दिया गया और हम होटल वापस चले गए। वहां स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। हम पंजाब के कुछ खिलाड़ियों के साथ बस में बैठे थे। मुझे लगता है कि श्रेयस मेरी बस में था। यह ऐसा था जैसे आप वहां से निकलते ही वैन में चढ़ जाएं।एलिसा ने कहा- 'उस आदमी ने कहा कि हमें अभी जाना चाहिए। और हम कह रहे थे, 'ओह, यह ठीक है।' हम बाकी सभी को स्टेडियम से पहले बाहर जाने देना और वहां रुके रहना बेहतर समझ रहे थे। हमें लगा कि हम शायद यहां सुरक्षित हैं, क्योंकि हर जगह लोग सीढ़ियों से नीचे उतर रहे होंगे।'एलिसा ने बताया कि इसके बाद चीजें तेजी से बदल गईं और हमें एक कमरे में ले जाया गया। वहां पंजाब और दिल्ली के खिलाड़ी पहले से मौजूद थे। फिर एक और आदमी आया, उसका चेहरा सफेद पड़ चुका था, उसने एक बच्चे को पकड़ लिया और कहा- हमें अभी निकलना होगा।' एलिसा ने कहा- यह इतनी तेजी से हुआ कि फाफ डु प्लेसिस ने जूते भी नहीं पहने थे। वे सभी वहां बस इंतजार कर रहे थे। सभी तनाव में दिख रहे थे। मैंने मिच (मिचेल स्टार्क) से पूछा, 'क्या हो रहा है?' और उसने कहा, '60 किलोमीटर दूर शहर में अभी-अभी मिसाइलों से हमला हुआ है'।'एलिसा ने बताया- 'इसलिए इलाके में पूरी तरह से ब्लैकआउट हो गया था, इसका मतलब था कि उस समय धर्मशाला स्टेडियम एक अंधेरे में इकलौती लाइट की तरह था। मुझे तभी स्थिति की गंभीरता का अहसास हुआ।'अगले दिन 9 मई को बीसीसीआई ने हिमाचल प्रदेश और पंजाब पुलिस की मदद से सभी खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ और उनके परिवार वालों को सुरक्षित दिल्ली पहुंचाया। इस दल को लगभग 40 से 50 छोटे वाहनों में धर्मशाला से होशियारपुर के रास्ते जालंधर रेलवे स्टेशन लाया गया। जहां से स्पेशल वंदे भारत ट्रेन नई दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन पहुंची। इस ट्रेन से करीब 300 लोग यात्रा कर रहे थे। इनमें खिलाड़ी, तकनीकी टीम, मीडिया कर्मी और आयोजन से जुड़ा स्टाफ शामिल रहा

90फ़ीसदी टूथपेस्ट में मिला खतरनाक लेड मेटल, लेड पॉइजनिंग से हर साल होती 15 लाख मौतें

नई दिल्ली। हम अपने दांतों को मजबूत और चमकदार बनाए रखने के लिए हर रोज टूथपेस्ट का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन टूथपेस्ट में कुछ ऐसे खतरनाक इंग्रीडिएंट्स हो सकते हैं, जो हमारी सेहत के लिए बिल्कुल भी सेफ नहीं हैं। हाल ही में अमेरिकी रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन 'लेड सेफ मम्मा' ने 51 टूथपेस्ट और टूथ पाउडर ब्रांड के सैंपल की जांच रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सहित दुनियाभर में बिक रहे कई प्रमुख टूथपेस्ट ब्रांड में लेड, आर्सेनिक, मर्करी और कैडमियम जैसे हैवी मेटल्स पाए गए। इनमें से करीब 90इ टूथपेस्ट में लेड की मात्रा थी, जबकि अधिकांश में एक से ज्यादा हैवी मेटल्स थे। हैरानी की बात तो ये है कि इनमें बच्चों के टूथपेस्ट और 'ग्रीन' यानी नेचुरल टूथपेस्ट भी शामिल थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि ये हैवी मेटल्स सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, साल 2021 में दुनिया में लेड पॉइजनिंग की वजह से 15 लाख लोगों की मौत हुई थी। वहीं यूनिसेफ की 'टॉक्सिक ट्रूथ' नामक एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया का हर तीसरा बच्चा लेड पॉइजनिंग से पीड़ित

है।लेड हमारी सेहत के लिए कितना नुकसानदायक है, इसके खतरे से कैसे बचा जा सकता है, सही टूथपेस्ट का चुनाव कैसे करें, लेड एक टॉक्सिक मेटल है, जो सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक है। इसका इस्तेमाल पेंट, बैटरी, कॉस्मेटिक, खिलौने और कंस्ट्रक्शन मटेरियल में किया जाता है। लेड के संपर्क में आने से सबसे ज्यादा नुकसान बच्चों के ब्रेन को होता है। यह उनकी सीखने और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता पर बुरा असर डालता है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के मुताबिक, लेड के संपर्क से बच्चों का आईक्यू लेवल 4-5 पॉइंट्स तक घट सकता है। इसके अलावा लेड हमारी हड्डियों, दांतों, किडनी, लिवर और हार्ट को भी बुरी तरह प्रभावित करता है। सबसे खराब बात ये है कि लेड धीरे-धीरे शरीर में जमा होता रहता है और पता इसका पता तब चलता है, जब शरीर किसी गंभीर बीमारी के चपेट में आ जाता है। यह एक ऐसा जहर है, जिसकी थोड़ी सी भी मात्रा नुकसानदायक है। लेड पॉइजनिंग तब होती है, जब शरीर में इसकी मात्रा ज्यादा जमा हो जाती है।

जरूरत की खबर- गर्मी में टिफिन पैकिंग के 10 टिप्स

नई दिल्ली। गर्मियों में टिफिन में रखे खाने को फ्रेश और सुरक्षित रखना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। सुबह घर से तैयार किया गया खाना दोपहर तक खराब हो सकता है, खासकर जब तापमान 40 डिग्री के आसपास पहुंच जाए। ये समस्या वर्किंग प्रोफेशनल्स से लेकर स्कूल-कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स तक सभी के लिए आम है। ऐसे में खाने-पीने की चीजों को एक्स्ट्रा केयर की जरूरत होती है, ताकि न तो स्वाद खराब हो और न ही सेहत पर असर पड़े।टिफिन में खाना देर तक कैसे फ्रेश रख सकते हैं? खाना पैक करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? गर्मियों में तापमान बढ़ने और हवा में नमी अधिक होने से बैक्टीरिया और फफूंदी (फंगस) को पनपने का अनुकूल माहौल मिल जाता है। तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने पर सूक्ष्म जीव तेजी से बढ़ने लगते हैं, जिससे खाना जल्दी सड़ने लगता है। खाने में अजीब गंध आना, स्वाद बदल जाना या उसका चिपचिपा हो जाना इसके मुख्य लक्षण हैं। गर्मी में वे फूड आइटम्स जल्दी खराब होते हैं, जिनमें नमी ज्यादा होती है। जैसे दाल, सब्जी, चावल या दही। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के मुताबिक, अगर पका हुआ खाना दो घंटे से ज्यादा समय तक गर्म और खुली जगह में रखा रहे, तो उसमें हानिकारक बैक्टीरिया विकसित होने लगते हैं। गर्मियों में जब तापमान 40ष्टए के करीब पहुंचता है, तब सुबह 8 बजे तैयार किया गया टिफिन दोपहर 1 बजे तक खराब होने की स्थिति में आ सकता है। खासतौर पर अगर गर्म खाना बंद डिब्बे में पैक किया गया हो, नमी ज्यादा हो या टिफिन सही से साफ न किया गया हो।आमतौर पर ऑफिस या स्कूल में टिफिन को फ्रिज में रखने की सुविधा नहीं होती और बैग में घंटों तक गर्मी में रखा टिफिन उस 'डेंजर जोन' में पहुंच जाता है, जिसमें फूड पॉइजनिंग वाले बैक्टीरिया सबसे तेजी से बढ़ते हैं।टिफिन में हल्का, सूखा और जल्दी न खराब होने वाला खाना रखना चाहिए। जैसे थेपला, सूखी सब्जी या इडली। गरम खाना सीधा बंद टिफिन में न डालें। उसे थोड़ा ठंडा करके रखें, ताकि भाप से नमी न बने। अगर आप दही, कटे फल या सलाद पैक कर रहे हैं तो उन्हें अलग एयरटाइट डिब्बे में रखें और कोशिश करें कि टिफिन बैग में एक छोटा आइस पैक भी हो। साथ ही इंसुलेटेड टिफिन गर्मियों में बहुत मददगार होते हैं। ये तापमान को देर तक कंट्रोल में रखते हैं और खाना जल्दी खराब नहीं होता है।गर्मियों में रात का बचा हुआ खाना अगले दिन टिफिन में पैक करना रिस्की हो सकता है। अगर ऐसा खाना टिफिन में रखना ही है तो इन बातों का ध्यान जरूर रखें।रात का खाना पकने के 2 घंटे के अंदर फ्रिज में रख देना चाहिए। अगर वह देर तक बाहर कमरे के तापमान पर रखा रहा, तो उसमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं।सुबह उस खाने को अच्छी तरह गर्म करना जरूरी है, ताकि बैक्टीरिया मर जाएं। लेकिन बहुत गरम खाना सीधे टिफिन में न भरें। थोड़ा ठंडा करके ही पैक करें।ये चीजें जल्दी खराब होती हैं, इसलिए इन्हें टालें। इनकी बजाय सूखी सब्जी, इडली, थेपला या पराठा जैसे ऑप्शन ज्यादा सुरक्षित होते हैं।अगर सुबह उठते ही खाने से हल्की बदबू आ रही हो, चिपचिपा लगे या रंग थोड़ा बदला हुआ लगे, तो ऐसा खाना टिफिन में न दें। चाहे वह फ्रिज में ही रखा क्यों न हो। डॉ. अमृता मिश्रा बताती हैं कि कुछ घरेलू और नेचुरल प्रिजर्वेटिव खाने को ज्यादा देर तक फ्रेश और सुरक्षित रखने में मददगार हो सकते हैं। ये नेचुरल प्रिजर्वेटिव न केवल बैक्टीरिया की ग्रोथ को धीमा करते हैं, बल्कि खाने के स्वाद और खुशबू को भी बनाए रखते हैं।

मंडेला से सीखें दृढ़ निश्चय की ताकत, दृढ़ निश्चय कोई जन्मजात गुण नहीं स्किल है

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के ट्रांसकेई में एक छोटा-सा गांव था- म्वेज़ो। वहीं एक गरीब जनजातीय परिवार में 1918 में नेल्सन मंडेला का जन्म हुआ। बचपन से ही उन्होंने भेदभाव और अन्याय झेला। कॉलेज में पढ़ते वक्त जब उन्होंने देखा कि अश्वेतों को इंसान नहीं, गुलाम समझा जाता है तो उन्होंने तय कर लिया कि वो इसके खिलाफ आवाज उठाएंगे। इसके लिए उन्हें बार-बार जेल भेजा गया, प्रताड़ित किया गया और अंत में तो 27 साल तक कालकोठरी में बंद कर दिया गया। मगर मंडेला न डरे, न झुके, न टूटे। जेल की सलाखों के पीछे भी वे हर दिन खुद से कहते रहे- मेरा संघर्ष सही है, मेरी लड़ाई रंगभेद के खिलाफ है और एक दिन हमें आजादी जरूर मिलेगी। सोचिए ऐसी कौन-सी ताकत थी, जो 27 साल तक उन्हें जेल में भी उन्हें नहीं तोड़ सकी? उसका जवाब है- दृढ़ निश्चय। वो निश्चय, जो हर दिन उन्हें उम्मीद जगा देता था, जो उन्हें अपने लक्ष्य से भटकने नहीं देता था और जिसने उन्हें नायक बना दिया। 'दृढ़ निश्चय' यानी डिटर्मिनेशन। हम समझेंगे कि सफलता में दृढ़ निश्चय की भूमिका कितनी अहम है और इसे कैसे अपने भीतर मजबूत किया जा सकता है। जो ठान लो, वो करके दिखाओ- यही है दृढ़ निश्चय, दृढ़ निश्चय का मतलब है, अपने फैसले पर अडिग रहना, चाहे हालात जैसे भी क्यों न हों। ऐसे लोगों के इरादे, मौसम की तरह बदलते नहीं हैं। उन्हें हमेशा अपनी मंजिल दिखती रहती है, चाहे रास्ते में कितनी भी कठिनाई आए।दृढ़ निश्चय ऐसी पावर है, जो आपको लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा देती है, फिर चाहे रास्ते में कितनी भी बाधाएं आएं। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की एक रिसर्च के मुताबिक, जो लोग मुश्किल हालात में भी अपने गोल्स से नहीं भटकते हैं, उनके दिमाग में 'एंटीरियर सिंग्युलेट कॉर्टेक्स' ज्यादा सक्रिय रहता है। ये दिमाग का वो हिस्सा है, जो हमें फोकस बनाए रखने, दबाव में निर्णय लेने और बड़े लक्ष्य पर टिके रहने में मदद करता है।आत्मविश्वास रखिये आप असफलताओं से डरना बंद कर देते हैं। धैर्य जिससे आप लंबे समय तक मेहनत करने को तैयार रहते हैं। निर्णय क्षमता जिससे आप कठिन परिस्थितियों में बेहतर फैसले लेते हैं। अवसर जिससे यह आपको रुकावटों को अवसरों में बदलने की ताकत देता है।दृढ़ निश्चय कोई जन्मजात गुण नहीं है, बल्कि एक स्किल है, जिसे अभ्यास से डेवेलप किया जा सकता है। इसके 4 आसान तरीके हैं, अपने सपने को स्पष्ट करें। यह नौकरी, बिजनेस, या सामाजिक बदलाव हो सकता है। हर दिन पूछें: 'मैं यह क्यों चाहता हूं?' मंडेला का 'व्हाई' था- समानता। आपका 'व्हाई' आपको भटकने नहीं देगा। .असफलता को विराम समझें न की हार, हार अंत नहीं, एक पड़ाव है। मंडेला ने 27 साल जेल में बिताए, लेकिन इसे खत्म नहीं माना। हर असफलता से सीखें और आगे बढ़ें। हर हार के बाद लिखें मैंने इससे क्या सीखा? बड़ा सोचें और धीरे चलें मंडेला का लक्ष्य सिर्फ अपनी आजादी नहीं, पूरे देश की आजादी था। बड़ा लक्ष्य आपको प्रेरित रखता है, लेकिन छोटे कदम आपको वहां ले जाते हैं।क्या करें: अपने लक्ष्य को 5 साल, 1 साल और 1 महीने के टुकड़ों में बांटें।हर किसी की जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आता है, जब हालात पूछते हैं- अब क्या करोगे? वहीं से आपकी सच्ची कहानी शुरू होती है।खुद से ये 5 बातें रोज कहें मेरा लक्ष्य बड़ा है, इसलिए मेरी राह भी कठिन होगी।मैं मुश्किलों से नहीं डरता, मैं उनसे सीखता हूं।हर असफलता मुझे एक कदम मजबूत बनाती है।मुझे कोई नहीं रोक सकता, जब तक मैं खुद न रुकूं।मैं अपनी कहानी का नायक हूं, हार नहीं मानूंगा।दृढ़ निश्चय वाले लोग दूसरों को भी प्रेरित करते हैं, जैसे मंडेला ने किया।उदाहरण के लिए ऐसे समझें कि मंडेला ने जेल में भी पढ़ाई की, पत्र लिखे और अपने साथियों को संगठित किया। उनका निश्चय सिर्फ उनकी जीत नहीं, बल्कि पूरे देश की जीत बना।दुनिया को दिखाएं कि आप क्या कर सकते हैंदृढ़ निश्चय ही आपके सपनों को हकीकत में बदल सकता है। यह आपको मंडेला की तरह नायकों की कतार में खड़ा कर सकता है। आज से ही शुरू करें, खुद से छोटा सा वादा करें और अपना लक्ष्य स्पष्ट करके उसकी तरफ छोटे-छोटे कदमों से बढ़ना शुरू करें।

डाउनसाइजिंग का अपना ही अपसाइड भी होता है!

कुछ साल पहले जब मेरी बेटी की शादी होने वाली थी, तो मेरी पत्नी ने मुख्य हॉल में हमारे 28 साल पुराने फर्नीचर को बदलने का फैसला किया। हालांकि मैं इसके बिल्कुल पक्ष में नहीं था। मैं उस फर्नीचर से दो कारणों से भावनात्मक रूप से जुड़ा था।1. वे किसी यूज-एंड-थ्रो शोरूम से नहीं लाए गए थे कि उनकी लकड़ी टूट गई हो या रंग फीका पड़ गया हो। वे ठोस साग की लकड़ी से बने थे।2. वे हमारे संघर्ष के दिनों की कई यादों को बयां करते थे, जब हमने बहुत सोच-विचार और चर्चाओं के बाद उन्हें एक-एक कर बनवाया था। इसलिए वे अलग दिखाई देते थे। जाहिर है कि वे एक फर्नीचर-सेट की तरह नहीं दिखते थे और इसके बजाय समय-समय पर जुटाई गई चीजों की तरह नजर आते थे।यही मुख्य कारण था कि मेरी पत्नी उन्हें बदलकर एक ही डिजाइन वाला फर्नीचर-सेट चाहती थीं। डिजाइनर ने ऑर्डर लिया और चला गया। लेकिन नया फर्नीचर आने तक उसने हमें पूरा हॉल खाली करने का काम सौंप दिया।यह मेरे लिए एक मुश्किल चुनौती थी। सौभाग्य से, हम एक ऐसी स्त्री को जानते थे जो अपने करियर में संघर्ष कर रही थीं और मुंबई शिफ्ट होने जा रही थीं। उनका तलाक हो चुका था और वे आर्थिक रूप से इतनी मजबूत नहीं थीं कि अपने घर को उसी स्तर पर फिर से बना सकें, जैसा घर में उनके वैवाहिक जीवन के दौरान थे और उनके दो बच्चे रहते थे।एक मामूली नौकरी के साथ उनके दो बच्चों को सुविधा देना उनके लिए कठिन था। हमने अपना फर्नीचर बदलने का फैसला करने से पहले ही उनसे यह वादा कर दिया था कि हम सेटल होने में उनकी मदद करेंगे। उनके सेटल-डाउन होने के लगभग दो सालों के दौरान उन्होंने हमसे कुछ सामान लिया, लेकिन सभी नहीं, क्योंकि उनका घर बहुत छोटा था। लेकिन उन्होंने हमें सुझाया कि हमें इसके लिए सही लोगों की तलाश करनी चाहिए, जो ऐसी चीजों को बहुत पसंद करेंगे- रसोई के मिक्सर से लेकर छत के पंखों और डाइनिंग टेबल से लेकर सोफा सेट तक।मेरा यकीन कीजिए, हर बार जब मैं उन अलग-अलग विनम्र लोगों के पास जाकर उनसे कुछ साझा करता था, तो मेरा मामूली घर मुझे महल की तरह लगने लगता था। मेरी लिखने की मेज पाने वाले प्राप्तकर्ता ने कहा, 'मैं अपने पिता के लिए ऐसी ही मेज खरीदना चाहता था ताकि वे बैठकर अपना सुबह का अखबार पढ़ सकें।अपने बूढ़े घुटनों के चलते वे फर्श पर बैठकर नहीं पढ़ पाते हैं।' मेरी आंखों में एक मिनट के लिए तब आंसू आ गए, जब मैंने उन बुजुर्ग व्यक्ति की आंखों में देखा। मेज पर बैठकर वे उतने ही रोमांचित थे, जैसे कोई बच्चा अपने पसंदीदा खिलौने को पाकर होता है।एक और आंटी थीं, जिन्हें नहीं पता था कि एक किचन-मैट उनके दुखते पैरों को आराम दे सकता है। वे नियमित रूप से तस्वीरें भेजती थीं कि कैसे वे खड़े रहकर खाना पकाती हैं और उन्हें ऐसे व्यंजन बनाना पड़ता है, जिनके लिए घंटों खड़े रहकर समय देना पड़ता है।एक दिलचस्प घटना तब हुई, जब एक मां ने हमें दिल से धन्यवाद दिया। उनका बेटा पढ़ाई में कम दिलचस्पी रखता था, लेकिन मेरी बेटी की स्टडी टेबल का इस्तेमाल करने के बाद वह पढ़ाई को लेकर गंभीर हो गया और उसने अच्छे अंक प्राप्त किए। मुझे नहीं पता था कि एक साधारण-सी स्टडी टेबल भी किसी में पढ़ने की रुचि पैदा कर सकती थी।उन अनुभवों ने हमें अपने घर में ऐसे और भी सामानों को ढूंढने पर मजबूर कर दिया, और जो कुछ भी हमने पाया उसे आखिरकार अपना नया घर मिल गया। जूते के स्टैंड से लेकर बगीचे की कुर्सियों तक, कुछ भी कबाड़ में नहीं गया।उन सभी के उपयोग के साथ लंबे समय तक चलने की प्राप्तकर्ता आज भी वॉट्सएप पर उन चीजों की तस्वीरें साझा करते हैं, तो मुझे यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि मेरे पास जो सामान था, वह दूसरों को खुशी दे रहा है।फंडा यह है कि जब आप अपना कोई बार इस्तेमाल किया हुआ और कभी-कभी अपेक्षाकृत नया सामान भी किसी को देते हैं, तो वे बदले में लौटकर आपको कुछ अच्छी यादें और बेहतरीन कहानियां देते हैं। और इसलिए मुझे लगता है कि डाउनसाइजिंग भी अपसाइजिंग होने की कहानी निहित होती है, जिसमें किसी पर ध्यान दिया जाता है और उसके साथ बेहतर व्यवहार किया जाता है। आपका क्या कहना है?

फायदा कमाने के लिए मिर्ची तो लगानी ही होगी!

आपने कुली नं.1 फिल्म का ये गाना सुना होगा, 'तुझको मिर्ची लगी तो मैं क्या करूंष्ठ'। यह शायद कैजुअल डाइनिंग रेस्टोरेंट 'चिलीज़' (मिर्ची) के चीफ एग्जीक्यूटिव केविन होचमैन का पसंदीदा गाना होगा क्योंकि जब पूरा अमेरिका, सोशल मीडिया पर फास्ट-फूड महंगा होने की शिकायत कर रहा था, तब केविन को अवसर नजर आया।उन्होंने तुरंत चिलीज़ बर्गर की तुलना मैक्डॉनल्ड से शुरू कर दी, जो इस कैटगरी में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल है। उन्होंने दो अलग काम किए। कोई छोटी कंपनी, पैसे वाली बड़ी कंपनी से पंगा नहीं लेती लेकिन केविन ने ऐसा किया। दूसरी बात, ऐसा रेस्टोरेंट जहां बैठकर खाना खाते हैं, वह मैक्डॉनल्ड जैसे रेस्टोरेंट से तुलना नहीं करता, जो खाना पैक कराकर ले जाने (टेक-अवे) का विकल्प देता है।उनकी कंपनी ने विज्ञापन में कहा, 'कॉम्बो मील की कीमत में, बिग मैक जैसा बर्गर पाएं, लेकिन टेबल पर, वह भी अनलिमिटेड चिप्स और सोडा के साथ'। यह विज्ञापन कारगर साबित हुआ। इसमें कहा गया, 'क्वार्टर पाउंडर से 85प्रतिशत ज्यादा बड़ी पैटी, चीज़ के साथ, सिर्फ डॉ10.99 में।' इसमें इशारा मैक्डॉनल्ड के एक सिग्नेचर बर्गर की ओर था।पिछले सितंबर, चिलीज़ का एक लाइन का विज्ञापन काफ़ी चर्चा में रहा, 'हमारा बर्गर खाएं या ड्राइव-थ्रू में मिलने वाले किसी बर्गर से संतोष कर लें।' इन विज्ञापनों ने लोगों को चिलीज़ रेस्टोरेंट में बार-बार जाने के लिए प्रेरित किया और उसकी बिक्री 15प्रतिशत बढ़ गई। चिलीज़ की पैरेंट कंपनी के शेयर की कीमतें भी तीन गुना हो गईं।वैश्विक स्तर पर, ग्राहक और फूड कंपनियां, दोनों महंगाई से परेशान हैं। लेकिन चिलीज़ ने महंगाई को मार्केटिंग में बदल दिया। दिलचस्प है कि चिलीज़ ने कभी अपने उत्पाद, प्रतिस्पर्धी से कम कीमत पर नहीं बेचे। बल्कि यह संदेश दिया कि आपका फास्ट फूड बर्गर पहले ही महंगा है, तो क्यों न उसे अच्छी जगह खाएं और साथ में ज्यादा चीजें पाएं। बचत प्रेमियों को यह बात पसंद आई क्योंकि थोड़ी ज्यादा कीमत देने पर, बहुत कुछ मिल रहा था।चिलीज़ अपने कर्मचारियों को 'चिली हेड्स' कहता है। उनका मोटो है, 'अपनी नौकरी को गंभीरता से लें, खुद को नहीं।' मैनेजमेंट स्टडी में मैंने इस कंपनी के बारे में जाना, जो शादी और मैरिज एनिवर्सरी के बजाय वर्क एनिवर्सरी धूमधाम से मनाते हैं। कर्मचारी 'चिलीज़ क्लब' के आजीवन सदस्य भी बनते हैं। कंपनी के 1200 आउटलेट में 72000 कर्मचारी हैं। ये सुनिश्चित करते हैं कि पूरे अमेरिका में चिलीज़ का स्वाद और गुणवत्ता एक जैसी रहे। दो टीनएजर के पिता केविन, कैजुअल कपड़ों में अपने किसी भी रेस्टोरेंट में पहुंच जाते हैं और वहीं खाते हैं। वे यहां दोस्तों को पार्टियां देते हैं, जिससे ग्राहक और मैनेजर का फीडबैक मिल जाता है। जब कंपनी का शीर्ष व्यक्ति, देश में कहीं भी कंपनी में पहुंचता है, जो इससे गंभीर वर्ककल्चर बनता है और बेहतर नतीजे मिलते हैं।कैलोरी घटाने के लिए, केविन रोजाना पांच किमी दौड़ते हैं। वे दोस्तों से कहते हैं, 'मैं खाने के लिए दौड़ता हूं।' हैरानी नहीं कि केविन ने पिज्जा हट, टाको बेल, यम ब्रांड्स, पेप्सिको और सेवन-इलेवन जैसी बड़ी फूड चेन के अधिकारियों को आकर्षित किया है।मार्केट रिसर्च फर्म का अनुमान है कि महंगाई के कारण रेस्टोरेंटों में भीड़ 3.3प्रतिशत घटेगी। यही फर्म मानती हैं कि चिलीज़ के स्टोर की बिक्री इस तिमाही में 26प्रतिशत बढ़ेगी और सालभर स्थिर रहेगी, जब तक कीमतें न बदलें।फंडा यह है कि अगर बतौर कंपनी आप ज्यादा लाभ कमाना और कुछ अलग करना चाहते हैं, तो आपको पंगा लेना ही होगा, जिससे प्रतिस्पर्धी को थोड़ी मिर्ची लग सके।

भाजपा जाति जनगणना का लाभ उठाने की स्थिति में है

जाति जनगणना पर भाजपा का हृदय-परिवर्तन जरूर हुआ है, लेकिन यह भी सच है कि पार्टी ने इसे कभी खारिज नहीं किया था। इसके निहितार्थों को लेकर पार्टी के भीतर और व्यापक संघ परिवार में भी ऊहापोह थी। बुधवार को कैबिनेट की सर्वोच्च समिति सीसीपीए ने जाति जनगणना को मंजूरी देने के लिए बैठक की।पिछले दो वर्षों से इस विचार को आगे बढ़ा रहे राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी अब इसके लिए सरकार पर दबाव बनाने का श्रेय ले रहे हैं। लेकिन लंबे समय के बाद किसी निर्णय पर राजनीतिक सर्वसम्मति दिखी है और भाजपा, कांग्रेस, क्षेत्रीय दल सभी एक ही पक्ष में हैं।भाजपा का गणित यह है कि वह इस निर्णय का राजनीतिक लाभ उठाने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में है। क्योंकि आज वह पहले की तरह ब्राह्मण-बनिया पार्टी नहीं कहलाती है, बल्कि पिछले दशक में उसने दलितों-पिछड़ों में अपना समर्थन-आधार बढ़ाया है। सरकार का नेतृत्व एक ऐसे प्रधानमंत्री कर रहे हैं, जो खुद ओबीसी वर्ग से आते हैं।वैसे भी भाजपा ऐसी पार्टी है, जो किसी भी स्थिति को अपने फायदे में बदलने में माहिर है। भाजपा को मुद्दा भुनाना आता है, कांग्रेस इस खेल में पिट जाती है। राहुल गांधी द्वारा इस मुद्दे को उठाने के बाद से पिछले दो वर्षों में हुए चुनावों में कांग्रेस को कितने अतिरिक्त ओबीसी वोट मिले हैं? दूसरी तरफ 2024 के लोकसभा चुनावों में यूपी में भाजपा की सीटें भी 62 से घटकर 33 रह गईं और इसी के चलते वह बहुमत के आंकड़े से पीछे रह आई। इस गिरावट का एक महत्वपूर्ण कारण ओबीसी थे। उन्होंने भाजपा को उतने पैमाने पर वोट नहीं दिया, जैसी कि उनसे उम्मीद की जा रही थी।सैद्धांतिक रूप से, जाति जनगणना का प्रयोजन है यह पता करना कि विभिन्न जातियां और उपजातियां कहां खड़ी हैं, ताकि सरकार हाशिए के लोगों को आगे आने का मौका देने के लिए उपयुक्त कार्यक्रम बना सके। अभी तक हम 1931 की जाति जनगणना के आंकड़ों पर ही निर्भर हैं।उसके बाद, 2011 में भी एक जाति जनगणना हुई थी, लेकिन उसके अधिकांश निष्कर्षों को सार्वजनिक नहीं किया गया है। यह अजीब बात है कि न तो कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए- जो उस समय सत्ता में थी- और न ही भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए- जो पिछले 11 वर्षों से सत्ता में है- ने 2011 की जनगणना से मिली जानकारियों का खुलासा किया है। न ही वह जानकारी 'लीक' हो पाई है। कहा जाता है कि 2011 की जाति जनगणना से पता चला था भारत में 46 लाख जातियां हैं!राजनीतिक रूप से देखा जाए तो जाति जनगणना को राजनीतिक दलों द्वारा ओबीसी जातियों का समर्थन जुटाने के साधन के रूप में देखा जाता है, क्योंकि वे बड़ी संख्या में हैं। बिहार, तेलंगाना या कर्नाटक जैसी राज्य सरकारों द्वारा की गई जाति जनगणना से पता चलता है कि ओबीसी की संख्या और बढ़ने की संभावना है।2023 में बिहार की जाति जनगणना में पाया गया था कि राज्य में ओबीसी की आबादी 63प्रतिशत थी। 1931 की जाति जनगणना के अनुसार, ओबीसी का राष्ट्रीय औसत 52प्रतिशत था। ऐसा होने पर, ओबीसी स्वाभाविक रूप से आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में अधिक हिस्सेदारी की मांग करेंगे। वे नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में अधिक आरक्षण चाहेंगे। राजनीति में इस बदली हुई हकीकत के दूरगामी परिणाम होंगे।इस निर्णय की टाइमिंग ने भी सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है। यह निर्णय ऐसे समय लिया गया है, जब देश पहलगाम आतंकी हमले के सदमे से जूझ रहा था। प्रधानमंत्री ने आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाने की बात कही है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।कई उच्चस्तरीय बैठकों के बाद सेना प्रमुखों को फ्री-हैंड दे दिया गया है। बढ़ते तनाव और सस्पेंस के बीच अचानक सरकार ने एक ऐसा कदम उठाया, जिसने सुर्खियों को बदल दिया है। जाति का मुद्दा उभरने ने अचानक स्थिति को थोड़ा 'सामान्य' कर दिया है। हमारी फौजें तब हमला करने का फैसला ले सकती हैं, जब सभी का ध्यान कहीं और हो।पहलगाम में जिस तरह से हिंदुओं को निशाना बनाया गया, उसका मकसद देश में हिंदू-मुस्लिम टकराव पैदा करना था। लेकिन अब तक हालात नियंत्रण में रहे हैं। ऐसी स्थिति में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण जोखिम भरा कार्ड होता। पहलगाम ने वैसे भी हर जगह हिंदू चेतना को गहरा किया है- और यह भाजपा की मदद कर सकता है।आम तौर पर विपक्षी दल भाजपा द्वारा हिंदुओं के ध्रुवीकरण का मुकाबला करने के लिए जाति कार्ड का इस्तेमाल करते रहे हैं। लेकिन अब भाजपा ने भी जाति को अपने राजनीतिक ब्रह्मास्त्र के रूप में इस्तेमाल करने का फैसला किया है।भाजपा किसी भी स्थिति को अपने फायदे में बदलने में माहिर है। उसे मुद्दा भुनाना आता है, कांग्रेस इस खेल में पिट जाती है। राहुल द्वारा इस मुद्दे को उठाने के बाद से हुए चुनावों में कांग्रेस को कितने अतिरिक्त ओबीसी वोट मिले? (ये लेखिका के अपने विचार हैं।)

सिंधु जल समझौते के पांच जरूरी पहलुओं को समझें

भारत द्वारा सिंधु जल समझौते पर रोक को पाकिस्तान ने युद्ध की शुरुआत माना है। इस पर पाकिस्तान के कानून मंत्री अकील मलिक भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मंचों में चार तरह से मामले को उठाने का प्रयास कर रहे हैं- अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता, वियना संधि 1969 के उल्लंघन पर हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय, विश्व बैंक, यूएन सुरक्षा परिषद।सिंधु घाटी सभ्यता की सांस्कृतिक धरोहर को नकारने वाला पाकिस्तान संधि के दुरुपयोग से सिंधु और अन्य नदियों के पानी का बेशर्मी से इस्तेमाल करता आ रहा है। पहलगाम में आतंकी हमले के तार पाकिस्तानी सेना और आईएसआई से जुड़े हैं, इसलिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का पक्ष बहुत मजबूत है।जल मंत्रालय की संसदीय समिति की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार भारत सिंधु समझौते से एकतरफा तौर पर अलग नहीं हो सकता (अध्याय 11, परिच्छेद 11.2) पाकिस्तान इस रिपोर्ट का अंतरराष्ट्रीय मंचों में दुरुपयोग नहीं करे, इस बारे में सतर्कता बरतने की जरूरत है। नदी समझौतों से जुड़े मामलों के लिए इन 5 पहलुओं पर बेहतर समझ बनाने की जरूरत है1. चीन : चीन, पाकिस्तान और भूटान के साथ हुई संधियों के तहत भारत में 20 हजार मेगावॉट के पॉवर प्रोजेक्ट्स की सम्भावना है। संसदीय समिति के अनुसार भारत में सिर्फ 3482 मेगावॉट प्रोजेक्ट्स का निर्माण हुआ है। सिंधु नदी तिब्बत से निकलती है, जहां पर चीन ने साम्राज्यवादी तरीके से कब्जा कर रखा है।वह अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करके ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट भी बना रहा है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय मंचों में पाकिस्तान का अनैतिक समर्थन करने के कारण चीन को भी सच का आईना दिखाने की जरूरत है।2. संविधान : संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत अंतरराज्यीय नदियों और पड़ोसी राज्यों के साथ संधि के विषय केंद्र के अधीन हैं। लेकिन नदी और पानी का मामला राज्य सरकारों के अधीन आता है। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में नदियों को जोड़ने (आईएलआर) वाले फैसले में केंद्र को निर्देश दिया था। पानी को संविधान की समवर्ती सूची में लाने के लिए आईएलआर समिति के सामने मैंने विस्तृत नोट दिया था, लेकिन उसके अनुसार संविधान संशोधन नहीं हुआ है।3. जल संकट : पंजाब ने भाखड़ा बांध से जाने वाले 5 हजार क्यूसेक पानी की आपूर्ति को रोक दिया है, जिसकी वजह से हरियाणा में जल संकट बढ़ गया है। सिंधु समझौते में पूर्वी क्षेत्र की 3 नदियों सतलज, व्यास और रावी नदी पर सम्पूर्ण अधिकार होने के बावजूद पानी का पूरा इस्तेमाल नहीं होने पर संसदीय समिति ने 2021 की रिपोर्ट में रोष व्यक्त किया था।पश्चिम की सिंधु, झेलम और चिनाब नदी के पानी से कृषि और जल ऊर्जा के साथ भारत 36 लाख एकड़ फीट पानी के भंडारण का ढांचा बना सकता है। इन तीन नदियों से लगभग 13.43 एकड़ सिंचित भूमि का विकास करने के बजाय भारत में सिर्फ 7.59 लाख एकड़ भूमि ही सिंचित हो पाई है। इस वजह से उत्तर भारत के राज्यों में खेती के नुकसान पर समिति ने चिंता जताई थी।4. बाढ़ : राष्ट्रीय बाढ़ आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 1953 से 2018 के बीच बाढ़ से 4 करोड़ हेक्टेयर खेतिहर भूमि, 4 लाख करोड़ की संपदा के नुकसान के साथ 1 लाख इंसानों और 6 लाख जानवरों की जान गई है। पूरे देश में आपदा लाने वाली बाढ़ के विषय का केंद्र, राज्य या समवर्ती सूची कहीं भी आवंटन नहीं हुआ है। ड्रेनेज और तटबंधों का विषय राज्यों के अधीन है, जिसके अनुसार राज्य सरकारें सीमित कार्रवाई कर रही हैं। संसदीय समिति की स्पष्ट सिफारिशों के बावजूद अभी तक संसद से बांध सुरक्षा बिल और रिवर बेसिन मैनेजमेंट बिल पारित नहीं हुआ है।5. बांग्लादेश : भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बांग्लादेश जा रहे पानी को रोकने की मांग की है। जनता पार्टी सरकार में प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई और फिर प्रधानमंत्री देवगौड़ा ने गंगा जल बंटवारे की संधि पर बांग्लादेश के साथ जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे। सिंधु संधि के खिलाफ जम्मू-कश्मीर की राज्य सरकार और बांग्लादेश के साथ जल संधि का ममता बनर्जी सरकार विरोध कर रही हैं।ममता के अनुसार बांग्लादेश के साथ गंगा, तीस्ता और फरक्का बांध संधियों में भारत सरकार ने पश्चिम बंगाल की सहमति नहीं ली। 30 साल की संधि दिसम्बर 2026 में खत्म हो रही है। कोलकाता बंदरगाह में पानी की गहराई और पश्चिम बंगाल में जल संकट से निपटने के लिए संधि के नवीनीकरण में सरकार को बांग्लादेश के साथ सख्त रवैया अपनाना होगा।सिंधु, झेलम और चिनाब नदी के पानी से भारत 36 लाख एकड़ फीट भंडारण का ढांचा बना सकता है। लेकिन इन नदियों से लगभग 13.43 एकड़ सिंचित भूमि का विकास करने के बजाय सिर्फ 7.59 लाख एकड़ भूमि ही सिंचित हो पाई है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

जो भी सच्चा है, धर्मरत है, हम उसका साथ देंगे...

पूरा संसार चौंका हुआ है कि पाकिस्तान जैसे देश में आतंकी ठिकानों की जानकारी भारत को कैसे मिली? पाकिस्तान भी वर्षों तक ढूंढेगा कि ये सूचना कैसे बाहर गई? पाकिस्तानी तो शायद नहीं जानते होंगे इस नाम को, पर भारतीय दृष्टि से कहा जाए तो- कौन था विभीषण? भारतीय लोग विभीषण ढूंढने में बड़े माहिर हैं। विभीषण की खोज हनुमान जी ने की थी, लेकिन विभीषण प्रिय राम जी के थे। विभीषण का नाम आते ही लोग किसी ऐसे व्यक्ति की कल्पना करते हैं, जिसने इधर की उधर लगा दी, रहस्य खोल दिया। लेकिन यदि विभीषण आलोचना का व्यक्तित्व होता तो राम उनको इतना सम्मान नहीं देते। राम का कहना था विभीषण की सबसे बड़ी अच्छाई थी कि उन्होंने बुराई का विरोध किया था। उनके मन में लंका का राज प्राप्त करने की कोई आकांक्षा नहीं थी, न ही लोभ था। उनका शुद्ध इरादा था सत्य के साथ, धर्म के साथ खड़े रहने का। हमारा देश विभीषण का सदैव सम्मान करेगा, क्योंकि राम ने उनको चाहा है। जो भी सच्चा है, जो भी धर्मरत है, हम उसका साथ देंगे। और अधर्म का विरोध, किसी भी स्तर पर जाकर किया जाएगा।

काम का मतलब समर्पण है, 'चलता है' नहीं

इसी साल मार्च की बात है। एक व्यक्ति एटीएम से पैसे निकाल रहा था, तभी दूसरा व्यक्ति अंदर गया और उससे पांच हजार रुपए छीनकर भाग गया। पीड़ित ने उसका पीछा किया। 74 वर्षीय अनुराधा कुलकर्णी वहीं ट्रैफिक संभाल रही थीं और उन्होंने यह सब देखा।उन्होंने तुरंत अपनी बाइक स्टार्ट की, पीड़ित को लिफ्ट दी और चोर का पीछा करते हुए देखा कि वह टाटा कॉलोनी नामक एक रिहायशी इलाके में घुस रहा है। उनके तेज दिमाग को पता था कि कॉलोनी का केवल एक ही एग्जिट पॉइंट है, इसलिए उन्होंने पुलिस को सूचित कर गेट पर पीड़ित के साथ इंतजार किया।एक घंटे बाद, आरोपी भागने की कोशिश कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया और पैसे बरामद कर लिए। दो महीने पहले एक व्यक्ति सड़क पार करते समय ट्रक से कुचलकर मारा गया। सड़क के बीचों-बीच खड़ी हुई अनुराधा ने देखा कि पीड़ित की चप्पल डिवाइडर में फंस गई थी, जिससे वह चलते ट्रक के सामने गिर गया था।

गुस्साए स्थानीय लोग ट्रक ड्राइवर पर हमला करने लगे। अनुराधा ने तुरंत एक्शन लिया और गवाही दी कि यह ड्राइवर की गलती नहीं थी। वह इस चल रहे मामले में मुख्य गवाह हैं। लगभग छह महीने पहले एक सोसाइटी के चौकीदार का मोबाइल फोन चोरी हो गया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर स्थानीय पुलिस ने अनुराधा से आरोपी की पहचान करने में मदद मांगी।उन्होंने तीन दिनों में मोबाइल चुराने वाले सफाईकर्मी की पहचान की, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और मोबाइल फोन बरामद कर लिया। आप सोच रहे होंगे कि यह 74 वर्षीय महिला हमेशा सड़क के बीच में क्या करती रहती हैं? हर दिन वह बाइक पर घूमती हैं, जहां भी ट्रैफिक नजर आता है, वहां उतरकर ट्रैफिक संभालती हैं, एंबुलेंस को तेजी से जाने में मदद करती हैं और स्कूली बच्चों को सड़क पार कराती हैं।

लगभग 30 साल पहले की बात है, एक बार उन्होंने देखा कि मुंबई में सांताक्रूज में एक स्कूल के पास लोग गलत लेन में आ रहे थे, तभी उन्होंने अकेले ही लोगों को वहां से आने से रोक दिया था। एक पुलिस अधिकारी ने उन्हें ऐसा करते देखा और उन्हें ट्रैफिक वार्डन के रूप में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।उन्होंने मुंबई के बायकला में ट्रैफिक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में अपनी ट्रेनिंग के बाद लिखित और मौखिक परीक्षा पास की। तब से, वह मुंबई के पश्चिमी उपनगरीय इलाके जुहू-विले पार्ले-सांताक्रूज में स्वेच्छा से यह काम कर रही हैं। उनके एक फोन कॉल पर पुलिस तुरंत कार्रवाई में जुट जाती है क्योंकि वह केवल तभी कॉल करती हैं जब वह स्थिति को संभाल नहीं पातीं, चाहे वह ट्रैफिक की समस्या हो या कोई असामाजिक गतिविधि।

साल 2014 में बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने उनके उत्कृष्ट काम के लिए उन्हें सम्मानित किया था और उन्होंने कोविड के दौरान कोरोना पॉजिटिव लोगों को भोजन पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह इन उपनगरों में सबसे लोकप्रिय चेहरा हैं क्योंकि ट्रैफिक जाम होने पर किसी को उन्हें बुलाने की जरूरत नहीं पड़ती। वह खुद पहुंच जाती हैं और ट्रैफिक वार्डन का काम करती हैं।ट्रैफिक सुचारू होने के बाद, वह अपनी बाइक लेती हैं और अगले स्थान पर चली जाती हैं, जहां उनकी जरूरत होती है। ठेले वाले से लेकर दुकानदार तक, वहां के सभी लोकल लोग इस शहर को ट्रैफिक जाम से मुक्त रखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करता है। बैंक में काम करने वाले उनके पति का बहुत पहले निधन हो चुका है और उनकी सास ने उन्हें एक घर दिया है, जिसके किराए से और समय-समय पर रिश्तेदारों की मदद से उनकी जरूरतें पूरी होती रहती हैं। इसलिए वह मुंबई ट्रैफिक पुलिस के लिए फ्री में काम करते हुए अपना सारा समय बिताती हैं।फंडा यह है कि जो लोग किसी भी काम के प्रति प्रतिबद्ध होते हैं, फिर चाहे वह स्वप्रेरणा से हो या उसके एवज में कोई पैसा मिले, ऐसे लोगों को हमेशा पहचान और सराहना मिलती है। इसलिए कहीं भी काम करें, काम के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता को सबसे ऊपर रखें क्योंकि इससे आपको पैसा मिलता है या प्रशंसा और ज्यादातर मामलों में तो दोनों।

इंफ्लुएंसर-संस्कृति अपने क्रिएटर्स को निगलती जा रही है

हम स्क्रॉल करते हैं, लाइक करते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन कभी-कभी एल्गोरिदम हमें कुछ ऐसा दिखा देता है, जो हमें रोक देता है- जैसे कि मीशा अग्रवाल की आत्महत्या की खबर, या बाबिल खान का इंस्टाग्राम पर लाइव आकर विलाप करना। और बस, इंफ्लुएंसर-जीवन का चमकदार आवरण उतर जाता है, पता चल जाता है कि यह क्या है : एक सुनहरा पिंजरा।मीशा अग्रवाल वो सब थीं, जिसका इंफ्लुएंसर-इकोनॉमी जश्न मनाती है- युवा, स्टाइलिश, बड़ी फॉलोइंग और उनके नाम से जुड़ा एक फैशन-लेबल। उनका कंटेंट अच्छा था, उनकी पोस्ट के कैप्शंस क्यूरेटेड होते थे और उनका पहनावा उनकी आकांक्षाओं को प्रदर्शित करता था। और इस सबके बावजूद, उसके पीछे एक महिला एक ऐसे अंधेरे से जूझ रही थी, जिसे हम देखने में नाकाम रहे थे- या जिसे हमने देखना नहीं चाहा। भला कौन डिप्रेशन पर डबल-टैप करना चाहेगा?फिर आए बाबिल खान, जो इरफान के बेटे हैं, एक सेलेब्रिटी-विरासत के अनिच्छुक उत्तराधिकारी हैं। वे लाइवस्ट्रीम पर रो पड़े। जरूरत से ज्यादा निगरानी के दबाव से टूट गए। हर समय 'ऑन' रहने का दबाव, एक क्लिकेबल-हेडलाइन तक सीमित हो जाने की मायूसी।उन्होंने कहा, 'मुझे अब बिलकुल नहीं पता कि मैं कौन हूं।' और वे भला कैसे जान सकते थे? एक ऐसी दुनिया में, जहां लाइक्स से ही पहचान को मान्यता मिलती है और ऑनलाइन चुप्पी को विफलता के रूप में देखा जाता है, वहां अपने जैसा होने का हाशिया ही कहां है?दो युवा जिंदगियां। और एक कठोर सत्य : इंफ्लुएंसर-संस्कृति चुपचाप अपने क्रिएटर्स को निगलती जा रही है। लेकिन सच कहें तो यह हम सभी की कहानी है।हम ऐसी पीढ़ी हैं, जो धारणाओं की बंधक बन चुकी है। आज पहचानें बनाई नहीं जातीं- ब्रांड की जाती हैं। आप अपना जीवन जी नहीं रहे होते, आप इसे लाइव-स्ट्रीम कर रहे होते हैं। और अगर आपकी इंगेजमेंट घटती है तो आपकी कीमत भी कम हो जाती है। चौबीसों घंटे उत्साहित, सुंदर और सफल दिखने का दबाव न केवल थका देने वाला है- यह अमानवीय भी है।यह एक परेशान करने वाला एहसास है कि हर चीज के प्रदर्शन के इस युग में, आपकी कीमत इंगेजमेंट-मीट्रिक में मापी जाती है। लाइक्स जीवन-रेखा बन जाते हैं। रील वास्तविकता बन जाती है। और अगर आप लॉग-ऑफ करके स्क्रीन से गायब हो जाते हैं, तो जैसे आपका कोई अस्तित्व ही नहीं रह जाता।इससे भी बुरी बात यह कि आज हमारी कमजोरियां भी नुमाइश का सामान हो गई हैं। रोएं, लेकिन सौंदर्यपूर्ण तरीके से। सच बोलें, लेकिन ऐसे कि इससे आपको ब्रांड-डील्स का नुकसान हो। शेयर करें, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं- कहीं ऐसा न हो कि ट्रोल आपके पीछे पड़ जाएं।हालत यह है कि आज हम प्रासंगिक बने रहने के लिए अपनी मानसिक-शांति

दुश्मनों को आसमान में मुंह की खानी पड़ेगी! भारत ने तैयार किया एक और घातक ड्रोन किलर, पहले ही टेस्ट में पास

नई दिल्ली। नई दिल्लीः भारत ने ड्रोन हमलों के खतरों का मुकाबला करने के लिए घरेलू स्तर पर डिवेलप किए गए माइक्रो-मिसाइल बेस्ड एयर डिफेंस सिस्टम 'भार्गवास्त्र' का सफल परीक्षण किया है। इसका मकसद तेजी से बढ़ते ड्रोन खतरों, खासकर ड्रोन स्वार्म अटैक्स (एक साथ कई ड्रोन से हमला) का प्रभावी मुकाबला करना है।13 मई को ओडिशा के गोपालपुर स्थित सिवाई फायरिंग रेंज में इसके चार माइक्रो रॉकेट्स का सफल परीक्षण किया गया। तीन टेस्ट किए गए। सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिडेट ने इसे डिवेलप और डिजाइन किया है। कंपनी ने कहा कि चारों रॉकेट्स ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया और जरूरी लॉन्च पैरामीटर्स पर खरे उतरे। इससे यह साबित होता है कि भार्गवास्त्र सिस्टम की तकनीक बड़े पैमाने पर ड्रोन हमलों को रोकने के

काबिल है। सेना के एयर डिफेंस के लिए बनाया गया यह सिस्टम अपनी तरह का पहला है। 6 किलोमीटर से भी ज्यादा दूरी पर छोटे ड्रोन की पहचान करने में सक्षम है। ड्रोन्स को गाइडेड माइक्रो हथियारों से निशाना बना सकता है 64 माइक्रो मिसाइल एकसाथ लॉन्च करने की क्षमता 2.5 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक लक्ष्यों को भेदने में सक्षम इसे खतरे वाले क्षेत्रों में तुरंत तैनात किया जा सकता है, जिससे तेज प्रतिक्रिया मुमकिन सेना की जरूरत देखते हुए इसे ऐसे बनाया गया है कि कठिन और ऊंचे इलाकों में भी काम करेगा यह किफायती है और स्वार्म अटैक्स यानी झुंड में आए ड्रोन्स को गिरा सकती है पहली लेयरः इसमें अनगाइडेड माइक्रो रॉकेट्स का इस्तेमाल होता है, जो 20 मीटर के दायरे में आने वाले ड्रोन झुंड को एकसाथ नष्ट कर सकते हैं। ये रॉकेट किसी एक खास लक्ष्य पर नहीं जाते, बल्कि एक बड़े क्षेत्र को कवर करके कई ड्रोन एक साथ गिरा सकते हैं। दूसरी लेयरः इसमें गाइडेड माइक्रो-मिसाइल्स का इस्तेमाल होता है, जो पहले ही टेस्ट की जा चुकी हैं। ये मिसाइल्स सटीक निशाना लगाकर एक-एक ड्रोन को गिराने में सक्षम हैं। इस तरह, भार्गवास्त्र पहले बड़े इलाके में आने वाले कई ड्रोन को रोकता है और फिर जो बच जाते हैं, उन्हें सटीक निशाने से खत्म करता है। इससे सुरक्षा मजबूत और असरदार होती है।

पाकिस्तान सेना के समर्थन में जुटे हजारों आतंकी,2 दिन पहले कराची में निकाली रैली, बुलेटप्रूफ ग्लास के पीछे खड़े होकर भारत विरोधी भाषण दिए

कराची। कराची में 12 मई को हजारों कट्टरपंथी नेताओं और आतंकवादियों ने पाकिस्तान सेना के समर्थन में रैली की। इस रैली में लश्कर-ए-तैयबा और अहले सुन्नत वल जमात शामिल थे। दोनों ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी संगठन घोषित हैं। ऑपरेशन बनयान-उन-मर्सूस का जश्न मनाते हुए रैली में

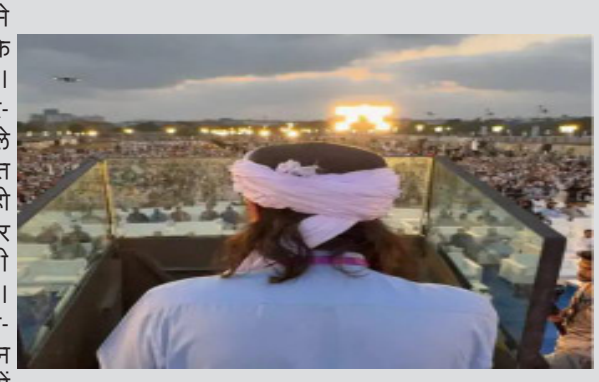

आतंकियों और कट्?टरपंथी नेताओं ने बुलेटप्रूफ ग्लास के पीछे खड़े होकर भारत विरोधी भाषण दिए। पाकिस्तान की दिफा-ए-वतन काउंसिल की दिफा-ए-वतन रैली का आयोजन जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने किया था।दिफा-ए-वतन काउंसिल पाकिस्तान के धार्मिक और राजनीतिक संगठनों का गठबंधन है। इसका मकसद देश की रक्षा करना है। इस रैली में कई कट्टरपंथी मौलाना भी शामिल भी शामिल हुए। इन्होंने भारत के खिलाफ भड़काऊ बयानबाजी की और दोनों देशों के संघर्ष को धर्म से जोड़कर पेश किया।कट्टरपंथी मुफ्ती तारिक मसूद ने कहा कि पाकिस्तान के गद्दार पाक आर्मी को सेक्युलर कहते हैं, जबकि हमारे दुश्मन हमारी आर्मी को मजहबी आर्मी कहते हैं। इस युद्ध को जीतने के बाद यह तय हो गया है कि हमारी सेना सेक्युलर नहीं है। यह एक ऐसी सेना है जो शहादत (बलिदान) का जुनून रखती है और मजहब और इस्लाम के नाम पर, अल्लाह के नाम पर अपनी जान कुर्बान कर देती है।जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (सिंध) के महासचिव अल्लामा राशिद महमूद ने भारत को खुलेआम धमकी दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी आर्मी ने इजराइली ड्रोनों को गिराकर उसका घमंड चकनाचूर कर दिया। फ्रांस के राफेल जेट को मार गिराया और रूस में बने एस-400 डिफेंस सिस्टम को भी तबाह कर दिया। इससे रूस को भी पता चल गया है कि पाकिस्तान से पंगा लेने से पहले तुम्हें सौ बार सोचना चाहिए।पाकिस्तान आर्मी और आतंकियों के बीच लंबे वक्त से गठजोड़ रहा है। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मारे गए पाकिस्तानी आतंकियों के जनाजे में वहां की सेना के सीनियर अफसर और नेता भी शामिल हुए थे।

देश को शर्मिंदा करते बेलगाम ट्रोलर्स, सोशल मीडिया का दायरा बड़ा लेकिन सोच छोटी

नई दिल्ली। सोशल मीडिया किस कदर टॉक्सिक हो सकता है, इसका बड़ा उदाहरण है विदेश सचिव विक्रम मिसरी की ट्रोलिंग। जिस अधिकारी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के पक्ष को सधे और सटीक अंदाज में देश-दुनिया के सामने रखा, उसे ही ट्रोलर्स ने निशाना बना लिया। वजह बेवजह थी, बचाव का यह कोई तर्क है ही नहीं। सवाल है, अगर वजह होती तो भी क्या किसी के सम्मान पर इस तरह चोट करना सही है? छोटी सोचः सोशल मीडिया का दायरा बड़ा हो रहा है, लेकिन सोच छोटी - और यह बात बार-बार साबित हो रही है। किसी पर कमेंट करते-करते ट्रोलर्स का हद के बाहर निकल जाना, मर्यादाओं को भूल जाना आम हो चुका है। इन्हें किसी का टैलेंट नहीं दिखता, किसी की मुस्कान चुभती है, किसी की सफलता रास नहीं आती, किसी की पहचान खलती है - और फिर शब्दों को जहर बनाकर ये सामने वाले को गिराने में लग जाते हैं। विक्रम मिसरी को निशाना बनाया गया, क्योंकि उन्होंने अपना काम ईमानदारी से किया। उन्हीं की तरह कर्नल सोफिया कुरैशी निशानी बनीं, जो ऑपरेशन सिंदूर का एक प्रमुख चेहरा हैं। असहज करने वाली ऑनलाइन टिप्पणियां तो हुईं ही उन पर, मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह ने सार्वजनिक रूप से भी कुछ ऐसा बोल दिया, जिस पर केवल शर्मिंदा ही हुआ जा सकता है। अच्छा हुआ कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने इस मामले में सख्ती दिखाई और डीजीपी को केस दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। सोशल मीडिया कभी शर्मिंदा नहीं होता, और न ही वह पिछली गलतियों से कोई सीख लेता दिखाई देता है। उसे पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी नरवाल या नैनीताल रेप केस मामले में पूरी मुस्लिम कम्युनिटी को निशाना बनाने का विरोध करने वाली शैला नेगी को ट्रोल करने में कोई हिचक नहीं होती। इसमें न एक महिला की गरिमा का ख्याल रखा जाता है और न कोई संवेदनशीलता दिखाई जाती है।सोशल मीडिया ने आम लोगों को अपनी बात रखने के लिए एक सशक्त प्लैटफॉर्म दिया

की फौज भी खड़ी हो गई है। कीबोर्ड से होने वाले संवाद में स्क्रीन चेहरे को छिपा देता है। यह अहसास वैसा ही है, जैसे भीड़ में खो जाना। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक जॉन सुलर का कहना है कि इंटरनेट पर मिलने वाली गुमनामी और रिएक्शन का डर न होने से लोग अधिक आक्रामक और असामाजिक व्यवहार करने लगते हैं। आमने-सामने की बातचीत में जो नहीं कहा जा सकता, उसे भी सोशल मीडिया पर लिखने से हिचक नहीं होती।ट्रोलिंग के कारण विक्रम मिसरी को अपना ट्विटर अकाउंट लॉक करना पड़ा। उन्होंने भले ही अपनी ऑनलाइन उपस्थिति हटा ली, लेकिन उन्हें या हिमांशी नरवाल या शैला को जो कुछ झेलना पड़ा, दिलो-दिमाग से उसकी मौजूदगी शायद ही जल्दी हटे। और बात केवल मेंटल ट्रॉमा की नहीं है - ट्रोलर्स पर्सनल जानकारी शेयर करने से भी नहीं बाज आते। इससे किसी की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर चिंताएं खड़ी हो जाती हैं।सोशल मीडिया और ओटीटी ने गाली-गलौज को न्यू नॉर्मल का दर्जा दिला दिया है, लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों ने इस बात को समझते हुए साइबर बुलिंग और इंटरनेट पर हेट स्पीच रोकने के लिए सख्त कानून बनाए हैं। भारत में आईटी एक्ट, 2000 की धारा 66(ए) में ऑनलाइन आपत्तिजनक पोस्ट करने के खिलाफ प्रावधान था। हालांकि 2015 के एक ऐतिहासिक केस में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह कानून अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर अनुचित रोक लगाता है। नए आईटी नियमों में कंपनियों की जवाबदेही और जिम्मेदारी तय की गई है, लेकिन जाहिर है कि इससे काम बन नहीं रहा। भारतीय संविधान ने नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार दिया है। इसी अधिकार से वे सोशल मीडिया पर अपने विचार और मत व्यक्त करते हैं। लेकिन, यह अधिकार बेलगाम नहीं हो सकता। नैतिकता की रक्षा, अश्लीलता और मानहानि रोकने के लिए सीमाएं जरूरी हैं। सुप्रीम कोर्ट भी एक मामले में कह चुका है कि सोशल मीडिया इस्तेमाल करते समय इसके प्रभाव और पहुंच को लेकर ज्यादा सतर्क रहना चाहिए।

नोएडा में बर्ड फ्लू अलर्ट, मौत पर हर जानवर-पक्षी का पोस्टमॉर्टम जरूरी, चिड़ियों के मूवमेंट पर रखनी होगी नजर

नोएडा। गोरखपुर में बर्ड फ्लू से बाघिन की मौत के बाद यूपी के कई जू और लायन सफारी में पर्यटकों की एंट्री बंद कर दी गई है। वहीं, मुख्यमंत्री की ओर से बर्ड फ्लू से निपटने के निर्देश के बाद स्थानीय वन विभाग भी तैयारियों में जुट गया है। साथ ही कई दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत जिले में किसी भी पक्षी या जानवर की मौत होने पर उसका पोस्टमॉर्टम अनिवार्य कर दिया गया है। अगर मौत का कारण बर्ड फ्लू पाया जाता है तो उसके अनुसार आगे के कदम उठाए जाएंगे। इसके अलावा, पक्षियों की गिनती के निर्देश भी दिए गए हैं। किसी जानवर की मौत होने पर कर्मचारियों को पीपीई किट पहनकर ही उसे हाथ लगाने को कहा गया।मंगलवार को लखनऊ में एच-5 एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) संक्रमण की आशंका को देखते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने

इससे निपटने के लिए अधिकारियों को कई निर्देश दिए थे। इसी क्रम में जिला वन अधिकारी प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि संक्रमण को गंभीरता से लेते हुए पूरे जिले में निगरानी बढ़ा दी गई है। इसके साथ ही बड़े या छोटे किसी भी पक्षी या जानवर की मौत होती है तो उसका पोस्टमॉर्टम करा मौत का कारण जानना अनिवार्य कर दिया गया है। वहीं, माइग्रेट या रेजिडेंशल बर्ड की मास लेवल पर मौत होती है तो उसकी जानकारी इलाकेदार रिपोर्ट बनानी होगी। माइग्रेट या रेजिडेंशल बर्ड के मूवमेंट पर भी रिपोर्ट बनाना जरूरी कर दिया गया है।वन अधिकारी ने बताया कि पक्षियों की गिनती पीक समय या दिसंबर में होती है, जब दूसरे जगहों से वे वेटलैंड में आते हैं। लेकिन, बर्ड फ्लू के कारण निर्देश दिए गए हैं कि जिले के सभी क्षेत्रों में इनकी गिनती की जाए। संख्या में हो रहे बढ़ोतरी या गिरावट की रिपोर्ट बनाकर तैयार रखें। वेटलैंड के फील्ड स्टाफ से कहा गया है कि किसी भी प्रकार का केस मिलता है तो फौरन अधिकारियों से मिलें और जो भी मेडिकल सुरक्षा दी जा सकता है दें। लगातार निगरानी करते रहें।दरअसल, गोरखपुर जू में 7 मई को बाघिन की मौत के बाद विसरा रिपोर्ट में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। इसके बाद लखनऊ में 6 दिनों तक चिड़ियाघर और लायन सफारी को विजिटर्स के लिए बंद कर दिया गया है। वहीं, गोरखपुर जू में बाघ को भी बर्ड फ्लू होने की आशंका है।वन अधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 162 वेटलैंड हैं। इनमें छोटे-बड़े वेटलैंड शामिल हैं। 2.5 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र वाले 30 बड़े वेटलैंड की पहचान की गई है। अन्य बड़े वेटलैंड्स में 7.98 हेक्टेयर क्षेत्र की जारचा वेटलैंड, 5.95 हेक्टेयर की बिलासपुर वेटलैंड, लगभग पांच हेक्टेयर क्षेत्र की चौना, ओखला बर्ड सैंक्चुरी, धनौरी, सूरजपुर वेटलैंड शामिल हैं। पिछले रेकॉर्ड के अनुसार, जिले में 783 बड़े और छोटे वेटलैंड थे। इनमें से दादरी ब्लॉक में 288, जेवर में 260 और दनकौर ब्लॉक में 191 थे। अब इनमें से कई का अस्तित्व समाप्त हो चुका है।

बाप रे बाप! ऐसे कौन मारता है भाई... लड़के को पेड़ से टांगकर पीटा

बेतिया। बिहार में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। बेतिया में एक लड़के पर मोबाइल चोरी का आरोप लगा। इसके बाद उसे पेड़ से बांधकर पीटा गया। ये घटना पश्चिम चंपारण जिले के चनपटिया इलाके की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वीडियो की सच्चाई पता चलने पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बिहार में मोबाइल चोरी के आरोप में एक शख्स की पेड़ से टांग कर पिटाई की गई। पश्चिम चंपारण (बेतिया) जिले के चनपटिया की घटना है। खरग पोखरिया पंचायत के वार्ड संख्या 9 में एक लड़के की बेरहमी से पिटाई की गई। बताया जा रहा है कि इस पर मोबाइल चोरी का आरोप था। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि दर्जनों लोगों की मौजूदगी में लड़के को पेड़ से बांधकर एक शख्स डंडों से पीटा जा रहा है।ये घटना लोगों में चर्चा का विषय बनी हुई है। हालांकि, अब तक इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं हो पाई है कि ये घटना सच में उसी जगह की है या नहीं। इस मामले में चनपटिया थानाध्यक्ष सम्राट सिंह ने बताया कि पुलिस वीडियो की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर वीडियो सही पाया गया, तो दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच

में जुटी है।चनपटिया के खरग पोखरिया पंचायत के वार्ड संख्या 9 में की घटना पर आरोप है कि एक किशोर ने मोबाइल फोन चुराया था। इसके बाद कुछ लोगों ने उसे पकड़ लिया। फिर उसे पेड़ से बांध दिया। एक शख्स ने डंडों से उसकी बेरहमी से पिटाई की। वहां दर्जनों लोग मौजूद थे। किसी ने इस घटना का वीडियो बना लिया। अब यह वीडियो वायरल हो रहा है। इस घटना से इलाके में चर्चा का माहौल है। लोग हैरान हैं कि किसी को इस तरह कैसे पीटा जा सकता है। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं है कि वीडियो असली है या नहीं। पुलिस वायरल वीडियो की जांच कर रही है।चनपटिया के थानाध्यक्ष सम्राट सिंह ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पुलिस वीडियो की जांच कर रही है। अगर वीडियो सही पाया गया, तो दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस ये पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वीडियो कहां का है। साथ ही, ये भी पता लगा रही है कि पीटने वाले लोग कौन थे। पुलिस का कहना है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

एमपी की पहली मेट्रो 20 मई से दौड़ेगी, पीएम मोदी दिखाएंगे हरी झंडी, 7 दिन फ्री यात्रा की सौगात

इंदौर। इंदौर मेट्रो के लिए लंबे समय से इंतजार कर रहे प्रदेशवासियों को बड़ी अच्छी खबर मिलने वाली है। 20 मई से मेट्रो शुरू होने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 मई को इसे हरी झंडी दिखा सकते हैं। शुरुआत में यात्रियों को मुफ्त यात्रा करने का मौका मिलेगा। बाद में टिकट पर छूट भी मिलेगी। मेट्रो गांधी नगर से स्टेशन नंबर 3 तक चलेगी। इसका किराया 20 रुपये से शुरू होगा। खास बात यह है कि यह मध्य प्रदेश में यह पहली मेट्रो होगी जो अपना चलना शुरू करेगी। भोपाल मेट्रो को पूरा करने का काम भी तेज रफ्तार के साथ चल रहा है। इंदौर मेट्रो को शुरू करने की तैयारी तेजी से चल रही है। एमपी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन इसके लिए काम कर रहा है। अभी तक कॉमर्शियल रन की तारीख आधिकारिक तौर पर जारी नहीं हुई है, लेकिन यह तय हो गया है कि पीएम मोदी इसे हरी झंडी दिखाएंगे।मीडिया रिपोर्ट

के अनुसार पीएम मोदी 20 मई को मेट्रो को हरी झंडी दिखा सकते हैं। कयास हैं कि वे डिजिटल माध्यम से जुड़ सकते हैं। हालांकि मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन और सरकार ने अभी तक इस बारे में बात स्पष्ट नहीं की है।मेट्रो प्रबंधन यात्रियों को लुभाने के लिए खास योजना बना रहा है। शुरू में टिकट पर छूट दी जाएगी। पहले हफ्ते में यात्रा मुफ्त रहेगी। दूसरे हफ्ते में टिकट पर 70 प्रतिशत छूट मिलेगी। तीसरे हफ्ते में यह छूट 50 प्रतिशत होगी। चौथे हफ्ते से अगले 3 महीनों तक टिकट पर 25 प्रतिशत छूट मिलेगी।कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी की टीम ने मेट्रो को हरी झंडी दिखा दी है। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में इसे सुरक्षित बताया है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अनुसार, इंदौर मेट्रो गांधी नगर से स्टेशन नंबर 3 तक चलेगी। मेट्रो दोनों तरफ से 25-25 चक्कर लगाएगी। इस तरह कुल 50 चक्कर लगेंगे। मेट्रो गांधी नगर स्टेशन और सुपर कॉरिडोर स्टेशन नंबर 3 से एक साथ शुरू होगी। मेट्रो सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक चलेगी। हर 30 मिनट में एक मेट्रो मिलेगी। अगर यात्रियों की संख्या ज्यादा होगी, तो समय कम किया जा सकता है।मेट्रो का किराया अलग-अलग जोन के हिसाब से होगा। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने किराए को 5 जोन में बांटा है। इन 5 जोन में मेट्रो के 28 स्टेशन होंगे। सबसे कम किराया 20 रुपये होगा। सबसे ज्यादा किराया 80 रुपये होगा। शुरुआती रूट पर सबसे कम किराया 20 रुपये और सबसे ज्यादा किराया 30 रुपये होगा।

समोसे को लेकर विवाद, कस्टमर ने दुकानदार को मारी गोली

गुरुग्राम। फर्रुखनगर में झज्जर गेट पर मंगलवार सुबह एक दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दुकानदार अपनी दुकान में बैठे थे कि एक युवक आया और फायरिंग कर दी। वारदात थाने से चंद कदम दूर हुई। वारदात से गुस्साए दुकानदारों ने बाजार बंद कर मुख्य सड़क पर जाम लगा दिया। पुलिस ने वाहनों को दूसरे रास्तों से निकाला। एसीपी ने थाना प्रभारी व अन्य पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किए जाने व आरोपी को जल्द अरेस्ट करने का आश्वासन देकर जाम खुलवाया।एरिया में रहने वाले 28 वर्षीय भाई राकेश की झज्जरगेट पर चाय-समोसे की दुकान है। बताया जा रहा है कि मंगलवार को राकेश दुकान में बैठे थे। अचानक एक युवक आया और फायरिंग शुरू कर दी।वारदात की सूचना मिलते ही फर्रुखनगर पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक के भाई तरुण ने मामले की शिकायत पुलिस को दी। दुकानदार की हत्या से गुस्साए परिजन और दुकानदार सड़क पर उतर गए। लोगों ने बाजार बंद करने के साथ रोड जाम कर दिया गया। लोगों ने हत्यारोपी को अरेस्ट करने के साथ ही पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मियों को सस्पेंड करने की मांग की।

जिस राफेल फाइटर जेट ने पाकिस्तान के छुड़ाए छक्के, उसे बनाने वाली कंपनी में कैसे मिलेगी जॉब

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेते हुए भारत ने 7 मई को पाकिस्तान में घुसकर आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। भारतीय वायुसेना के सबसे आधुनिक फाइटर जेट राफेल ने पाकिस्तान में आतंकी कैंपों को नेस्तनाबूद करने का काम किया। एयरस्ट्राइक के बाद से ही देशभर में राफेल विमान एक बार फिर से चर्चा में आ गया है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस फाइटर जेट को किस कंपनी ने बनाया है और आप किस तरह इस कंपनी में जॉब पा सकते हैं।दरअसल, पहलगाम में आतंकियों ने 22 अप्रैल को 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर का ऐलान किया और 7 मई को पाकिस्तान के 9 शहरों में एयरस्ट्राइक की। इन हमलों के जरिए पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को तहस-नहस कर दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने बहावलपुर, मुरीदके, गुलपुर, भिम्बर, चक अमरू, बाग, कोटली, सियालकोट

और मुजफ्फराबाद में आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया। राफेल भारतीय वायुसेना का सबसे आधुनिक फाइटर जेट है। वायुसेना के पास कुल मिलाकर 36 राफेल जेट्स हैं। भारत ने सितंबर 2016 में फ्रांस के साथ राफेल जेट्स खरीदने को लेकर 7.87 अरब यूरो का करार किया था। पांच राफेल फाइटर जेट्स का पहला बैच 29 जुलाई, 2020 को भारत पहुंचा। इसके बाद अप्रैल 2022 तक बाकी के बचे लड़ाकू विमानों को भी डिलीवर कर दिया गया। इसके बाद से ही राफेल भारत की सुरक्षा में लगा हुआ है।राफेल विमान एक ही उड़ान में कई तरह के मिशनों को अंजाम दे सकता है, जिसमें हवा से हवा में मुकाबला करना, जमीन पर हमला करना, टोही करना और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध शामिल हैं। ये लंबी दूरी की स्टैंड-ऑफ मिसाइलों और हमर जैसे हथियारों को ले सकता है। इसमें हाई क्वालिटी सेंसर लगे हैं, जो इसे लंबी दूरी के टारगेट का पता लगाने में मदद करते हैं। राफेल में दो शक्तिशाली स्नेकमा एम88 टर्बोफैन इंजन हैं, जो इसे तेज रफ्तार उड़ान भरने के काबिल बनाते हैं।राफेल लड़ाकू विमानों को बनाने का नाम डसॉल्ट एविएशन नाम की कंपनी ने किया है। डसॉल्ट फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित एक एयरोस्पेस कंपनी है। इस कंपनी की स्थापना 1929 में मार्सेल ब्लॉक ने द्वारा सोसाइटी डेस एवियंस मार्सेल ब्लॉक के रूप में हुई थी। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, मार्सेल ब्लॉक ने अपना नाम बदलकर मार्सेल डसॉल्ट कर लिया। फिर उन्होंने 20 जनवरी 1947 को कंपनी का नाम भी बदल दिया। इसका नाम एवियंस मार्सेल डसॉल्ट कर दिया गया। इसके बाद 1990 में एक बार फिर कंपनी का नाम बदला और तब से लेकर अब तक इसे डसॉल्ट एविएशन के तौर पर ही जाना जाता है।राफेल जेट्स बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट एविएशन में कई तरह की जॉब्स उपबल्ध हैं। ये सभी नौकरियां फ्रांस में ही हैं। इसमें मैनेजमेंट से लेकर एयरोस्पेस इंजीनियर तक की नौकरियों की वैकेंसी रहती है। डसॉल्ट में नौकरी के लिए आपको सबसे पहले वेबसाइट के करियर पेज (carriere.dassault-aviation.com) पर जाना होगा। यहां पर आपको सबसे पहले अपनी प्रोफाइल बनानी होगी। फिर करियर पेज पर ही लॉगिन कर उस पोस्ट को सेलेक्ट करना होगा, जिसके लिए अप्लाई करना है। आवेदन के बाद आपको अपनी प्रोफाइल पर ही नौकरी से जुड़े अपडेट्स मिल जाएंगे। अगर आपका सेलेक्शन होता है, तो इस बारे में तुरंत जानकारी दे दी जाएगी।

एसिड अटैक में खोई रोशनी, जज्बे से सीबीएसई 12वीं में मारी बाजी आईएएस बनने का है ख्वाब

चंडीगढ़। कैफी नाम की एक लड़की ने अपनी जिंदगी में रोशनी देखने से पहले ही अंधेरा देख लिया था। जब वह सिर्फ तीन साल की थी। तब एक पड़ोसी ने पारिवारिक झगड़े में उस पर तेजाब फेंक दिया। इस हमले से वह अंधी हो गई। इसके बावजूद उसने हिम्मत नहीं हारी। मंगलवार को कैफी ने सीबीएसई कक्षा 12 की परीक्षा में 95.6 प्रतिशत अंक हासिल करके सभी को चौंका दिया। उसने यह साबित कर दिया कि साहस ही असली रोशनी है न कि आंखें। वहीं कैफी के पिता पवन इस सफलता से गदगद हैं। वह कहते हैं कि मुझे अपनी बेटी पर बहुत गर्व है। उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।चंडीगढ़ के सेक्टर 26 स्थित नेत्रहीन संस्थान की छात्रा कैफी काफी सालों से प्रेरणा का स्रोत रही है। सीबीएसई के नतीजों की घोषणा के साथ उसने न केवल अपनी कक्षा में टॉप किया है। बल्कि पूरे देश को प्रेरित किया है।

कैफी ने बताया कि मैं हरियाणा के हिसार से हूं। जब मैंने अपना रिजल्ट सुना तो मैं बहुत खुश हुई। लेकिन उससे भी ज्यादा मुझे गर्व हुआ कि मैं अपने माता-पिता को खुशी दे सकी। उन्होंने मेरे लिए बहुत त्याग किया है।कैफी का जीवन आसान नहीं रहा है। 2011 में होली के त्योहार के दौरान उस पर हमला हुआ था। यह रंग और उत्सव का समय था। उसने याद करते हुए कहा कि मैं सिर्फ तीन साल की थी। हम नहीं समझ पाए कि उन्होंने ऐसा क्यों किया गया। कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं थी। लेकिन इससे सब कुछ बदल गया। उसने एम्स दिल्ली में कई सालों तक इलाज करवाया। जब यह साफ हो गया कि उसकी रोशनी वापस नहीं आएगी, तो उसके परिवार ने एक बड़ा फैसला लिया। उसे वापस स्कूल भेजने और शिक्षा को उसका भविष्य बनाने देने का।कैफी ने एसिड अटैक के पांच साल बाद 2016 में पहली बार कक्षा में कदम रखा। आज वह 16 लाख से अधिक छात्रों के बीच खड़ी है। जिन्होंने सीबीएसई कक्षा 12 की परीक्षा दी। उसका नाम पहले से कहीं ज्यादा चमक रहा है। कैफी की महत्वाकांक्षाएं उसके नंबरों से भी ऊंची हैं। उसने बताया कि मैं एक आईएएस अधिकारी बनना चाहती हूं। मैं ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने देश की सेवा करना चाहती हूं। मेरा मानना है कि मेरे जैसे पीड़ितों को सहानुभूति की नहीं, बल्कि अवसरों की जरूरत है।कैफी ने बताया कि उसके यहां तक के सफर के दौरान माता-पिता का अटूट समर्थन मिला है। उसने बताया कि किसी भी माता-पिता की तरह उन्होंने हर कदम पर मेरी मदद की है। उन्होंने त्याग किया ताकि मैं सपने देख सकूं और इसने मुझे अपना 100 प्रतिशत देने के लिए प्रेरित किया। मैं उन्हें गौरवान्वित करना चाहती थी।

बॉलीवुड/टैली मसाला

ट्रम्प का ऐलान- विदेशों में बनी फिल्मों पर 100फीसदी टैरिफ, कहा- हॉलीवुड मर रहा है

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अब विदेशी फिल्मों को अपने निशाने पर लिया है। उन्होंने ऐलान किया है कि विदेशों में बनने वाली फिल्मों के अमेरिका में रिलीज होने पर 100फीसदी टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने रविवार रात अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने अमेरिकी वाणिज्य विभाग को इसके लिए आदेश भी दे दिए हैं। ट्रम्प ने आरोप लगाया है कि विदेशों में बनी फिल्में अमेरिका में प्रोपगेंडा फैला सकती हैं। उन्होंने इसे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है।डोनाल्ड ट्रम्प ने भले ही विदेशों में बनने वाली फिल्मों पर 100 टैरिफ कर दिया है, लेकिन फिलहाल यह साफ नहीं है कि यह कैसे लागू होगा।ज्यादातर फिल्मों की शूटिंग दुनिया के कई देशों में होती हैं। ब्रिटेन, कनाडा जैसे देशों में फिल्मों के प्रोडक्शन में टैक्स पर छूट भी देते हैं। इसकी वजह से फिल्में अमेरिका की बजाय इन देशों में शूट हो रही हैं।ट्रम्प पहले भी यह चिंता जता चुके हैं कि फिल्में अमेरिका के बाहर बनने लगी हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई अमेरिका में फिल्म नहीं बनाना चाहता, तो उस पर टैक्स लगना चाहिए।अमेरिका में

फिल्मों के प्रोडक्शन में लगातार गिरावट आ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में 2021 के मुकाबले 2023 तक फिल्म प्रोडक्शन में 26फीसदी की गिरावट आई हैं। इसकी वजह से हॉलीवुड के लिए मशहूर लॉस एंजिलिस शहर के हालात और भी खराब हैं।फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े संगठन मोशन पिक्चर एसोसिएशन के मुताबिक 2023 में अमेरिकी फिल्मों ने दुनिया भर में सिर्फ 22.6 अरब डॉलर की कमाई की है। ट्रम्प पहले भी कई बार कह चुके हैं कि वो हॉलीवुड को बड़ा, बेहतर और पहले से ज्यादा मजबूत बनाना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने इसके लिए उन्होंने मेल गिब्सन, जॉन वॉइट और सिल्वेस्टर स्टैलोन जैसे एक्टर्स को स्पेशल एंबेसडर भी बनाया हैं।हॉलीवुड सिर्फ फिल्में बनाने की जगह नहीं है, बल्कि यह अमेरिका की सॉफ्ट पावर का सबसे बड़ा हथियार भी रहा है। पिछली एक सदी से हॉलीवुड की फिल्मों ने दुनिया भर में अमेरिकी संस्कृति, भाषा, जीवनशैली और विचारधारा को पहुंचाया है। स्पाइडरमैन, एवेंजर्स, टाइटैनिक, गॉडफादर, स्टार वॉर्स, हैरी पॉटर जैसी फिल्में सिर्फ एंटरटेनमेंट नहीं थीं, बल्कि अमेरिका की ग्लोबल पहचान का हिस्सा बन गई हैं। अमेरिका में हर साल सैकड़ों फिल्में बनती हैं और इनका बाजार सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं रहता है। ये दुनिया के लगभग हर देश में रिलीज होती हैं। 2023 में अमेरिकी फिल्मों ने अकेले एक्सपोर्ट से 22.6 अरब डॉलर की कमाई की और 15.3 अरब डॉलर का ट्रेड सरप्लस दिया।हालांकि, बीते कुछ सालों में हॉलीवुड को कोविड-19 महामारी, 2023 में फिल्म यूनियनों की हड़तालें, लॉस एंजेलेस में जंगल की आग, और बढ़ती प्रोडक्शन कॉस्ट जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

'साउथ इंडस्ट्री का पहले मजाक उड़ाया जाता था' आज वहीं फिल्में कर रही हैं बॉलीवुड को डोमिनेट, पलक तिवारी निभायेंगी मजबूत पत्रकार का किरदार

नई दिल्ली। अभिनेत्री पलक तिवारी की एक्शन फिल्म 'रोमियो एस 3' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है. इस बीच उन्होंने अपने किरदार से जुड़ी खास बातों के साथ ही बताया कि अपकमिंग फिल्म में काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा. पलक ने बताया कि पत्रकार बनने के लिए उन्होंने कैसे तैयारी की.एक्शन से भरपूर फिल्म में एक मजबूत पत्रकार का किरदार निभाना पलक के करियर में एक नया अध्याय जोड़ता है. उन्होंने बताया कि इस किरदार के लिए उन्होंने तैयारी कैसे की. उन्होंने बताया, 'यह मेरे लिए बहुत अहम था टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी बॉलीवुड में अपने पैर जमाने की कोशिश कर रही हैं। जल्द ही वह फिल्म रोमियो

एस3 में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ एक्टर ठाकुर अनूप सिंह मुख्य भूमिका में होंगे। पेशे से पायलट रह चुके अनूप सिंह टीवी और फिल्मों में पहले भी काम कर चुके हैं और इंडस्ट्री में एक जाना-पहचाना नाम हैं। इस फिल्म का निर्देशन गुड्डू धनोआ ने किया है। हाल ही में ठाकुर अनूप सिंह ने बताया की फिल्म रोमियो एस3 में काम करना मेरे लिए एक बेहतरीन अनुभव रहा। हर एक्टर का सपना होता है कि उसकी लॉन्च फिल्म किसी बड़े और खास प्रोजेक्ट का हिस्सा हो और मेरे लिए यह सपना इस फिल्म के जरिए पूरा हुआ। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे इस फिल्म में काम करने का मौका मिला। खासकर इसके निर्माता जयंतीलाल गड़ा सर और निर्देशक गुड्डा धनोआ सर जैसे अनुभवी लोगों के साथ, जिन्होंने इस इंडस्ट्री में बहुत बड़ा योगदान दिया है। उनके साथ काम करके मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। इस फिल्म ने मुझे न सिर्फ अभिनय में, बल्कि यह भी सिखाया कि एक निर्देशक अपने किरदारों और पूरी फिल्म को किस नजरिए से देखता है। उनके विजन को नजदीक से समझना मेरे लिए काफी शानदार मौका रहा। अनूप सिंह ने ये भी कहां फिल्म की शूटिंग के दौरान मुझे कोई खास दिक्कत नहीं आई, क्योंकि शूटिंग शुरू होने से तीन महीने पहले ही मैंने गुड्डा सर के साथ मिलकर इस पर तैयारी की थी। सर से इनपुट्स लेकर हमने यह समझा कि डीसीपी संग्राम सिंह शेखावत और अज्जू के किरदार कैसे होंगे, उनकी बैक स्टोरी क्या होगी। मेरे हिसाब से अगर इन पहलुओं को अच्छी तरह से जान लिया जाए, तो शूटिंग के दौरान कोई बड़ी चुनौती नहीं आती। जहां तक दो किरदारों का सवाल है, तो मेरे लिए यह काफी रोमांचक था। दोनों किरदार एक-दूसरे से पूरी तरह अलग हैं और उन्हें स्क्रीन पर लाना मेरे लिए एक चुनौती थी। लेकिन साथ ही यह अनुभव बहुत उत्साहजनक भी था। हमारी टीम की मदद से यह सब करना काफी आसान हो गया।

हॉस्पिटल में एडमिट पवनदीप ने गाना गाया,9 दिन पहले हुआ था एक्सीडेंट

नई दिल्ली। इंडियन आइडल - 12 के विजेता पवनदीप राजन की

तबीयत में सुधार हो रहा है। वह फोर्टिस हॉस्पिटल में भर्ती हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर अपना हेल्थ अपडेट दिया है। वीडियो में वह हॉस्पिटल में बेड पर बैठकर गाना गा रहे हैं -'तू जहां, जहां रहेगाष्ठतेरा साया साथ होगा। हॉस्पिटल स्टाफ भी खड़ा होकर उनका गाना सुन रहा है। पवनदीप ने इंस्टाग्राम पर हाथ जोड़कर और दिल वाले इमोजी के साथ वीडियो शेयर किया है। वीडियो मंगलवार का है। फैंस ने उनके जज्बे को सलाम किया है। दरअसल, 5 मई को अमरोहा में पवनदीप की कार का एक्सीडेंट हो गया था। हादसे के बाद उनको गंभीर चोटें आई थीं। उनकी कई मल्टीपल सर्जरी हुई है। अब उनकी हालत में सुधार आ रहा है। उन्हें तीन दिन पहले आईसीयू से नॉर्मल रूम में शिफ्ट कर दिया गया है।इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में पवनदीप फोर्टिस हॉस्पिटल में बेड पर बैठे हैं। उनके साथ एक मेल नर्स खड़े हैं। पवनदीप के एक हाथ में पट्टियां लगी हुई हैं और दूसरे हाथ में सपोर्टिव हैंड ब्रेस बंधा हुआ है। पवनदीप अपने फैंस के लिए स्वरकोकिला लता मंगेशकर का फेमस गाना 'कभी मुझको याद कर के जो बहेंगे तेरे आंसू, तो वहीं पे रोक लेंगे उन्हें आ के मेरे आंसू' गाते दिख रहे हैं। वीडियो देखने के बाद पवनदीप के फैंस खुश हो गए।वीडियो खूब शेयर किया जा रहा है।पवनदीप 3 दिन पहले आईसीयू से नॉर्मल रूम में शिफ्ट किया गया था। पहले पवनदीप उठ नहीं पा रहे थे। मंगलवार को डॉक्टर्स ने उन्हें उठाकर बैठाया। फिर खड़े होने में उनकी मदद भी की। अभी पवनदीप की फिजियोथेरेपी चल रही है। वह अगले 6 हफ्तों तक चल नहीं पाएंगे। उन्होंने अपना एक म्यूजिकल ग्रुप भी तैयार कर लिया था। कॉलेज फंक्शन से उनको इतनी पॉपुलैरिटी मिली कि जल्द ही दूसरे प्रोग्राम्स में भी बुलाए जाने लगे। इसी बीच साल 2015 में सिंगिंग रियलिटी शो 'द वॉयस इंडिया' के विनर बनने के बाद उनकी डिमांड देश-विदेश में होने लगी। इसी बीच साल-2016 में पवनदीप राजन को उत्तराखंड सरकार ने युवा ब्रांड एंबेसडर बना दिया। तब से लेकर अभी तक वह उत्तराखंड के युवा ब्रांड एंबेसडर हैं। इसी बीच साल 2021 में सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल का 12वां सीजन शुरू हुआ। इसके पवनदीप विनर रहे। शो में उनकी परफॉर्मेंस काफी पसंद की गई थी। 'इंडियन आइडल- 12' विनर पवनदीप को ट्रॉफी के अलावा इनाम में एक लग्जरी कार और 25 लाख रुपए भी मिले थे। पवनदीप अभी तक 1200 से ज्यादा म्यूजिकल शो कर चुके हैं। उन्होंने अपने देश के 14 राज्यों और 13 अन्य देशों में म्यूजिक प्रोग्राम किया है। वह सबसे कम उम्र के यंगेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर भी हैं। मराठी के अलावा बॉलीवुड, मराठी, पहाड़ी, कुमाऊंनी और गढ़वाली गीत गा चुके हैं।

आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' का ट्रेलर आउट, टिंगू बास्केटबॉल कोच और 10 सितारों का दिखा कमाल

नई दिल्ली। आमिर खान तीन साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। उनकी मच अवटेड फिल्म

'सितारे ज़मीन पर' का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज कर दिया गया है। फिल्म के ट्रेलर में आमिर का अनोखा अंदाज देखने के मिल रहा है। ट्रेलर में आमिर की कॉमिक टाइमिंग के अलावा हंसी-खुशी से भरा एक शानदार माहौल देखने को मिल रहा है। फिल्म की टैगलाइन है 'सबका अपना अपना नॉर्मल'। ट्रेलर में आमिर खान दिव्यांग बच्चों के लिए बास्केटबॉल कोच की भूमिका निभाते हुए नजर आ रहे हैं। 'सितारे ज़मीन पर' 3 मिनट 29 सेकेंड के ट्रेलर में आमिर खान और जेनेलिया डिसूज़ा के अलावा बाकी स्टार कास्ट की झलक भी देखने को मिल रही है। ट्रेलर की शुरुआत बास्केटबॉल के खेल से होती है। फिर सजा के तौर पर आमिर को 10 दिव्यांग बच्चों को बास्केटबॉल सिखाने का आदेश दिया जाता है। मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया पर ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा- एक टिंगू बास्केटबॉल कोच, 10 तूफानी सितारे और उनकी जर्नी। ये फिल्म 20 जून को थियेटर में रिलीज होगी। हाल ही में एक्टर ने फिल्म को लेकर बताया कि उनकी नई फिल्म स्पैनिश फिल्म 'चैंपियंस' की हिंदी रीमेक है। 'चैंपियंस' साल 2018 में आई थी, जिसमें स्पेन के एडरेस बास्केटबॉल टीम की रियल लाइफ पर आधारित थी। इस फिल्म का पहले हॉलीवुड में भी रीमेक बनाया गया था, जिसमें वुडी हैरेलसन ने कम्यूनिटी सर्विस करने वाले एक गुस्सैल कोच की मुख्य भूमिका निभाई थी। 'सितारे जमीन पर' को आरएस प्रसन्ना डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में दर्शील सफारी और जेनेलिया देशमुख नजर आएंगी। दर्शील ने 'तारे जमीन पर' में मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म के गाने शंकर-एहसान-लॉय ने कंपोज किए हैं और अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखा है। बैकग्राउंड स्कोर राम संपत ने दिया है और स्क्रीनप्ले दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। बता दें कि तारे जमीन पर साल 2007 में रिलीज हुई थी। इसकी कहानी एक डिस्लेक्सिक बच्चे और उसके आर्ट टीचर के रिश्ते पर आधारित थी। 'सितारे जमीन पर' इसकी अगली कड़ी है, जिसकी घोषणा साल 2023 में की गई थी।

ऑपरेशन सिंदूर-सीजफायर पर आलिया भट्ट ने तोड़ी चुप्पीःलिखा- कुछ बहादुर लोग अपनी जान के बदले हमें नींद दे रहे थे

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर और सैनिकों की माताओं के लिए लिखा, रविवार

सीजफायर के बाद अब आलिया भट्ट ने शहीदों और सैनिकों के लिए एक लंबी-चौड़ी पोस्ट लिखी है। उनका कहना है कि जब लोग घरों में सो रहे थे, तो कुछ बहादुर सैनिक अपनी नींद और जान के बदले हमें सुरक्षा दे रहे थे। हालांकि इस मुद्दे पर आलिया की पोस्ट इतनी देरी से आई कि लोग इसे सिर्फ कवर-अप कह रहे हैं। आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम पर भावुक होकर लिखा, पिछली कुछ रातें अलग महसूस हुई हैं। जब कोई देश अपनी सांसे रोक लेता है, तो हवा में एक अलग शांति महसूस होती है। और पिछले कुछ दिनों में हमने उस शांति को महसूस किया। एक एंजाइटी। हर बातचीत, हर न्यूज नोटिफिकेशन और डिनर टेबल पर गूंजने वाला एक तनाव। हमने ये भार महसूस किया कि कहीं पहाड़ों पर हमारे सैनिक जागे हुए हैं, अलर्ट हैं और खतरे में हैं।आगे आलिया ने लिखा है, जब हम अपने घरों में थे तब कुछ बहादुर महिलाएं और पुरुष अंधेरे में खड़े हमारी रक्षा कर रहे थे। अपनी नींद और जान के बदले हमारी नींद दे रहे थे। ये बहादुरी नहीं बलिदान है। हर यूनिफॉर्म के पीछे एक मां थी, जो खुद भी नहीं सोई थी। एक मां जो जानती थी कि उसका बच्चा लोरियों की नहीं बल्कि अनिश्चितता की, तनाव की और एक ऐसी खामोशी की रात का सामना कर रहा है, जो एक पल में टूट सकती थी।आलिया ने आगे को हमने मदर्स डे सेलिब्रेट किया। जब हम फूल बांट रहे थे और गले मिल रहे थे, तो मैं उन माताओं के बारे में सोचने से खुद को रोक नहीं सकी, जिन्होंने नायकों को पाला और अपनी रीढ़ में थोड़ी ज्यादा मजबूती के साथ उस गौरव को अपने अंदर समेटे रखा। हमारी उन सैनिकों को संवेदनाएं जिनकी जिंदगियां खत्म हो गई, वो सोल्जर जो कभी घर नहीं लौट सके। उनका नाम आज देश की आत्मा में जुड़ गया है। आशा है उनके परिवारों को हिम्मत मिले। अपनी पोस्ट के आखिरी पन्ने पर आलिया ने लिखा है, तो आज रात और आने वाली हर रात, हम तनाव से पैदा होने वाली शांति को कम करने और शांति से पैदा होने वाली शांति की उम्मीद करते हैं। और हर माता-पिता को प्यार और दुआएं भेजिए, जो अपने आंसू रोके हुए हैं। क्योंकि आपकी ताकत इस देश को उससे कहीं ज्यादा आगे ले जाती है, जितना आप सोच भी नहीं सकते। हम एक साथ खड़े हैं। हमारे रक्षकों के लिए, भारत के लिए। जय हिंद।पूरा मामला शांत हो जाने के बाद आलिया की इस पोस्ट से कुछ यूजर्स भड़क गए हैं। जहां कुछ लोगों का कहना है कि आलिया ने अपनी पोस्ट में पाकिस्तान के खिलाफ कुछ नहीं लिखा, वहीं कुछ ये कह रहे हैं कि आलिया अब इस पोस्ट से कवर-अप कर रही हैं।

कांस 2025 में हुई उर्वशी रौतेला की फजीहत, रिवॉल्विंग डोर में 25 मिनट तक फंसी रहीं

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस

उर्वशी रौतेला इस बार दुनिया के सबसे मशहूर फिल्म फेस्टिवल में से एक कांस फिल्म फेस्टिवल पहुंची हैं। कांस के पहले दिन उर्वशी तोते वाले क्लच के चलते सुर्खियों में थीं, हालांकि अगले ही दिन एक्ट्रेस का कांस में जमकर मजाक बना। दरअसल, उर्वशी रौतेला अपनी भारी-भरकम ड्रेस के साथ रिवॉल्विंग डोर में फंस गईं। उन्हें निकालने के लिए टीम को भी मशक्कत करनी पड़ी थी। रिपोर्ट के मुताबिक सामने आया हुआ वीडियो कार्ल्टन होटल कहा है, जहां उर्वशी ठहरी थीं। कांस के दूसरे दिन एक्ट्रेस ऑफ व्हाइट लॉन्ग ट्रेल ड्रेस पहनकर इवेंट के लिए रवाना होने वाली थीं, लेकिन एंट्रेंस में ही एक्ट्रेस रिवॉल्विंग ड्रेस में फंस गईं। होटल स्टाफ और टीम की मदद से उर्वशी को जैसे-तैसे निकाला गया। एक्ट्रेस करीब 25 मिनट तक डोर में फंसने से खड़ी रहीं। इस दौरान उन्हें परेशान होते भी देखा गया।कांस के पहले दिन उर्वशी रौतेला मल्टीकलर गाउन, पैरेट क्लच और मल्टीकलर क्राउन में रेड कार्पेट का हिस्सा बनी थीं। रेड कार्पेट पर उर्वशी एक जगह ठहरीं और फोटोग्राफर्स को पोज देने लगीं, तभी वहां मौजूद सिक्योरिटी टीम के एक सदस्य ने उनके पास जाकर उन्हें वहां से हटने को कहा गया।

'कल हो ना हो' में सच में रोई थीं प्रीति

नई दिल्ली। फिल्म 'कल हो ना हो' प्रीति जिंटा के करियर की अहम फिल्मों में शामिल है। इसकी गिनती ऑल टाइम फेवरेट रॉम-कॉम फिल्मों में भी की जाती है। हाल ही में प्रीति जिंटा ने अपने एक्स अकाउंट पर 'कल हो ना हो' की शूटिंग के अनुभव को याद करते हुए बताया कि कैसे अधिकांश एक्टर्स शूटिंग के दौरान रो रहे थे। दरअसल, प्रीति ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने फैंस के लिए सवाल-जवाब का सेशन रखा था। इस दौरान एक फैन ने फिल्म में नैना कैथरीन कपूर के रूप में प्रीति के अभिनय की सराहना की।पीबीकेएस फैनाटिक नाम के एक यूजर ने फिल्म में निभाए प्रीति के रोल के लिए लिखा- 'मैडम, जब भी मैं कल हो ना हो देखता हूं, मैं बच्चों की तरह रोता हूं। आपने नैना कैथरीन कपूर का किरदार बखूबी निभाया है। साथ ही एक सबक भी सीखा है कि प्यार का मतलब कभी-कभी जाने देना होता है।' यूजर ने आगे उनसे सवाल पूछा कि जब आप 20 साल की शूटिंग के बाद कल हो ना हो देखती हैं तो क्या आप भी हमारी तरह रोती हैं?

जब सलमान के सामने फेल हुए थे रशियन्सःबोले- 'पार्टी में हमसे ज्यादा कौन पिएगा?' लेकिन करने लगे उल्टियां

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान अपनी पार्टियों के लिए जाने जाते हैं। सलमान अक्सर पार्टी का आयोजन करते रहते हैं।हाल ही में फिल्म 'लकीः नो टाइम फॉर लव' के डायरेक्टर राधिका राव और विनय सप्रू ने सलमान की पार्टी से जुड़ा एक मजेदार किस्सा बताया है। दोनों डायरेक्टर्स ने बताया कि कैसे रशियन टीम सलमान की पार्टी में शामिल होकर फंस गई थी।दरअसल, हिंदी रश को दिए इंटरव्यू में डायरेक्टर राधिका राव और विनय सप्रू ने शेयर किया कि सलमान की पार्टी में शराब की भरमार थी। राधिका और विनय ने रशियन क्रू को पहले ही चेतावनी दी थी, 'सलमान की पार्टी में मत जाना, अगली सुबह सेट पर आ

नहीं पाओगे।' लेकिन रशियन क्रू ने मस्ती में जवाब दिया, 'हम रशियन हैं, कोई हमसे ज्यादा नहीं पी सकता।' दोनों डायरेक्टर मुस्कराते हुए बोले, 'ठीक है, ट्राई कर लो। पर सलमान को हल्के में मत लेना।' अगले दिन रशियन टीम की हालत खराब हो गई राधिका और विनय ने बताया कि फिर क्या, पार्टी में वोडका की नदियां बहती रहीं। रशियन क्रू ने पूरा दम लगा दिया खुद को साबित करने में कि वही दुनिया में सबसे ज्यादा पी सकते हैं, लेकिन इस मुकाबले में जीत सलमान की हुई। अगली सुबह का हाल डायरेक्टर्स ने बताया कि कुछ लोग तो सीढ़ियों से लुढ़कते हुए नीचे आए। आधे लोग सिर पकड़कर बैठे थे। कुछ तो लेट भी हो गए थे। राधिका ने कहा कि रशियन लोग बहुत डिसिप्लिन में रहते हैं, पर उस दिन उनकी हालत खराब थी। हालांकि, सबसे हैरानी की बात ये थी कि सलमान पर कोई असर नहीं हुआ।

अनुष्का सेन पर भड़के नील नितिन मुकेश! इवेंट में डांट लगाते दिखे, डरी-सहमी एक्ट्रेस दे रही थीं सफाइ

नई दिल्ली। नील नितिन मुकेश जल्द ही वेब सीरीज है जुनून में जैकलीन फर्नांडिस के साथ नजर आने वाले हैं। मंगलवार को इस सीरीज का

प्रीमियर रखा गया था, जिसे म्यूजिकल नाइट नाम दिया गया है। इस प्रीमियर में फिल्म की कास्टिंग के साथ-साथ एक्ट्रेस अनुष्का सेन भी पहुंची थीं। हालांकि ये इवेंट उस वीडियो के चलते चर्चा में आ गया, जिसमें नीत नितिन मुकेश, अनुष्का सेन को डांट लगाते नजर आ रहे हैं। सामने आए वीडियो में अनुष्का सेन नील नितिन मुकेश के पास से गुजरते हुए दूसरे सेक्शन में जाती नजर आती हैं। इतने में नील उनसे कुछ कहते हैं और वो पलट जाती हैं। जैसे ही वो पलटती हैं, नील उंगली दिखाते हुए उन्हें गुस्से में कुछ कहते हुए नजर आते हैं। इसके जवाब में डरी-सहमी नजर आ रही अनुष्का ना कहते हुए दिखती हैं, हालांकि इसके बावजूद नील के हाव-भाव देखकर यही लगता है कि वो लगातार उन्हें गुस्से में कुछ कह रहे हैं। अनुष्का इस इवेंट में रेड बॉडीकॉन और हाई बन में पहुंची थीं। इस इवेंट की कई तस्वीरें और वीडियोज अनुष्का ने अपने इंस्टग्राम अकाउंट से पोस्ट की हैं। तस्वीरों में वो नील के साथ पोज करती भी नजर आई हैं। उनके साथ जैकलीन फर्नांडिस, बोमन ईरानी, सिद्धार्थ निगम भी मौजूद रहे।

'बहुत शराब पीते थे अनुराग कश्यप', विवेक अग्निहोत्री का बड़ा खुलासा, बोले- सेट पर उन्हें संभालना हो गया था मुश्किल

नई दिल्ली। डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री ने अनुराग कश्यप को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने बताया कि सालों पहले जब वह फिल्म 'धन धना धन गोल' पर काम कर रहे थे, तब अनुराग कश्यप और विक्रमादित्य मोटवानी उनके साथ जुड़े थे, लेकिन अनुराग की शराब पीने की आदतों ने शूटिंग को मुश्किल बना दिया था।डिजिटल कमेंट्री यूट्यूब चैनल में एक इंटरव्यू के दौरान विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि जब हम 'गोल' फिल्म कर रहे थे, तब अनुराग कश्यप इस फिल्म की स्क्रिप्ट लिख रहे थे। यह फिल्म फुटबॉल पर आधारित थी। शुरुआत में सैफ अली खान और प्रियंका चोपड़ा को फिल्म में लेने की

बात चल रही थी। सब कुछ लगभग फाइनल हो रहा था, लेकिन सैफ की पर्सनल लाइफ में कुछ दिक्कतें आ गईं। वो अलग रास्ते पर चले गए। इसके बाद फिल्म में जॉन अब्राहम और बिपाशा बसु को लिया गया।अनुराग कश्यप उस समय बहुत ज्यादा शराब पीते थे। आजकल क्या करते हैं, मुझे नहीं पता, लेकिन उस वक्त, टाइम और काम का कोई सही हिसाब नहीं था। फिर अनुराग विक्रमादित्य मोटवानी को लेकर आया। उसने कहा, 'मेरा एक नया लड़का है, वो मेरे साथ काम करता है, वो आपकी हेल्प करेगा। आप उससे मिलते रहिए।' धीरे-धीरे करते-करते अनुराग ने विक्रमादित्य को ही सारा काम दे दिया। विक्रमादित्य बहुत टैलेंटेड है, इसमें कोई शक नहीं है, लेकिन जो फिल्म मैं बनाना चाहता था, जैसी सोच मेरी थी, वो इन लोगों की सोच से अलग थी। वो लोग फिल्म को कुछ और ही तरीके से बनाना चाह रहे थे। ' विवेक अग्निहोत्री ने आगे ये भी कहा कि आखिरकार यह स्थिति आ गई कि अब क्या किया जाए, क्या नहीं किया जाए। फिर प्रोडक्शन हाउस ने भी अनुराग से इस बारे में काफी बातचीत की। बहुत कुछ हुआ उस दौरान। वैसे मेरा अनुराग से काफी पुराना संबंध रहा है। ऐसा नहीं है कि कोई दुश्मनी है। जब भी हम मिले हैं, मैंने उससे अच्छे से ही बात की है, लेकिन सच कहूं तो उसे हैंडल करना बहुत मुश्किल हो गया था। उन्होंने यह भी कहा कि शराब एक ऐसी चीज है जिसे वही समझ सकता है, जो खुद उस दौर से गुजरा हो।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सम्पादक/प्रकाशक डा0 पुनीत अरोरा

मो0न0-09415608710

RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।